THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 97 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.7 2080 रविवार, 25 जून 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

मणिपुर में फिर हिंसा, मंत्री के गोदाम में आग लगाई

अमित शाह ने संसद में ली सर्वदलीय बैठक, कांग्रेस ने भाजपा पर फिर निशाना साधा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में शनिवार को राज्य सरकार के मंत्री एल सुसींद्रो के घर पर भीड़ ने हमला बोल दिया। उनके निजी गोदाम और वहां खड़ी 2 गाड़ियों को आग लगा दी गई। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया और मंत्री के घर में घुसने की कोशिश कर रही भीड़ को भगाया। सुसींद्रो कंज्यूमर एंड फूड अफेयर्स और पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के मंत्री हैं। वे मैतेई समुदाय से आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोदाम में पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के करोड़ों रुपये के पाइप रखे हुए थे, जो आगजनी में पूरी तरह जलकर खाक हो गए। भीड़ ने पूर्वी इंफाल में साजीवा जेल के पास स्थित भाजपा दफ्तर में भी आग लगा दी।

उधर, मणिपुर में 52 दिनों से जारी हिंसा को लेकर आज दिल्ली में ऑल पार्टी मीटिंग हुई। यह मीटिंग 3 घंटे तक चली। संसद भवन में हुई बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी शामिल हुए।

बैठक में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, आप सांसद संजय सिंह, आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा, एनसीपी महासचिव नरेंद्र वर्मा, मणिपुर के एनसीपी चीफ सोरन इबोयिमा और सीपीआई(एम) के सांसद जॉन ब्रिटास समेत कई विपक्षी नेता भी पहुंचे।

टीएमसी ने की मणिपुर में ऑल पार्टी डेलिगेशन भेजने की मांग

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मणिपुर में अगले हफ्ते ऑल पार्टी डेलिगेशन भेजने की मांग की है। पार्टी ने अपने बयान में कहा कि अब तक केंद्र सरकार का रुख अनदेखी का रहा है। अब इसमें बदलाव की जरूरत है। वहीं, सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम ने ट्वीट कर अमित शाह से पूछा है कि उनकी पार्टी को मीटिंग में क्यों नहीं बुलाया गया।

इस बैठक से पहले शनिवार को कांग्रेस ने भाजपा पर फिर निशाना साधा। जयराम रमेश ने एक ट्वीट कर कहा कि मणिपुर 52 दिनों से जल रहा है और गृहमंत्री ने अब जाकर सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

मणिपुर में शांति के लिए जंतर-मंतर पर सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। हिंसा प्रभावित मणिपुर में शांति बहाली की मांग को लेकर 40 संगठनों के एक समूह ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन किया।

इस दौरान लोगों ने जातीय हिंसा पर अपनी हार्दिक संवेदना और दुख व्यक्त किया है। रिपोर्ट के अनुसार, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले समूहों ने राज्य के कुछ हिस्सों में जलाए गए सैकड़ों चचर्चें पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की।

समूहों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हमारे राज्य में कानून और व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है, जहां सशस्त्र भीड़ आए दिन शासन करती है। मणिपुर के लोगों द्वारा कई दशकों में बनाई और विकसित की गई संपत्तियां कुछ ही घंटों में जलकर राख हो गई हैं।

>14

दो दिवसीय राजकीय दौरे पर काहिरा पहुंचे पीएम मोदी

हवाई अड्डे पर हुआ भव्य स्वागत

काहिरा, 24 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे के बाद शनिवार को मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंचे। मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मैडबौली ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी का यह दो दिवसीय राजकीय दौरा है। वह मिस्र के प्रधानमंत्री के साथ राउंडटेबल बैठक करेंगे और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से भी मुलाकात करेंगे।

मिस्र में भारतीय समुदाय संघ की अध्यक्ष दीप्ति सिंह ने कहा, हम सभी काहिरा में पीएम मोदी से मिलने के लिए बहुत उत्साहित हैं। लगभग 300-350 लोगों को आज प्रधानमंत्री से मिलने के लिए यहां आमंत्रित किया गया है। वहीं, दो दशकों से मिस्र में रह रहीं तोरल मेहता कहती हैं, आज हम सभी के लिए बहुत गर्व का क्षण है क्योंकि हम मिस्र की धरती पर पीएम मोदी को देखने जा रहे हैं। मैं लंबे समय से यहां रह रही हूं। यह मेरे और मेरे देश के लिए बहुत अच्छा है। मोदी जी के यहां आने से धरती पर दोनों देश एक साथ आए हैं। काहिरा में भारतीय डायस्पोरा के सदस्य अमरनाथ दास कहते हैं, पीएम मोदी की मिस्र यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। बोरा समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए तिरंगे को लेकर काहिरा के रिट्ज कार्लटन होटल की लॉबी में प्रवेश किया।

>14

महंगाई पर आरबीआई के पेपर के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का कहना है कि जनता अब कम खर्च कर रही है, जिस वजह से बिक्री में कमी आई है। इसी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़ने ने शनिवार को मुद्रास्फीति को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर कटाक्ष किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने ट्वीट किया, जब कांग्रेस पार्टी बोलती है कि महंगाई है, तो मोदी जी के मंत्रीगण कहते हैं कि महंगाई दिखती ही नहीं। जब जनता बोलती है कि महंगाई है। तो मोदी सरकार सप्लाई, मौसम और युद्ध, सबका बहाना बनाती है! अब तो भारत सरकार का आरबीआई खुद कह रहा है कि जानलेवा महंगाई के चलते जनता कम खर्च कर रही है, जिससे बिक्री घटी है और प्राइवेट निवेश पर बुरा असर पड़ा है। ये कुचक्र हमारी अर्थव्यवस्था के लिए घातक है। बताइये नरेंद्र मोदी जी, आप आरबीआई की इस रिपोर्ट पर क्या जवाब देंगे? अच्छे दिन का मतलब है नामुमकिन!

कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी आरबीआई के उस पेपर के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि मुद्रास्फीति व्यक्तिगत उपभोग व्यय को धीमा कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप कॉरपोरेट बिक्री में कमी आ रही है और क्षमता निर्माण में निजी निवेश में बाधा आ रही है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा लिखे गए पेपर में उपभोक्ता खर्च को पुनर्जीवित करने और कॉरपोरेट राजस्व व लाभ को बढ़ावा देने के लिए मुद्रास्फीति को कम करने की जरूरत को भी अंडरलाइन किया गया है।

कनपटी पर बंदूक सटाकर फैसला नहीं करा सकते

अध्यादेश मुद्दे पर कांग्रेस का आप पर पलटवार

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के खिलाफ विपक्षी एकता की कवायद के बीच कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आपस में भिड़ गई हैं। मुद्दा है दिल्ली को लेकर मोदी सरकार के लाए अध्यादेश का। आप ने दो टूक कह दिया है कि जब तक कांग्रेस अध्यादेश के खिलाफ संसद में वोटिंग का भरोसा नहीं देती, तबतक वह उसके साथ किसी गठबंधन या मीटिंग में शामिल नहीं होगी। अपनी नाराजगी के इजहार के लिए पार्टी ने शुक्रवार को पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक के बाद जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग का बहिष्कार किया। दूसरी तरफ कांग्रेस के तेवर भी सख्त है। उसने भी टका सा जवाब दिया है कि अपनी बात मनवाने के लिए हमारी कनपटी पर बंदूक मत रखिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल को इस मुद्दे पर टीएमएसी और नैशनल कॉन्फ्रेंस का भी साथ मिला है। दोनों पार्टियों ने दिल्ली अध्यादेश के मुद्दे को पटना की मीटिंग का मेन पॉइंट बनाने की अरविंद केजरीवाल की कोशिशों पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी की तरफ से जारी बयान की भाषा पर भी सख्त ऐतराज जताया है। खड़गे ने आप के बयान को 'भड़काऊ' करार दिया है। वहीं कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा, आप हमारी कनपटी पर बंदूक रखकर फैसला लेने के लिए नहीं कह सकते।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्षी दल संसदीय मुद्दों पर तब चर्चा करते हैं जब सत्र चल रहा होता है। आम आदमी पार्टी के नेता भी संसद में विपक्ष की रणनीति तय करने के लिए बुलाई बैठकों में शामिल होते हैं। खड़गे ने अध्यादेश पर कांग्रेस का स्टैंड क्लियर करने के केजरीवाल की जिद पर हैरानी जताई।

तरनतारन में बीएसएफ ने पाकिस्तान का ड्रोन किया ढेर

चंडीगढ़, 24 जून (एजेंसियां)। बीएसएफ ने शनिवार सुबह भारतीय सीमा में प्रवेश करने पर पाकिस्तान के एक ड्रोन को मार गिराया। यह वाकया पंजाब के तरनतारन के सरहदी गांव लखना का है। बीएसएफ के अधिकारियों के मुताबिक के जवान गश्त पर थे। इसी दौरान उन्हें ड्रोन की आवाज सुनाई दी। जवानों ने फायरिंग शुरू की। कुछ समय बाद आवाज आनी बंद हो गई। जवानों ने इलाके को सील कर सर्च अभियान शुरू किया। यह ड्रोन खेतों में गिरा मिला। जल्द ही इसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

हिमंत बिस्वा सरमा भी पीएम की मंडली का हिस्सा

हुसैन, ओबामा वाले कमेंट पर बोले जयराम रमेश

गुवाहाटी, 24 जून (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की हुसैन ओबामा टिप्पणी पर विपक्षी पार्टियां उनपर जमकर हमलावर हैं। वहीं अब कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने भी सरमा को निशाने पर लिया है। जयराम रमेश ने कहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा कोई असमाजिक तत्व नहीं हैं बल्कि वह पीएम मोदी के सबसे खास सिपहसालारों में से एक है। वहीं सरमा की टिप्पणी के बाद विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि असम के सीएम के ट्वीट ने अमेरिका में पीएम मोदी के दावे को कमजोर कर दिया है कि भारत में कोई धार्मिक भेदभाव नहीं है।

एनसीपी ने की माफी की मांग

एनसीपी ने सरमा की के बयान की आलोचना की। पार्टी ने कहा कि हिमंत

सरमा को हुसैन ओबामा टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने सरमा से इस बयान के लिए माफी मांगने की मांग की है। एनसीपी के प्रवक्ता क्लाइड क्रेस्टो ने कहा कि या तो सरमा ने हमारे पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका में दिए गए बयान को नहीं सुना या उन्होंने जो कहा उसका वह अनादर कर रहे है।

क्या थी हिंमत बिस्वा सरमा की टिप्पणी?

भारत में मुसलमानों की सुरक्षा पर पूर्व अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा की टिप्पणी के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के बयान ने बवाल खड़ा कर दिया। हिमंत सरमा से एक पत्रकार ने ट्वीट करके पूछा था कि क्या भावना को ठेस पहुंचाने के लिए ओबामा के खिलाफ गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज की गई है। क्या असम पुलिस ओबामा को गिरफ्तार करने के लिए वाशिंगटन जा रही है। जिसका जवाब देते हुए पत्रकार को जवाब देते हुए ट्वीट किया भारत में ही कई हुसैन ओबामा हैं। वाशिंगटन जाने पर विचार करने से पहले हमें उनकी देखभाल को प्राथमिकता देनी चाहिए। असम पुलिस हमारी अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार काम करेगी।

क्या था ओबामा का बयान?

सीएनएन के साथ एक इंटरव्यू में ओबामा ने भारत में अल्पसंख्यकों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि अगर उनकी पीएम मोदी से बातचीत होती तो वह उन्हें बताते कि अगर भारत में जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं की गई तो भारत अलग होना शुरू हो सकता है।

ईडी-सीबीआई से घबराने की जरूनत नहीं

2024 में बीजेपी की हार तय सत्यपाल मलिक का फिर दावा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 और विपक्षी एका को लेकर देशभर में जारी सियासी गहमागहमी के बीच जम्मू और कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने एक बार फिर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि मैं तो सभी नेताओं से कह रहा हूं कि आपको ईडी और सीबीआई से घबराने की जरूरत नहीं है। सच का डटकर मुकाबला कीजिए। लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी की हार तय है। बीजेपी सरकार आगामी चुनाव में नहीं बचेगी। फिर मोदी जी और उनके सहयोगियों की जांच करवा लेना। पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आगे कहा कि केंद्र सरकार के इन एजेंसियों का आप अभी बहादुरी से सामना कीजिए। छह माह बाद इनकी हार तय है। उसके बाद अधिकारियों को भी लग जाएगा कि अब चला चली का बेला आ गया है, इसलिए कुछ करने की जरूरत नहीं है। उसके बाद सत्ता में बैठे बीजेपी वालों की ही जांच हो जाएगी। मीडिया की ओर से यह पूछने पर कि किसकी जांच तो, उन्होंने जवाब दिया कि पीएम नरेंद्र मोदी की और उनके सहयोगियों की।

बीजेपी को हराने के लिए वोट डालें

दो दिन पहले हरियाणा के सांपला के छोटूराम संग्रहालय में आयोजित किसान कमेरा महापंचायत में उन्होंने कहा कि बीजेपी को हराने वालों को वोट डालें। उसके लिए मैं भी प्रयास कर रहा हूं। इतना ही नहीं, पूर्व राज्यपाल ने किसान नेता गुरनाम चढूनी ने भी 2024 में चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार करने का आह्वान किया है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में जवान घायल

पुंछ/जम्मू, 24 जून (एजेंसियां)। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पार करने का प्रयास कर रहे आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में भारतीय सेना का एक जवान घायल हो गया। जिले के गुलपुर सेक्टर में एलओसी के पास कम से कम तीन भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों को घाटी में घुसपैठ करने की कोशिश करते हुए देखने के बाद सेना ने ऑपरेशन शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि भारी हथियारों से लैस

तीन आतंकवादी घने पत्तों और अंधेरे की आड़ में भारत में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ शुक्रवार देर रात गुलपुर सेक्टर के फॉरवर्ड रेंजर नाला इलाके में हुई जब भारतीय सैनिकों ने घने पत्तों और अंधेरे की आड़ में कम से कम तीन भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों को भारत में घुसपैठ करने की कोशिश करते देखा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने का प्रयास कर रहे आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में भारतीय सेना का एक जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ शुक्रवार देर रात गुलपुर सेक्टर के फॉरवर्ड रेंजर नाला इलाके में तब शुरू हुई, जब भारतीय सैनिकों ने घने जंगलों में भारी हथियारों से लैस कम से कम तीन आतंकवादियों को अंधेरे की आड़ में भारत में घुसपैठ करने की कोशिश करते देखा। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ देर चली मुठभेड़ में एक सैनिक घायल हो गया, जबकि तीनों आतंकवादी पास के घने जंगलों में भागने में कामयाब रहे। अधिकारियों के अनुसार, इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेज दिया गया है और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

दिल्ली-पठानकोट एक्सप्रेस ट्रेन के नीचे आया सांड, दो हिस्सों में काटकर निकालना पड़ा

पठानकोट, 24 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से पठानकोट जाने वाली दिल्ली-पठानकोट एक्सप्रेस के इंजन के नीचे एक सांड आ गया। शनिवार सुबह 7:05 बजे भरोली जंक्शन पर हादसा हुआ। सांड इस कदर इंजन के नीचे आ गया कि उसे बाहर निकाल पाना एक बड़ी चुनौती बन गई। एक घंटे तक जब सांड को बाहर न निकाला जा सका तो उसे फिर दो भागों में काटना पड़ा। दिल्ली-एक्सप्रेस के इंजन के नीचे सांड आने की वजह से अमृतसर से सुबह 7:35 बजे आने वाली ट्रेन को सरना स्टेशन पर रोकना पड़ा। सुबह 7:07 बजे भरोली जंक्शन स्टेशन पर रुकी दिल्ली एक्सप्रेस 8:17 बजे रवाना हुई। इसके कारण पठानकोट से सुबह 8 बजे अमृतसर जाने वाली पैसेंजर ट्रेन भी सवा नौ बजे रवाना हुई। स्टेशन पर बैठे यात्रियों को गर्मी में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दिल्ली एक्सप्रेस से अमृतसर जाने वाले हनी मंगोत्रा ने कहा कि वह इंजीनियर है और 9:30 बजे कार्यालय जाना था। लेकिन, ट्रेन लेट होने के कारण उन्हें देर हो गई। बैंक कर्मी प्रदीप कुमार ने बताया कि वह भी आज देरी से काम पर पहुंचेंगे।

जींद में भूकंप के झटके लोग घरों से बाहर निकले, 3.2 की तीव्रता दर्ज की

जींद, 24 जून (एजेंसियां)। जींद में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। मिली जानकारी के अनुसार शहर की कई कॉलोनियों में लोग घरों से बाहर निकल गए। इस दौरान आसपास के लोगों को भी इसके बारे में जानकारी दी। हालांकि भूकंप के कारण जिला में कोई नुकसान नहीं हुआ। वैज्ञानिक डॉ राजेश ने बताया कि 3.2 की तीव्रता वाले भूकंप में ज्यादा नुकसान होने का डर नहीं होता, लेकिन यह सामान्य सत्र से ऊपर होता है। इसलिए इसमें लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जब भी भूकंप के झटके महसूस हो तब सभी लोगों को घरों से बाहर निकलकर खुले में आसमान के नीचे जाकर अपना बचाव करना चाहिए।

केदारनाथ गर्भगृह मामला: कमिश्नर की निगरानी में होगी जांच

सोने की परत चढ़ाने वाले सुनार को भी किया जाएगा शामिल

देहरादून, 24 जून (एजेंसियां)। केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह में सोने की परत चढ़ाने को लेकर उठे विवादों की जांच गढ़वाल कमिश्नर की अध्यक्षता में गठित कमेटी करेगी। कमेटी में तकनीकी विशेषज्ञों संग सोने की परत चढ़ाने का काम करने वाले सुनार को भी शामिल किया जाएगा। पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने कहा, गर्भगृह को स्वर्ण मंडित करने के मामले में अफवाह फैलाकर राजनीति की जा रही है। इससे धार्मिक आस्था आहत हो रही है। अफवाहों पर विराम लगाने और सच्चाई सामने लाने के लिए सचिव धर्मस्व को गढ़वाल कमिश्नर की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय कमेटी गठित कर जांच करने के निर्देश दिए हैं। कहा, विपक्षी दल आस्था से जुड़े मामले को अनावश्यक तूल देकर चारधाम यात्रा में खलल डालने की कोशिश कर रहे हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश सरकार धार्मिक आस्था से जुड़े मामले

को लेकर संवेदनशील है। मंत्री ने सभी से आग्रह किया कि केदारनाथ धाम पर विवाद खड़ा न करें।

सोने की परत चढ़ाने की अनुमति आस्था और भावना के अनुरूप गई थी

सतपाल महाराज ने कहा, कि बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अधिनियम-1939 में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप ही दानदाता से दान को स्वीकारा है। समिति की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित कर गर्भगृह को स्वर्ण मंडित करने के लिए प्रदेश शासन से अनुमति ली। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के विशेषज्ञों की देखदेख में ही स्वर्ण मंडित करने का कार्य किया गया था। कहा, बीकेटीसी की ओर से गर्भगृह की दीवारों पर सोने की परत चढ़ाने की अनुमति दानदाता की आस्था और भावना के अनुरूप गई थी। सोना खरीदने से लेकर गर्भगृह की दीवारों पर सोने की परत चढ़ाने का संपूर्ण कार्य दानी की ओर से अपने स्वर्णकार से कराया गया। स्वर्ण व तांबे की प्लेटों के आधिकारिक बिल और बाउचर भी बीकेटीसी को कार्य पूर्ण होने के बाद दिए गए।

तमिलनाडु के इरोड में सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

इरोड, 24 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के इरोड जिले में एक बस और एक कंटेनर लॉरी के बीच फंसकर कुचल जाने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, तिरुपुर जिले के पल्लदम वलयापलायम इलाके से छह युवाओं का एक समूह शुक्रवार को तीन टरसाइकिल पर सवार होकर धर्मपुरी जिले के होगेनक्कल गया था। घूमने के बाद वे घर वापस जा रहे थे, तभी शाम करीब साढ़े सात बजे यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि एक मोटरसाइकिल सवार पर दो युवकों-करुप्पुसामी (23) और रामर (19) ने अम्मापेट के पास एक निजी बस के पीछे चलने का फैसला किया, तभी एक कंटेनर लॉरी ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक बस और लॉरी के बीच फंस गए और उनकी कुचलने से मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, लॉरी चालक नशे में था और तेज गति से वाहन चला रहा था। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर अम्मापेट थाने की एक टीम मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर लॉरी चालक को हिरासत में ले लिया। मामले की जांच जारी है।

ईडी ने शिवसेना सचिव चव्हाण को पूछताछ के लिए बुलाया

संपत्ति की कर रही जांच, बीएमसी में भ्रष्टाचार का मामला

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। मुंबई में बीएमसी में कोविड काल के दौरान हुए भ्रष्टाचार मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस अधिकारी संजीव जैसवाल के बाद अब शिवसेना के सचिव सूरज चव्हाण की संपत्ति की भी जांच कर रही है। ईडी सूत्रों ने बताया की उन्हें चव्हाण के 4 फ्लैट्स की जानकारी मिली है, जिसकी कीमत करीबन 10 करोड़ रुपये हैं और ये फ्लैट्स कोविड काल में लिए गए थे। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि ईडी यह पता लगा रही है कि क्या ये फ्लैट्स उस घोटाले से मिले पैसों से लिए गए थे। ईडी ने सूरज चव्हाण को पूछताछ के लिए सोमवार को बुलाया है। सूरज चव्हाण शिवसेना के सचिव हैं और आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी माने जाते हैं। जांच के दौरान यह भी पता चला है कि चव्हाण बीएमसी अधिकारी और कॉन्ट्रैक्टर के बीच की कड़ी थे। चव्हाण का व्हाट्सएप चैट भी ईडी के हाथ लगा है, जिसे ईडी इस जांच के लिए काफी अहम मान रही है। इसी मामले की जांच के लिए जब ईडी ने 15 जगह सर्च ऑपरेशन किया था उस दौरान ईडी को एक डायरी मिली थी। सूत्रों ने बताया की यह डायरी एक सस्पेक्ट के घर से मिली है। इस डायरी में बहुत सी जानकारी और कोविड काल के दौरान के बहुत से व्यवहार के संदर्भ में जानकारी लिखी है, जिसे वेरिफाई करने का काम भी ईडी कर रही है।

जिस इलाके में हुई थी जमकर हिंसा, वहां की 1767 सीटों पर बिना लड़े जीती टीएमसी

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)। पंचायत चुनाव के लिए नामांकन और जांच का दौर खत्म होने के बाद चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की। इस सूची के अनुसार दक्षिण 24 परगना निर्विरोध सीटों के मामले में सबसे आगे है। दक्षिण 24 परगना जिले में ग्राम पंचायत से लेकर पंचायत समिति और जिला परिषद में टीएमसी के उम्मीदवारों ने रिकॉर्ड संख्या में निर्विरोध जीत दर्ज की। यहां मांकन के दौरान राज्य में सबसे ज्यादा हिंसा हुई थी। पंचायत चुनावों में सत्तारूढ़ दल को छोड़कर विपक्ष कभी भी ग्राम सभा और पंचायत समिति स्तर पर 100 फीसदी सीटों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतार पाया है। राजनीतिक विशेषज्ञों के मुताबिक इसके पीछे हिंसा और तरह-तरह के डर हैं और साथ ही विपक्ष की संगठनात्मक कमजोरी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक दक्षिण 24 परगना में ग्राम पंचायतों की कुल संख्या 6383 है। उनमें से 1767 सीटें तृणमूल कांग्रेस ने निर्विरोध जीत ली। इस जिले में पंचायत समिति की कुल

सीटें 926 हैं, तृणमूल पहले ही 233 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। इसी तरह से जिला परिषद की 85 सीटों में से 8 पर तृणमूल कांग्रेस ने निर्विरोध जीत हासिल की। कई पर्यवेक्षकों के अनुसार, जिला परिषद की कुल सीटों में से केवल आठ सीटें जीतना कोई बड़ी बात नहीं है।

बिना लड़ाई के निर्विरोध रिकॉर्ड सीटों पर जीती टीएमसी

साल 1998 और 2003 के पंचायत चुनावों में सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस ने हावड़ा, हुगली, दो मेदिनीपुर, दो 24 परगना और यहां तक कि उत्तर बंगाल के कई जिलों में निर्विरोध जीत हासिल की थी। उस समय कई मामलों में देखा गया था कि चुनाव से पहले ही जिला परिषद पर टीएमसी का कब्जा होगया था। अनुब्रत मंडल ने 2018 के पंचायत चुनाव में अहम भूमिका निभाई थी।

बीरभूम जिला परिषद में तृणमूल ने लगभग 100 प्रतिशत सीटें निर्विरोध जीत ली थी। कई पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह घटना सत्ताधारी पार्टी की भूमिका को साफ कर देता है। बता दें कि पंचायत चुनाव के नामांकन के दौरान सबसे ज्यादा हिंसा दक्षिण 24 परगना जिले में हुई थी। भांगड़ में तृणमूल कांग्रेस और आईएसएफ समर्थकों के बीच संघर्ष में तीन लोगों की जान गई थी। हालांकि उस वक्त तृणमूल हिंसा के आरोपों को स्वीकार नहीं करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि यह राज्य में विकास के कारण हुआ है। किसी ने भी उम्मीदवार खड़ा करने की हिम्मत नहीं की।

दक्षिण 24 परगना में नामांकन के दौरान हुई थी सबसे ज्यादा हिंसा

हालाँकि, कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, किसी भी चुनाव में एक भी सीट निर्विरोध जीतना संसदीय लोकतंत्र के लिए बहुत अच्छी मिसाल नहीं है। दक्षिण 24 परगना ने इस साल के पंचायत चुनाव में निर्विरोध जीतने के मामले में एक रिकॉर्ड बनाया है। आयोग की सूची के अनुसार, राज्य भर में ग्राम पंचायत स्तर पर 8,002 सीटें निर्विरोध जीती गईं। पंचायत समिति में 991 सीटें और जिला परिषद में 16 सीटें जीती गईं। 63 हजार 229 ग्राम पंचायत, 9 हजार 730 पंचायत समिति और 928 जिला परिषद सीटों पर मतदान हो रहा है। गौरतलब है कि विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार दोपहर आयोग के कार्यालय जाकर चुनाव संबंधी जानकारी को लेकर अपना असंतोष जताया था। बाद में चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर पत्रकारों से मुखातिब होते हुए शुभेंदु अधिकारी ने यह बात दक्षिण 24 परगना जिले की निर्विरोध जीत सूची के संदर्भ में कही।

बॉम्बे हाईकोर्ट: तलाक के बाद भी गुजारा भत्ता मांग सकती हैं मुस्लिम महिला, ससुराल के साथ महिला का था विवाद

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक फैसले में कहा कि मुस्लिम महिला तलाक के बाद भी गुजारा भत्ता मांग सकती है। जस्टिस जीए सनप ने गुजारा भत्ता बढ़ाने के सेशन कोर्ट के आदेश के खिलाफ महिला के पति की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने फैसले में कहा, महिला वो स्टैंडर्ड बनाए रखने की हकदार, जैसा पति के साथ था। महिला 2006 में अपने पति के साथ सऊदी अरब गई थी। महिला और उसके पति के रिश्तेदारों के बीच विवाद था। इसी विवाद के चलते उसके पति ने बुरा बर्ताव किया। 2012 में वह अपने पति और बच्चों के साथ भारत वापस आ गई। इसके बाद पति ने महिला को तलाक दे दिया लेकिन उसको कोई गुजारा भत्ता नहीं दिया। महिला ने मामले को लेकर मजिस्ट्रेट और सेशन कोर्ट में अपील की। मजिस्ट्रेट ने महिला को 7,500 और बेटे को 2,500 मासिक भरण-पोषण देने का आदेश दिया। इसके साथ ही 2,000 रुपये किराया और 50 हजार का मुआवजा देने भी कहा। हालांकि, दोनों पक्षों ने इसके खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील की। सेशन कोर्ट ने महिला का गुजारा भत्ता बढ़ाकर 16 हजार कर दिया। इसके खिलाफ पति ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। कोर्ट में पति ने तर्क दिया कि महिला ने घरेलू हिंसा का आरोप अलग होने के एक साल से ज्यादा समय बाद लगाया। तलाकशुदा मुस्लिम महिला होने के नाते वह मुस्लिम महिला एक्ट की धारा 4 और 5 के मुताबिक भरण-पोषण की हकदार नहीं है।

शिवराज ने विपक्ष को कह दिया सांप, बंदर और मेंढक, कमलनाथ बोले- हम बनेंगे जनता की वानर सेना

भोपाल, 24 जून (एजेंसियां)। पटना में विपक्षी पार्टियों की हुई बैठक पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ आने पर जिस तरह सांप, बंदर और मेंढक एक पेड़ पर चढ़ जाते हैं, वैसी ही हालत विपक्ष की है। उन्होंने यह भी कहा कि पटना में सारे विपक्षी इकट्ठा हुए। वहां भी विपक्षी एकता नहीं बल्कि उनका मुख्य मुद्दा राहुल गांधी की शादी रहा। पटना में 15 से अधिक विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने बैठक की। मुख्य मुद्दा था अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाकर चुनाव लड़ना। इस मीटिंग के बाद सभी नेताओं ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। इसमें राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने राहुल की शादी का मुद्दा उठाया था। इस पर भी शिवराज ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि बैठक के बाहर लालू यादव जी बता रहे हैं, तुम्हारी मम्मी बहुत शिकायत कर रही है कि तुम शादी नहीं कर रहे हो। तुम शादी कर लो दूल्हा बन जाओ, बरात में हम आएंगे। बाकी वो दूल्हा कौन है, बरात कौन है, इसका तो ठिकाना ही नही है।

मेंढक, सांप, बंदर से कर दी तुलना

शिवराज ने विपक्ष के नेताओं की तुलना जानवरों से भी कर दी। उन्होंने कहा कि जब भारी बाढ़ आती है तो अपनी जान बचाने के लिए कई जीव जंतु एक पेड़ पर बैठ जाते हैं। एक ही पेड़ पर आप देखेंगे मेंढक भी है, सांप भी है, बंदर भी है क्योंकि नीचे बाढ़ का पानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के समर्थन और लोकप्रियता की ऐसी बाढ़ है कि सब एक पेड़ पर चढ़ने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन मोदी जी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है।

शिवराज ने शब्दों की मर्यादा तार-तार कर दी: कमलनाथ

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने शिवराज पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि शिवराज जी, आज आपने एक बार फिर राजनीति में शब्दों की मर्यादा तार-तार कर दी। आपने विपक्ष को सांप, मेंढक और बंदर कहा। पिछले कई दिन से आप रह-रह कर अपशब्दों और स्तरहीन भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। आपकी यही भाषा और यही भावना जनता में आपके प्रति नफरत पैदा कर रही है। आप जब हमें सांप कहेंगे तो जनता हमें भगवान शिव का कंठहार समझेगी। जब आप हमें बंदर कहेंगे तो जनता हमें भगवान राम की वह वानर सेना समझेगी जिसने रावण की पाप की लंका ध्वस्त कर दी थी। आप गाली-गलौज करते रहिए लेकिन हम सत्य और मर्यादा का रास्ता नहीं छोड़ेंगे। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि आपको सद्बुद्धि और सहिष्णुता दे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 97 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.7 2080 रविवार, 25 जून 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

सीएम 30 जून को पोडु भूमि पट्टों का वितरण शुरू करेंगे

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव 30 जून को आसिफाबाद जिला मुख्यालय से आदिवासियों को पोडु भूमि पट्टों का वितरण शुरू करेंगे। इसके साथ ही, पोडु भूमि पट्टों का वितरण कार्यक्रम पूरे तेलंगाना राज्य में उसी दिन आयोजित किया जाएगा और मंत्री और विधायक अपने-अपने जिलों और निर्वाचन क्षेत्रों में कार्यक्रम में भाग लेंगे। दरअसल, राज्य सरकार ने शनिवार, 24 जून से पोडु पट्टा कार्यक्रम का वितरण शुरू करने की योजना बनाई है। हालांकि, केंद्रीय चुनाव समिति के अधिकारी तेलंगाना राज्य का दौरा कर रहे हैं और आगामी विधानसभा चुनाव के संबंध में जिला कलेक्टरों के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित कर रहे हैं।

राज्य सरकार ने कार्यक्रम शुरू करने के लिए 30 जून की तारीख तय की है। अधिकारियों ने कार्यक्रम शुरू करने के लिए 29 जून की तारीख पर भी विचार किया. हालाँकि, चूंकि ईद-उल-अज़हा (बकरीद) 29 जून को मनाई जाएगी, इसलिए राज्य सरकार ने 30 जून से कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव उस दिन आसिफाबाद में नवनिर्मित जिला कलेक्टरेट परिसर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) भवन का भी उद्घाटन करेंगे।

ट्रक फ्लाईओवर से टकरा गया 5 किलोमीटर तक यातायात रुका रहा

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। एक भारी ट्रक के निर्माणाधीन फ़्लाईओवर की दीवार से टकरा जाने के बाद नलगोंडा के बाहरी इलाके में नारकेटपल्ली-अधांकी राज्य राजमार्ग पर पांच किलोमीटर तक वाहन जाम में फंसे रहे। शनिवार सुबह ट्रक मिर्यालगुडा से नारकेपल्ली की ओर जा रहा था। इंदिरा गांधी प्रतिमा के पास फ़्लाईओवर की दीवार से टकरा गया, जिसके परिणामस्वरूप यातायात जाम हो गया। फ़्लाईओवर की दीवार को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हालाँकि, राज्य राजमार्ग पर मिर्यालगुडा-नारकेटपल्ली मार्ग पर यातायात जाम पाँच किलोमीटर तक फैल गया। मौके पर पहुंची पुलिस जाम हटाने के लिए क्रेन की मदद से भारी ट्रक को सड़क से हटाने की कोशिश कर रही है।

कृषि विभाग के अधिकारी क्षेत्र का दौरा करें : मंत्री

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र का दौरा करना चाहिए और किसानों को सलाह और निर्देश देना चाहिए। पर्याप्त नमी होने पर बीज बोने के लिए किसानों को व्यापक रूप से शिक्षित किया जाना चाहिए।

कपास विशेष रूप से हल्की मिट्टी में 50 से 60 मिमी और भारी मिट्टी में 60 से 75 मिमी वर्षा होने पर ही बुआई करनी चाहिए। किसानों के लिए आवश्यक खाद और बीज उपलब्ध हैं। उन्होंन कहा कि कृषि विभाग किसानों को जागरूक करने के लिए मैदानी स्तर पर हर बुनियादी कृषि सहकारी केंद्र पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाये, मार्क फेड में पर्याप्त बफर स्टॉक रखा जाये। सभी जिलों में आपूर्ति और उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जाये। किसान मंडियों में किसानों के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। बीज के मामले में कृत्रिम कमी पैदा होने पर सख्त कदम उठाए जाएं। ऑयल पाम की खेती 2 लाख एकड़ में होनी चाहिए। किसान अब 60 हजार एकड़ में ऑयल पाम की खेती करने के लिए तैयार हैं। डॉ. बीआर अंबेडकर के सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में कृषि सचिव रघुनंदन राव, विशेष आयुक्त हनमंथु कोंडीबा, हैदराबाद मौसम विभाग के निदेशक डॉ. नागरत्न, सिंचाई विभाग के एसई श्रीनिवास, बीज कंपनी के एमडी केसवुलु, अतिरिक्त निदेशक विजय कुमार, उद्यानिकी विभाग जेडी सरोजिनी व अन्य उपस्थित रहे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव | पावरग्रिड POWERGRID | G20

विज्ञापन सं.: प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप)/2023-24/01

प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) अधिनियम, 1961 के अधीन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक महारत्न उद्यम, द्वारा प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) अधिनियम, 1961 के प्रावधानों और बाद के संशोधनों के अधीन **एक वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप)** हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत विज्ञापन/अधिसूचना कंपनी की वेबसाइट **www.powergrid.in** में करियर खंड में उपलब्ध है।

आवेदन कैसे करें:

चरण 1:-

अपेक्षित योग्यता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों को सबसे पहले स्वयं को वेबसाइट **https://apprenticeshipindia.gov.in** अथवा **https://portal.mhrdnats.gov.in** पर, जो भी मामला है, पंजीकृत करना चाहिए।

चरण 2:-

ऊपर वर्णित पोर्टल में पंजीकरण के बाद, इच्छुक पात्र अभ्यर्थी नीचे दिये गये विवरण के अनुसार पावरग्रिड वेबसाइट **www.powergrid.in** के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा करेंगे- **www.powergrid.in**→कैरियर सेक्शन→अप्रेंटिस की नियुक्ति पर जायें।

- राज्य-वार और ट्रेड-वार प्रशिक्षण स्लॉट्स के संबंध में पावरग्रिड के क्षेत्रों/प्रतिष्ठानों द्वारा जारी विस्तृत विज्ञापन देखें।
- राज्य और ट्रेड के विकल्प के आधार पर अपेक्षित दस्तावेजों के साथ आवेदन-पत्र जमा करें।

महत्वपूर्ण:

जिन अभ्यर्थियों ने एनएपीएस/एनएटीएस प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) पोर्टल में आवेदन किया है उन्हें अपना आवेदन-पत्र ऊपर वर्णित पावरग्रिड वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन जमा करना अपेक्षित है। केवल पावरग्रिड वेबसाइट पर जमा आवेदन-पत्रों को स्वीकार किया जाएगा और नियुक्ति हेतु विचार किया जाएगा।

आवेदन खुलने की तिथि	01.07.2023
आवेदन बंद होने की तिथि	31.07.2023

कृपया ध्यान दें कि पावरग्रिड में प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) प्रशिक्षण की अवधि पूरी होने के बाद, प्रशिक्षु का संगठन में किसी भी रोज़गार हेतु, जो भी हो, कोई दावा नहीं होगा।

SR-I/PR/App. Notice-01/Advt-04/2023-24/Span Comm.

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)

क्षेत्रीय कार्यालय: दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-I, क्षेत्रीय मुख्यालय
#6-6-8/32 और 395 ई, कवाडीगुडा मेन रोड, सिकंदराबाद, तेलंगाना-500080
पंजीकृत कार्या.: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
निगमित कार्या.: "सौदामिनी", प्लॉट सं.-2, सैक्टर-29, गुरूग्राम-122001, (हरियाणा) फोन: 0124-2571700-719
वेबसाईट: **www.powergrid.in** सीआईएन: L40101DL1989GOI038121

एक महारत्न पीएसयू

स्कूल प्रबंधन ने छात्राओं को स्कार्फ पहनने से मना कर दिया

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर में एक स्कूल के प्रबंधन द्वारा छात्राओं को कक्षा में स्कार्फ पहनने की अनुमति देने से इनकार करने के बाद विवाद खड़ा हो गया, जिसके कारण स्कूल के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, मामला 12 जून को शैक्षणिक वर्ष के लिए स्कूल दोबारा खुलने के बाद शुरू हुआ जब दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली दो लड़कियां स्कार्फ पहनकर आईं और कक्षा में बैठ गईं। प्रिंसिपल और शिक्षकों ने छात्रों से कहा कि कक्षा में स्कार्फ पहनना स्कूल की नीति के खिलाफ है और उन्हें इसे न पहनने के लिए कहा। प्रिंसिपल ने चेतावनी देने के बाद छात्रों को कक्षाओं में नहीं आने के लिए कहा, जिसके बाद लड़कियों ने अपने माता-पिता को इसके बारे में सूचित किया। शुक्रवार को अभिभावकों ने स्कूल जाकर प्रबंधन से बात की। मामला बड़ा होता देख पुलिस भी इस बारे में अलर्ट हो गई। लड़कियों में से एक ने स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ शिकायत दी और पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस जांच कर रही है।

कांग्रेस ने राज्य में बढ़ते अपराधों के लिए एचएम महमूद अली के इस्तीफे की मांग की

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने आज तेलंगाना राज्य, विशेषकर हैदराबाद में अपराध की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की और मांग की कि गृह मंत्री महमूद अली अराजकता की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। शनिवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए टीपीसीसी के आधिकारिक प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार अपराध की रोकथाम और आशंका को प्राथमिकता देने में विफल रही है। इसके बजाय, उन्होंने कॉर्पोरेट-शैली के पुलिस स्टेशनों और नए वाहनों जैसे सतही सुधारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। दुर्भाग्य से, 'मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग' के इन उपायों से आम जनता को कोई लाभ नहीं हुआ, बल्कि अपराधियों को पकड़े जाने के डर के बिना खुलेआम अपराध करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सैयद निज़ामुद्दीन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 22 जून, 2023 को हैदराबाद के इतिहास में एक विशेष रूप से हिंसक दिन के रूप में याद किया जाएगा, जिसमें चार अलग-अलग घटनाओं में सात क्रूर हत्याएं हुईं, साथ ही 15 घंटों के भीतर दो हत्याओं का प्रयास किया गया। इन घटनाओं में मैलारदेवपल्ली और टप्पा चबूतरा में दोहरी हत्याएं, चदरघाट, बोवेनपल्ली और नरसिंगी पीएस सीमा में व्यक्तिगत हत्याएं और एसआर नगर पुलिस सीमा में हत्या के प्रयास के दो अलग-अलग मामले शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि, निज़ामुद्दीन ने बताया कि जब ये अपराध हो रहे थे, गृह मंत्री महमूद अली एक पुलिस स्टेशन का उद्घाटन कर रहे थे और दरगाह यूसुफ़ैन में आध्यात्मिक दिवस मना रहे थे। गृह मंत्री ने तेलंगाना पुलिस की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारत में सर्वश्रेष्ठ बताया और 'मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग' के उनके दृष्टिकोण की सराहना की। इसके अलावा, निज़ामुद्दीन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले सप्ताह तेलंगाना राज्य में कई अपराध की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसी ही एक घटना में विकाराबाद में 19 वर्षीय नर्सिंग छात्रा की हत्या शामिल थी। दुखद बात यह है कि यह पहला मामला नहीं था जब एक मासूम लड़की अपराधियों की क्रूरता का शिकार हुई थी, जिन्हें कानून का कोई डर नहीं था। कांग्रेस नेता ने कई

समय पर पेमेंट | घर-पर इवैल्यूएशन | चिंता-मुक्त डॉक्यूमेंटेशन

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

*Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Creative visualization. Terms and condition apply.

HYDERABAD: SOMAJIGUDA: RKS: 9848866685 | **MALAKPET:** RKS: 9866819121 | **KUSHAIGUDA:** RKS: 7799779999 | **KOMPALLY:** RKS: 9553395534 | **BACHUPALLY:** SAI SERVICE: 7331144960 | **GACHIBOWLI:** JAYABHERI AUTOMOTIVES: 7799758228 | **HAYATNAGAR:** JAYABHERI: 9281054821 | **VARUN MOTORS-VANASTHALIPURAM**: 6303952406 | **LB NAGAR**: 9701223576 | **BEGUMPET:** 9985575557 | **MADHINAGUDA:** 9515637317 | **HABSIGUDA:** 9703378143 | **B.N.REDDY NAGAR**: 9573816767 | **BANJARAHILLS**: 9989474453 | **SERILINGAMPALLY:** PAVAN MOTORS: 7995013112 | **SHAMSHABAD:** ADARSHA AUTOMOTIVE: 9581906633 | **TRIMULGHERRY:** ACER: 9154073240 | **OLD ALWAL:** ADARSHA AUTOWORLD: 6309888308 | **SECUNDERABAD:** AUTOFIN: 8885040011 | **MADHAPUR:** GEM: 9912458000 | **KHARMANGHAT:** KALYANI MOTORS: 9100102754 | **HIMAYATNAGAR:** MITHRA: 9949213607 | **MEDIPALLY:** MITHRA: 7799886249 | **NACHARAM:** 7386780127. **TELANGANA: NALGONDA:** PAVAN MOTOR: 8790902165 | **NIZAMABAD:** VARUN MOTOR: 8886622323 | **MAHABUBNAGAR:** SRI JAYARAMA MOTOR: 8096990091 | **KARIMNAGAR:** ADARSHA AUTOWORLD: 7337442380 | VARUN MOTORS: 9640248417 | ADARSHA AUTOMOTIVES: 7799784428 | **WARANGAL:** ADARSHA AUTOMOTIVES: 8886236633 | WIN MOTORS: 9160170946 | ADARSHA AUTO WORLD: 8121008962.

सुविचार

कोई भी रिश्ता अपनी मर्जी से नहीं जुड़ता

क्योंकि आपको कब.. कहां.. किससे मिलना है ये सिर्फ़ ऊपरवाला तय करता है।

नागरकर्नूल में भाजपा की 'नव संकल्प सभा' आज

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शाम सभा में शामिल होंगे

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। "महा जनसंपर्क अभियान" के तहत 25 जून शाम 4 बजे नगर कर्नूल जिला मुख्यालय में भाजपा द्वारा आयोजित की जाने वाली सार्वजनिक सभा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस सभा का महत्व इस बात से हो गया है कि इस खुली सभा में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा शामिल होंगे और इसे संबोधित करेंगे। मोदी के 9 साल के शासन के पूरा होने के मद्देनजर इस सार्वजनिक बैठक को ''नव संकल्प सभा'' का नाम दिया गया। जेपी नड्डा आज दोपहर 12 बजे शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से वे 'संपर्क से समर्थन' के तहत टॉलीचौक में प्रख्यात राजनीतिक विश्लेषक प्रोफेसर नागेश्वर के आवास, जुबली हिल्स फिल्म नगर में पद्मश्री श्रीमती आनंद शंकर जयंती पर जाएंगे।

केटीआर ने पुरी से मुलाकात की, कई परियोजनाओं के लिए मंजूरी और सहायता मांगी

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहरी समूह में सार्वजनिक परिवहन और सड़क नेटवर्क को और बेहतर बनाने, हैदराबाद को एक स्वच्छ शहर बनाने और राज्य में ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन में मेट्रिक्स और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए केंद्रीय सहायता प्राप्त करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, नगर निगम प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री एचएस पुरी से मुलाकात की। उन्होंने पुरी से देश में शहरी गरीबों की मदद के लिए मौजूदा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) की तर्ज पर एक राष्ट्रीय शहरी रोजगार गारंटी योजना (एनयूईजीएस) शुरू करने की भी अपील की। बीएचईएल से लकडीकापुल तक 26 किलोमीटर लंबी हैदराबाद मेट्रो रेल लाइन और नागोले से एलबी नगर तक पांच किलोमीटर मेट्रो लाइन के लिए मंजूरी में तेजी लाने की राज्य की अपील को दोहराते हुए, रामा राव ने कहा कि एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पहले ही केंद्र को सौंप दी गई है। यह कहते हुए कि राज्य कोकापेट के लिए बड़े पैमाने पर पारगमन कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए 30 किमी-कुकटपल्ली हाउसिंग बोर्ड - कोकापेट - नरसिंगी कॉरिडोर के साथ मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम यानी मेट्रो नियो नेटवर्क प्रदान करने का प्रस्ताव कर रहा था, जो पश्चिम भाग में केंद्रीय व्यापार जिले में विकसित हो रहा था। शहर के रामाराव ने कहा कि इससे नरसिंगी में प्रस्तावित एयरपोर्ट एक्सप्रेस और वित्तीय जिले में मौजूदा मेट्रो नेटवर्क के साथ भी कनेक्टिविटी होगी। परियोजना लागत का प्रारंभिक अनुमान 3,050 करोड़ रुपये था और मंत्री ने केंद्र से 15 प्रतिशत इक्विटी के लिए 450 करोड़ रुपये मंजूर करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वारंगल में भी इसी तरह की एमआरटीएस की योजना बनाई जा रही है। एनयूईजी पर मंत्री ने कहा कि शहरी गरीबों के हितों की रक्षा के लिए एक योजना या नीति पेश करने की जरूरत है। अधिकांश शहरी गरीब असंगठित क्षेत्र में अनियमित वेतन, बिना किसी लिखित नौकरी अनुबंध और बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के काम करते हैं। उन्होंने आत्मनिरीक्षण और दीर्घकालिक समाधान का आह्वान करते हुए कहा, यह लॉकडाउन के दौरान स्पष्ट था। शहरी परिवहन और सड़क नेटवर्क में सुधार के लिए मिसिंग लिंक कॉरिडोर के संबंध में, मंत्री ने कहा कि हैदराबाद रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने 22 मिसिंग लिंक सड़कों का विकास किया है। इसके अलावा, आउटर रिंग रोड तक मिसिंग लिंक कनेक्टिविटी और व्यापक सड़क कनेक्टिविटी में सुधार के लिए, 2,400 करोड़ रुपये की लागत से 104 अतिरिक्त कॉरिडोर की पहचान की गई। मंत्री ने केंद्र से इसके लिए 800 करोड़ रुपये मंजूर करने का आग्रह किया। यह बताते हुए कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ राजधानी शहर' के रूप में चुना गया था, रामा राव ने पुरी से शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं के लिए 400 करोड़ रुपये मंजूर करने का अनुरोध किया। हैदराबाद शहरी समूह में तरल अपशिष्ट संग्रह के लिए सीवर नेटवर्क बुनियादी ढांचे के विकास के लिए, राज्य सरकार चरणों में एसटीपी, लेटरल मेन, सब-मेन और ट्रंक सीवर मेन के सीवर नेटवर्क की योजना बना रही थी। मंत्री ने तेलंगाना में स्वच्छता नवाचार केंद्र की स्थापना के लिए 100 करोड़ रुपये की भी मांग की। यह हैदराबाद में शहरी उत्कृष्टता केंद्र का हिस्सा होगा। प्रस्तावित हब ठोस स्वास्थ्य और आर्थिक लाभ प्रदान करेगा और यूएलबी को सोर्सिंग, परीक्षण, तेजी लाने और नवाचारों के प्रसार में सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इस पहल के लिए पहले ही जमीन और समर्थन संसाधन निर्धारित कर दिए हैं। पुरी ने स्वच्छता हब पहल के लिए प्रशंसा व्यक्त की। इसी क्रम में उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने शनिवार को केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और रबी 2022-23 सीज़न के लिए 20 लाख मीट्रिक टन के अतिरिक्त उबले चावल के लक्ष्य के आवंटन की मांग की। इस रबी (यासंगी) सीज़न के दौरान राज्य में धान की खेती 57 लाख एकड़ थी, जो देश में धान के कुल रकबे का 50 प्रतिशत से अधिक थी।

अगले दो दिनों में तेलंगाना में हो सकती है झमाझम बारिश

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के कुछ इलाकों में 100 मिमी से अधिक बारिश होने के कारण पूरे राज्य में बारिश और तेज होने की आशंका है। तेलंगाना में अगले दो दिनों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी (टीएसडीपीएस) द्वारा रविवार को सुबह 8.30 बजे से शाम 4 बजे के बीच एकत्र किए गए वर्षा के आंकड़ों से पता चलता है कि सिद्दीपेट के थोगुटा में सबसे अधिक 60.3 मिमी बारिश हुई, इसके बाद मेडक के नरसापुर में 39.8 मिमी और मंचेरियल के कासिपेट में 39.3 मिमी बारिश हुई। आने वाले दो दिनों में तापमान में भी गिरावट आने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद के अनुसार, आदिलाबाद, कुमुरम भीम आसिफाबाद, निज़ामाबाद, निर्मल, मंचेरियल, जगतियाल, कामारेड्डी, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली और पेद्दापल्ली सहित जिलों में अगले दो दिनों में भारी बारिश होने वाली है। दिन. इन जिलों को येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी-एच के अनुसार, रविवार को हैदराबाद में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम है। अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से 31 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। आने वाले अगले दो दिनों तक शहर में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है. आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम वर्षा या गरज के साथ बौछारें। कभी-कभी तीव्र बारिश होती है, शहर के लिए ज़ोन-वार पूर्वानुमान जारी किए गए बयान में कहा गया है।

महिला ने बच्चे के साथ जीवन लीला समाप्त की

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। जुबली हिल्स के फिल्मनगर स्थित अपने घर में शुक्रवार रात एक महिला ने अपने बच्चे के साथ आत्महत्या कर ली। महिला सिरिशा (22) की शादी करीब चार साल पहले विश्वनाथ से हुई थी और दंपति का करीब तीन साल का एक बेटा मनीष है। शनिवार की रात महिला ने अपने बेटे के साथ साड़ी का फंदा बनाकर पंखे से लटककर जान दे दी। बाद में परिवार के सदस्यों ने उन्हें लटका हुआ पाया और देर रात इसकी सूचना पुलिस को दी। फिल्मनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है। रिश्तेदारों ने पुलिस को बताया कि महिला को उसके पति और ससुराल वाले परेशान कर रहे थे और इससे वह अवसाद में थी।

महिला आयोग ने सरपंच नव्या के उत्पीड़न मामले की जांच शुरू

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। विधायक तातिकोंडा राजैय्या और जानकीपुरम की सरपंच नव्या के बीच बढ़ते विवाद में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, राष्ट्रीय और राज्य महिला आयोग ने सक्रिय रूप से कदम उठाया है। इससे स्थिति और अधिक जटिल हो गई है। दोनों आयोगों ने स्वतंत्र रूप से विधायक राजैय्या के खिलाफ जांच शुरू कर दी है, जिससे महिला सरपंच के खिलाफ कथित उत्पीड़न के विवादास्पद मामले को प्रभावी ढंग से तेज कर दिया गया है। दोनों आयोगों ने महिला सरपंच से बीआरएस विधायक द्वारा उन पर लगाए गए आरोपों का दावा करते हुए सबूत मांगे हैं। गहराते विवाद पर आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए पुलिस विभाग को निर्देश जारी कर मामले की व्यापक जांच करने और विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है।

सिने वर्कर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने आदिपुरुष मूवी के खिलाफ अमित शाह को लिखा पत्र

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ई. सुरेश श्यामलाल गुप्ता ने टी-सीरीज़ के निर्माता भूषण कुमार और अन्य, निर्देशक ओम राउत और लेखक मनोज मुंतसिर के खिलाफ एफआईआर के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा। पत्र अमित शाह का ध्यान आदिपुरुष मूवी की ओर आकर्षित करने के लिए था, जो 16 जून को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जो हिंदू धर्म और भगवान राम, मां सीता और राम सेवक भगवान हनुमान को मानने और प्रार्थना करने वाले लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है। सिनेमाघरों में चल रही फिल्म में भगवान राम और संपूर्ण रामायण की छवि को दर्शाया गया है और निर्माता मल्टीप्लेक्स में रियायती टिकट बेचकर पैसा कमाना चाहते हैं, जिससे रामायण में हमारी शिक्षा और विश्वास के बारे में गलत संदेश जाएगा, टी के निर्माता - श्रृंखला और निर्माता, लेखक मनोज मुंतसिर और निर्देशक ओम राउत ने संवादों, वेशभूषा और कहानी रेखा (पात्रों) को तोड़-मरोड़कर रामायण का मजाक उड़ाया है जो किसी को भी और हर किसी को अस्वीकार्य लगता है। हिंदू धर्म के अनुयायी होने के नाते हिंदुओं के अजेय और अमर भगवान की गलत छवि दर्शाने वाले दृश्यों, वेशभूषा और संवादों से संपूर्ण हिंदू और सनातन धर्म की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MANISH KUMAR R/o.H.No.14-2-191,191/1/2GYAN BAGH CLY, SHAHI-NAYATH GUNJ NAMPALLY, Hyd-12, Changed My Name As MANISH JAIN S/o.KAILASH CHAND JAIN.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हरीश राव ने निलोफर अस्पताल में उत्कृष्टता केंद्र सुविधा का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने शनिवार को यहां निलोफर अस्पताल में उत्कृष्टता केंद्र सुविधा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में बाल मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से 2 करोड़ रुपये की लागत से अस्पताल में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की है। हरीश राव ने कहा, "भारत में पहली बार, किसी सरकारी अस्पताल में उत्कृष्टता केंद्र की ऐसी सुविधा है जो वरिष्ठ डॉक्टरों की देखरेख में नवजात शिशुओं को सर्वोत्तम दवा प्रदान करती है।" उन्होंने आगे बताया कि प्रौद्योगिकी की मदद से, निलोफर अस्पताल की सेवाओं को तेलंगाना के सभी सरकारी अस्पतालों तक बढ़ाया जाएगा और वर्चुअल मोड के माध्यम से, निलोफर अस्पताल में बैठे विशेषज्ञ डॉक्टर भर्ती होने वाले सभी मरीजों को अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल के बजट में नवजात शिशु एम्बुलेंस सेवाओं के शुभारंभ के लिए 10 करोड़ रुपये रखे हैं और इसकी सेवाएं जल्द ही सभी 33 जिलों में शुरू की जाएंगी। हरीश राव के साथ मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और महमूद अली और स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

गाजी बंडा दरवाजा में बोनालु पूजा 16 जुलाई को

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। श्री दुर्गा माता मंदिर (पोच्चम्मा टेम्पल) गाजी बंडा दरवाजा, आलियाबाद के पास इस वर्ष भी बोनालु पूजा कार्यक्रम का आयोजन 16 जुलाई रविवार को किया जाएगा। यह जानकारी मंदिर के प्रेसिडेंट एस. सूर्य प्रकाश जायसवाल ने दी है। मंदिर में पूजा-अर्चाना, हवन, अखण्ड ज्योति सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक की जायेगी । इस पूजा कार्यक्रम में प्रसाद वितरण डॉ. शोभा सिंह द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विहिप के गणेश लाल के साथ ही बसंत राज सक्सेना एस. विजय राज, एस. उदय राज, सी. विजयराज आर. प्रदीप, एस. हितेशराज, एस. रिषी राज, डॉ. अरुण राज, एस. उषा रानी, बी. रवि आदि भाग लेंगे। सूर्य प्रकाश ने सभी भक्तों से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

डॉ. अजीत पाठक और डॉ. पीएलके मूर्ति पीआरएसआई के अध्यक्ष और महासचिव चुने गए

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. अजीत पाठक और डॉ. पीएलके मूर्ति को 2023-2025 के लिए क्रमशः पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के अध्यक्ष और महासचिव के रूप में चुना गया है। चुनाव अधिकारी सुभाष सूद ने शनिवार को यहां भारतीय जन संचार संस्थान में आयोजित पीआरएसआई की वार्षिक आम सभा की बैठक के अंत में परिणामों की घोषणा की। परिणामों के अनुसार डॉ. अजीत पाठक (दिल्ली)

राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. पी.एल.के. मूर्ति (विशाखापत्तनम) महासचिव, दिलीप चौहान (अहमदाबाद) सचिव कोषाध्यक्ष, मुनव्वर सुल्ताना मजूमदार (गुवाहाटी) उपाध्यक्ष (पूर्व), एस.पी. सिंह (नागपुर) उपाध्यक्ष (पश्चिम), नरेंद्र मेहता (वाराणसी) उपाध्यक्ष (उत्तर), यू.एस.सरमा (विशाखापत्तनम) उपाध्यक्ष (दक्षिण), एनवीपी (दक्षिण) को छोड़कर अन्य सभी निर्विरोध चुने गए। एनवीपी साउथ के लिए हुए चुनाव में यूएस शर्मा (27 वोट) ने वीएसआर नायडू (18 वोट) को 9 वोटों के अंतर से हराया। उन पर एक बार फिर विश्वास जताने के लिए एनसी को धन्यवाद देते हुए डॉ. अजीत पाठक ने कहा कि वह पेशेवर उत्थान के लिए प्रयास करेंगे। राष्ट्रीय आमसभा में सभी राज्यों से राष्ट्रीय समिति के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इटेला और राजगोपाल रेड्डी के मामले में भाजपा आलाकमान आगे आया

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी में पार्टी के असंतुष्ट नेताओं को मनाने के लिए बीजेपी आलाकमान ने कदम उठाया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को पार्टी आलाकमान से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में बैठक के लिए बुलावा आया। वे हैदराबाद से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। केंद्रीय मंत्री ने अपने दिल्ली दौरे के मद्देनजर हैदराबाद में आज के कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं. पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक ईटेला राजेंदर और पूर्व विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को पहले ही पार्टी आलाकमान से फोन आ चुका है। किशन रेड्डी एटेला राजेंदर और राजगोपाल रेड्डी के साथ पार्टी आलाकमान की बैठक में शामिल होंगे। पार्टी आलाकमान के बुलावे पर ईटेला और राजगोपाल के दिल्ली जाने को लेकर काफी उत्साह है। इटेला राजेंदर और कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी दोनों ही पिछले कुछ समय से पार्टी कार्यक्रमों से दूर रह रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बीजेपी आलाकमान दोनों नेताओं के बीच सुलह कराने के लिए किशन रेड्डी का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज तेलंगाना आएंगे। इसे ध्यान में रखते हुए भगवा पार्टी आलाकमान पार्टी के मामलों को दुरुस्त करने की तैयारी में है। रविवार सुबह नड्डा के पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने की संभावना है।

श्रीमद भागवत कथा कल से

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ताजपुरिया परिवार द्वारा श्रीमद् कथा का आयोजन 26 जून से 2 जुलाई तक शाम 4 बजे से 7 बजे तक किया गया है। कथा व्यास डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी के मुखार विन्द से हयातनगर मंडल स्थित श्री गोगा जी मंदिर (ऐश्वर्या एग्रीप्रोसेर्स प्राइवेट लिमिटेड) पेद्दाअंबरपेट में होगी। इस अवसर पर सोमवार 26 जून को दोपहर 2 बजे कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से होकर कथा स्थल तक पहुंचेगी। कथा का सीधा प्रसारण संस्कार चैनल पर होगा।

हट डेवलपर वेलफेयर एसोसिएशन समिति के निर्देशन में नवीन समिति हॉल में भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन विधायक गोशामहल टी राजा सिंह, राकेश जयसवाल भाजपा पार्षद जामबाग मंडल, बस्ती अध्यक्ष बी नरसिम्हा गौड़ , उपाध्यक्ष बोट्टू सुरेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर महासचिव के. रामकृष्ण, सचिव टी. जनार्दन, कोषाध्यक्ष एम. बालकृष्ण गौड़ के साथ समिति के वरिष्ठ सलाहकार और युवा बस्ती निवासी, जी. श्रीनिवास यादव, भाजपा के वरिष्ठ नेता, एम. कृष्णा भाजपा संयोजक गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र, अमर सिंह भाजपा वरिष्ठ नेता, मयूर कालेकर प्रभारी जामबाग मंडल, पी. अनिल यादव भाजपा महासचिव जामबाग, रेकुना भाजपा वरिष्ठ महिला मोर्चा उपस्थित रहे।

फिर शर्मसार हुए रिश्ते, पिता और दोस्त ने नाबालिग से किया दुष्कर्म, गर्भवती हुई पीड़िता

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में रिश्तों को तार-तार करने वाली खबर सामने आई है। दरअसल पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। हैरानी की बात ये है कि गिरफ्तार लोगों में एक पीड़िता का बाप ही है। आरोप है कि पिता ने ही अपनी 16 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म किया। साथ ही मोहल्ले में रहने वाले पीड़िता के दोस्त ने भी उसका शारीरिक शोषण किया। नाबालिग गर्भवती हो गई है। पीड़िता की मां की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी पिता और पीड़िता के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। घटना मुंबई के चेंबूर इलाके की है। जहां रहने वाली एक 16 वर्षीय नाबालिग के साथ उसके ही मोहल्ले में रहने वाले 32 वर्षीय व्यक्ति ने दुष्कर्म किया। पीड़िता के साथ दुष्कर्म फरवरी के अंतिम सप्ताह के दौरान हुआ। उसके बाद पीड़िता के 41 वर्षीय पिता ने भी उसके साथ घर पर ही दुष्कर्म किया। इसका खुलासा तब हुआ जब नाबालिग पीड़िता ने हाल ही में पेट दर्द की शिकायत की। जब पीड़िता की मां उसे डॉक्टर के पास लेकर गई तो वह ये सुनकर हैरान रह गईं कि उनकी नाबालिग बेटी गर्भवती है। इसके बाद पीड़िता की काउंसलिंग की गई, जिसमें पीड़िता ने बताया कि उसके पिता और मोहल्ले में रहने वाले एक व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। पीड़िता ने बताया कि दुष्कर्म के बाद वह डर गई थी और सदमे की वजह से उसने इस बारे में किसी को कुछ नहीं बताया। इसके बाद अस्पताल से पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी पिता और मोहल्ले में रहने वाले दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुरुवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को पुलिस की हिरासत में भेज दिया गया।

महाकाल मंदिर में वीआईपी कल्चर को खत्म करने के लिए कांग्रेस का चुनावी वादा

मंत्री,अफसर लाइन में लगकर करेंगे दर्शन

उज्जैन, 24 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में साल के आखिरी में विधानसभा चुनाव होना है। ऐसे में राजनीतिक दल प्रदेश की जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस एक बड़ा वादा करने जा रही है। दरअसल कांग्रेस महाकाल मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन को लेकर वीआईपी कल्चर खत्म करने का वादा करने जा रही है। महाकाल मंदिर में नेताओं और अफसरों के वीआईपी कल्चर से परेशान आम श्रद्धालुओं की भावनाओं की परेशानियों को दूर करने कांग्रेस इस बार अपने चुनावी घोषणा (वचन) पत्र में ये वादा करने जा रही है। वह महाकाल के भक्तों से वादा करेगी कि उसकी सरकार आते ही मंदिर के अंदर वीआईपी कल्चर को खत्म कर दिया जाएगा। कांग्रेस का वादा रहेगा कि उसकी सरकार बनी तो, उनकी सरकार के मंत्री संत्री भी आम श्रद्धालुओं की तरह लाइन में लगकर ही बाबा के दर्शन कर सकेंगे। उन्हें मंदिर के अंदर दर्शन के लिए वीआईपी सुविधा नहीं दी जाएगी। इस बाजी को शामिल करने कांग्रेस की वचन पत्र समिति में विचार हो चुका है। दरअसल महाकाल मंदिर में इन दिनों वीआईपी कल्चर को लेकर आम श्रद्धालुओं में बढ़ रही नाराजगी के बाद कांग्रेस ने यह तय किया है कि वह देश और प्रदेश के चुनिंदा लोगों को महाकाल के दर्शन के लिए वीआईपी की सुविधा देगी। जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस और हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के अलावा जिन लोगों को अति सुरक्षा प्रदान की गई है, उन्हें ही वीआईपी सुविधा देते हुए दर्शन करवाएगी। इसके अलावा किसी को भी अलग से बाबा महाकाल के दर्शन नहीं करने देगी गर्भ गृह और नंदी गृह में टिकट लेकर जाकर दर्शन करने वाली व्यवस्था को बंद करना का वादा भी कांग्रेस करेगी।

इस व्यवस्था पर जब प्रदेश कांग्रेस की वचन पत्र समिति के अंदर चर्चा हुई तो यह भी बात सामने आई थी कि मंत्री और बड़े अफसरों का फिर क्या होगा? जिस पर यह तय किया गया है कि सभी आम श्रद्धालुओं की तरह ही दर्शन करेंगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस वचन पत्र समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि महाकाल मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन को लेकर वीआईपी कल्चर खत्म करने का वादा हम करेंगे। इसमें हम चुनिंदा लोगों को वीआईपी सुविधा दिए जाने का भी जनता में स्पष्ट करेंगे। कांग्रेस चाहती है कि मंत्री हो या बड़े अफसर सभी आम श्रद्धालुओं की तरह ही लाइन में लगकर दर्शन करें।

वीआईपी कल्चर पर साधु-संत भी नाराजगी जाहिर कर चुके है

गौरतलब है कि महाकाल मंदिर परिसर में वीआईपी कल्चर को लेकर साधु-संत भी अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके है। बीते दिनों अवधेश पुरी महाराज का वीआईपी कल्चर को लेकर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह वीआईपी कल्चर व्यवस्था और मंदिर में प्रोटोकॉल व्यवस्था से नाराज होते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कहा था कि महाकाल के दर्शन कर हमारे पूर्वज चले गए और इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हुआ कि आज हमें दर्शन के लिए घंटो लाइन में लगना पड़ रहा है।

अवैध खनन करने वालों पर जिला प्रशासन ने लगाया 13 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना

इंदौर, 24 जून (एजेंसियां)। शहर के ग्राम बारोली में अवैध खनन का मामला सामने आया था। उस मामले पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अवैध खनन करने वालो पर 13 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया। ग्राम बारोली में निजी भूमि पर अवैध खनन का काम किया जाता था। इसमें छह लोगों पर अवैध खनन का मामला दर्ज किया गया था। दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद अवैध खनन के मामले में दोगुना जुर्माना लगाया गया। जानकारी के मुताबिक अपर कलेक्टर अभय बेड़ेकर की कोर्ट ने मल्हारगंज तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बारोली में निजी भूमि पर अवैध खनन के मामले में छह आरोपितों पर 13 करोड़ 39 लाख 74 हजार 560 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना भूमि स्वामी संजय शुक्ला निवासी जिंसी, वाहन मालिक वीरसिंह चौहान नंदबाग, प्रतीक कौशल गरीब नवाज कालोनी, हरिनारायण नरवरिया नंदबाग, प्रदीप चौहान कमला नेहरू नगर, शुभम ठाकुर टिगरिया बादशाह पर लगाया गया है। बता दे की अवैध खनन के मामले में शिकायत के बाद विभाग ने कार्रवाई की थी। मौके पर मुरम का अवैध खनन पाया था। मामले में 6 करोड़ 69 लाख 87 हजार 280 रुपये का अर्थदंड आरोपित हुआ। दस्तावेजों जांचने के बाद अवैध खनन प्रमाणित होने पर किला प्रशासन द्वारा दोगुनी राशि का जुर्माना लगाया गया।

कपड़ा राजधानी तिरुपुर में आग लगने से कई दुकानें जलकर खाक

चेन्नई, 24 जून (एजेंसियां)। दक्षिण भारत की कपड़ा राजधानी तिरुपुर की बरगद गली में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग ने लगभग 50 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। शनिवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया गया। कई दुकानें जलकर खाक हो गई। हालांकि, आग से कोई मौत या घायल नहीं हुआ। क्योंकि लगभग सभी दुकानें बंद थीं। तिरुपुर को कई अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रांड बनाए जाते हैं। तिरुपुर कपड़ा उद्योग का वार्षिक कारोबार लगभग 50,000 करोड़ रुपये है। उद्योग जगत के सूत्रों ने को बताया कि आग से करीब 50 दुकानें जलकर खाक हो गईं और हजारों करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान है।

दुर्लभ प्रजाति के 6,850 जिंदा कछुओं के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, विदेशी मुद्रा भी हुई बरामद

तिरुचिरापल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। कस्टम एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारियों ने शुक्रवार को 6,850 जीवित रेड-ईयर स्लाइडर (कछुए की एक प्रजाति) जब्त किए। साथ ही, अधिकारियों ने बताया कि कुआलालंपुर से तमिलनाडु के तिरुचि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

दो यात्रियों के बैग में मिले जिंदा कछुए

अधिकारी ने कहा, खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, तिरुचि के एआईयू अधिकारियों ने हवाई अड्डे के निकास द्वार पर दो यात्रियों को रोक लिया। उनके चेक-इन सामान की जांच करने पर अधिकारियों को प्रत्येक यात्री के बैग के अंदर छोटे बक्से में छुपाए गए छोटे जीवित कछुए मिले।

विदेशी मुद्रा भी हुई बरामद

अधिकारी ने बताया कि एक यात्री के पास से 57,441 रुपये के बराबर की विदेशी मुद्रा भी बरामद की गई। सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार, वन्यजीवों को भारत में ले जाने के लिए वैध आयात दस्तावेजों या लाइसेंस के बिना जीवित जंगली कछुओं को अवैध रूप से भारत में आयात करने की कोशिश की जा रही थी।

मामले में चल रही आगे की कार्रवाई

रेड-ईयर स्लाइडर कछुओं को उनके मूल देश में वापस भेजने की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है और गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों को न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। फिलहाल, मामले में आगे की जांच चल रही है।

विपक्षी एकता जैसी गंभीर मीटिंग में राहुल गांधी की शादी की बात करना क्या उचित है?

क्या बोले आचार्य प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बेदखल करने के लिए, साथ आने की कोशिश में लगे विपक्षी दलों ने शुक्रवार को बिहार की राजधानी पटना में बैठक की। इस बड़ी मीटिंग के बाद हुई ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरजेडी चीफ लालू यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की शादी का जिक्र छेड़ दिया, जिसके बाद वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे। इस पर अब आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सवाल उठाए हैं।

'शादी की बात करना उचित नहीं'

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, 'सभी विपक्षी पार्टियां लोकसभा चुनाव से पहले एकजुट होने की कोशिश कर रही हैं। इसी के लिए पटना में एक बड़ी मीटिंग बुलाई गई थी जिसमें सभी पार्टियों के बड़े नेता शामिल हुए थे। विपक्षी एकजुटता एक गंभीर मसला है, ऐसे माहौल में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते वक्त राहुल गांधी की शादी की बात करना क्या उचित है? ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए था। विपक्षी एकता का मतलब सिर्फ पार्टियों का मिलना नहीं होता, बल्कि दिलों को भी मिलाना जरूरी होता है।'

राहुल की शादी पर क्या बोले थे लालू?

ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी की तारीफ करते हुए लालू यादव ने कहा, 'राहुल गांधी ने काफी अच्छा काम किया है। देशभर में पैदल यात्रा की। इस दौरान इनकी दाढ़ी भी बढ़ गई। अब थोड़ी छोटी कराई है, ये ठीक है, पर इन्होंने शादी को लेकर हमारी सलाह नहीं मानी। शादी कर लेनी चाहिए थी। अभी भी समय बीता नहीं है। शादी कर लीजिए, हमारी बात मानिए। आपकी मम्मी हमसे शिकायत करती हैं कि आप उनकी बात नहीं मानते, शादी नहीं करते हैं।'

'शिवसेना क्लियर करे अपना स्टैंड'

बातचीत के दौरान आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्षी एकता को लेकर पटना में हुई बैठक पर भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि विपक्षी एकता के लिए वैचारिक तालमेल बहुत जरूरी होता है। ऐसे में सबसे पहले शिवसेना को आर्टिकल 370, बाबरी मस्जिद विध्वंस और सावरकर के मुद्दे पर अपना स्टैंड क्लियर करना होगा। क्योंकि सभी पार्टियों में शिवसेना की विचारधारा ही काफी अलग है। लोगों में शिवसेना की छवि उग्र हिंदुत्व की राजनीति के लिए जानी जाती वाली पार्टी के तौर पर है। जब तक विचारधारा का तालमेल नहीं होगा, तब तक एकजुटता नहीं हो पाएगी।

'कांग्रेस को सौंपना होगा नेतृत्व'

आचार्य प्रमोद ने ये भी कहा कि विपक्षी एकजुटता का नेतृत्व कांग्रेस को सौंपा जाना चाहिए। क्योंकि कांग्रेस ही है जो सही मायने में बीजेपी का मुकाबला करने के लिए बेहतर नेतृत्व कर सकती है। क्षेत्रीय दलों में उतना दम नहीं है कि बीजेपी को सियासी मात दे सकें। इसके लिए सबसे बेहतर विकल्प कांग्रेस के हाथ में नेतृत्व की बागडोर देना ही है।

एसएफआई के फरार पूर्व नेता निखिल थॉमस को पुलिस ने कस्टडी में लिया

कोट्टायम, 24 जून (एजेंसियां)। केरल के कोट्टायम के स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के पूर्व नेता निखिल थॉमस को शनिवार तड़के सुबह हिरासत में लिया गया है। दरअसल, इन पर अपने डिग्री प्रमाणपत्रों में फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। शनिवार को ही अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पिछले पांच दिनों से फरार निखिल को कोट्टायम में केएसआरटीसी (केरल राज्य सड़क परिवहन निगम) बस डिपो से पुलिस हिरासत में लिया गया। निखिल थॉमस के खिलाफ मामला यह है कि उन्होंने कायमकुलम के एमएसएम कॉलेज में पीजी कोर्स में एडमिशन पाने के लिए कथित तौर पर कलिंगा विश्वविद्यालय से फर्जी डिग्री प्रमाणपत्र तैयार किया था। आरोप है कि निखिल ने अपना पिछला कोर्स पास नहीं किया था और पीजी कोर्स में एडमिशन पाने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र पेश किया था।

निखिल को इकाइयों के सभी कार्यों से किया गया निष्कासित

निखिल को अलाप्पुझा जिले के कायमकुलम पुलिस स्टेशन ले जाया गया। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने पहले उनके खिलाफ कार्रवाई में देरी का आरोप लगाते हुए, राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। निखिल थॉमस को इस सप्ताह की शुरुआत में एसएफआई से निष्कासित कर दिया गया था। छात्र संगठन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि जब एसएफआई के पूर्व कायमकुलम क्षेत्र सचिव निखिल थॉमस के डिग्री प्रमाणपत्र से संबंधित आरोप सामने आने के बाद से उन्हें एसएफआई की सभी इकाइयों से दूर रखा गया।

छात्र संगठन ने किया प्रमाणपत्र का जांच

एसएफआई ने एक बयान में कहा, हमने इनसे स्पष्टीकरण मांगा है और उन्होंने संगठन को गुमराह करने वाला स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने जो प्रमाण पत्र दिए, उनमें से एसएफआई केवल केरल विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए, उनके पात्रता प्रमाण पत्र की जांच कर सकता है। पात्रता प्रमाण पत्र की जांच करते समय, हमने पाया कि केरल विश्वविद्यालय की पात्रता प्रमाणपत्र मूल था।

निखिल को निष्कासित करने से दूसरों को मिलेगा सबक

एक बयान में, एसएफआई के राज्य सचिव पीएम अर्शो और राज्य अध्यक्ष के अनुश्री ने कहा कि पार्टी को चिंता है कि निखिल थॉमस एक नियमित छात्र के रूप में कलिंगा विश्वविद्यालय में अपनी पढ़ाई कैसे पूरी कर सकते हैं और इस चिंता को मीडिया के सामने भी उठाया है। उन्होंने कहा, निखिल थॉमस जैसा उन कई युवाओं में से एक बन गया है, जो ऐसी नापाक गतिविधियों में शामिल माफिया समूहों की सहायता से फर्जी प्रमाणपत्र बनाते हैं।

दिल्ली में 20 साल के युवक और उसके चचेरे भाई पर चाकू से हमला, मामला दर्ज; पुलिस ने की अपील

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार इलाके के पास ब्रजपुरी इलाके में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। जहां एक 20 साल के युवक और उसके चचेरे भाई को चाकू मारकर घायल कर दिया गया है। मोहम्मद जैद नाम के एक शख्स ने राहुल नाम के युवक के चाकू मारा और घटना स्थल से फरार हो गया। जबकि चचेरा भाई सोनू 19 साल का है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि रात 10 बजे पीड़ित राहुल और चचेरा भाई सोनू रात को डिनर के बाद न्यू उस्मानपुर इलाके में शिब्बन मॉडर्न पब्लिक स्कूल के पास आइसक्रीम खाने के लिए गए थे। पीड़ित और आरोपी दोनों ही पड़ोसी हैं और एक ही गली के रहने वाले हैं। किसी बात को लेकर राहुल और जैद के बीच कहासुनी हो गई। तभी मोहम्मद जैद ने राहुल के पेट के नीचे हिस्से पर चाकू से वार कर दिया और सोनू के हाथ पर चोटें आई हैं।

मॉनसून पकड़ने वाला है स्पीड, समय से 3 दिन पहले दिल्ली में देगा दस्तक!

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। देशभर में मौसम को लेकर किसी का इंतजार सबसे ज्यादा होता है तो वह है मॉनसून की बारिश। इस बार मॉनसून ने देशभर को काफी इंतजार करवाया है। पहले तो केरल में 1 हफ्ते से ज्यादा देरी से पहुंचा और उसके बाद साइक्लोन बिपरजॉय की वजह से मॉनसून की बढ़त में जरूरत से ज्यादा ही विघ्न पड़ गया। इस बीच देश के ज्यादातर हिस्सों में न सिर्फ बारिश काफी कम हुई बल्कि भयंकर हीटवेव भी देखने को मिली। लेकिन अब मॉनसून ने अपनी सुपर फास्ट स्पीड पकड़ ली है और उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में देश के तमाम इलाकों में मॉनसून की अच्छी खासी एक्टिविटी देखी जाएगी।

एमजेओ ने बढ़ाई मॉनसून की स्पीड

मॉनसून में बाधक सिर्फ चक्रवात ही नहीं रहा बल्कि उसके साथ-साथ मौसम की एक परिस्थिति एल नीनो ने भी मॉनसून के खराब होने की चिंता बढ़ा दी। आमतौर पर जिस साल में एल नीनो का प्रभाव देखा जाता है, उस साल देश में सूखा पड़ता है और साल 2023 एल नीनो के प्रभाव वाला साल है। लेकिन राहत की बात यह है कि एल नीनो को न्यूट्रल करने के लिए एक एक दूसरी परिस्थिति दिखाई दे रही है, जिसको एमजो (एमजेओ) कहा जाता है। जहां पश्चिमी तट पर एल नीनो और चक्रवात की वजह से मॉनसून की परिस्थितियां प्रतिकूल रही, वहीं पूरब की तरफ से एक कम दबाव का क्षेत्र और नए फैक्टर एमजेओ ने मॉनसून को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई।

समय से पहले दिल्ली में दस्तक देगा मॉनसून!

नई परिस्थितियों की वजह से पूर्वी और मध्य भारत में तो मॉनसून की गतिविधियां काफी तेज हो ही जाएंगी, साथ ही साथ इसकी वजह से मॉनसून की बारिश दिल्ली समेत उत्तर भारत तक भी पहुंच जाएगी। देश के पूर्वी हिस्से से चलने वाला यह नया सिस्टम पश्चिम तक पहुंचेगा और मुंबई समेत गुजरात में भी मॉनसून को एक्टिव कर देगा। उम्मीद यह जताई जा रही है कि नए सिस्टम की वजह से दिल्ली में अगले हफ्ते के शुरुआत में ही मॉनसून दस्तक दे देगा और जून खत्म होते-होते लगभग पूरे भारत में मॉनसून पहुंच जाएगा। बता दें कि दिल्ली में सामान्यतौर पर 30 जून को मॉनसून दस्तक देता है।

कर्नाटक सरकार की शक्ति योजना के कारण सड़क पर आ गए ऑटो वाले, 12 दिनों से एक-एक सवारी को तरसे

बेंगलुरू, 24 जून (एजेंसियां)। सरकार की कोई भी योजना 100 फीसदी लोगों को राहत नहीं दे सकती। कर्नाटक में ऑटो चालकों के साथ यही हो रहा है। वो मजबूर हो गए हैं। एक-एक करके वो अपनी ऑटो भी बेंच रहे हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनी है। वादे के मुताबिक यहां पर शक्ति योजना को लागू कर दिया गया है। इसको जबरदस्त प्रतिक्रिया भी देखने को मिली है। महिलाएं बड़ी संख्या में दर्शन के लिए फ्री बस सेवा का लाभ उठा रही हैं। राज्य की सरकारी बसें लगभग-लगभग फुल होकर चल रही हैं। पुरुष यात्रियों को सीटें नहीं मिलतीं। लेकिन दूसरी तरफ एक और तस्वीर है। बस तो महिलाओं से खचाखच भरकर चल रही हैं वहीं ऑटो वाले एक-एक सवारी को मोहताज हैं। उनकी हालत ये हो गई है कि वो सड़क पर आ गए हैं। हालात यहां तक बिगड़ गए हैं कि वो अपने ऑटो बेचना चाहते हैं। क्योंकि अब उनकी कमाई का साधन ही बंद हो गया है। दिनभर खड़े-खड़े बीत जाता है और एक भी सवारी नहीं मिलती। इस योजना को चले 12 दिन हो गए हैं। योजना को तो लोग पसंद कर रहे हैं लेकिन ऑटो वालों की दुर्दशा हो रही है कर्नाटक के हुबली शहर को मिनी मुंबई कहा जाता है। सड़कों पर भीड़भाड़ हमेशा रहती है। ये शहर व्यावसायिक है। यहां हर दिन लाखों लोग खरीदारी करने आते हैं। ऐसे में यहां के ऑटो चालकों की कमाई अच्छी खासी होती थी। लेकिन अब वो सड़कों पर आ गए हैं। ऑटो चालकों को कहना है कि हमारी दुर्गति का कारण कांग्रेस सरकार है। इनकी लागू की गई शक्ति योजना के कारण हुबली धारवाड़ के ऑटो चालकर तबाह हो गए हैं। बिना काम के दिन गुजारना भी मुश्किल हो रहा है। बीते 12 दिनों से एक भी महिला ने ऑटो नहीं लिया।

शातिर पति! पत्नी की हत्या कर सेप्टिक टैंक में छिपाया था शव, सीआईडी जांच में 3 साल बाद खुला राज

कोलकाता, 24 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले केसोनारपुर में एक युवक पर अपनी पत्नी की हत्या कर तीन साल तक सेप्टिक टैंक में छुपाने का आरोप लगा है। तीन साल के बाद सीआईडी पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस ने उसे पहले भी गिरफ्तार किया था, लेकिन हत्या का सबूत न मिलने पर युवक को जमानत मिल गई। अब फिर से सीआईडी उसे हिरासत में लेने की फरियाद करेगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, भोम्बल मंडल और उसकी पत्नी टुम्पा मंडल सोनारपुर के रहने वाले थे। टुम्पा मार्च 2020 से लापता थी। उसके पिता लक्ष्मण हलदर ने अपनी बेटी को नहीं मिलने पर सोनारपुर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी दर्ज कराई। लापता महिला के पति को भी गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन टुम्पा का कहीं पता नहीं चला। हाल ही में ये मामला हाई कोर्ट में आया। कोर्ट के आदेश पर 13 जून को सीआईडी ने जांच अपने हाथ में ली। सीआईडी भोम्बल से पूछताछ करने लगे। शुक्रवार को सीआईडी के पूछताछ के सामने भोम्बल ने आखिरकार अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि तीन साल पहले 2020 में उसने अपनी पत्नी टुम्पा की हत्या कर दी थी। फिर उसने शव को सोनारपुर में घर के सेप्टिक टैंक में छिपा दिया था। सबूतों के अभाव में भोम्बल को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। सीआईडी के समक्ष हत्या की बात कबूल करने के बाद उनकी जमानत रद्द करने की अर्जी दी गयी है। साथ ही जासूसों ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 जोड़ने का भी अनुरोध किया है। युवक के कबूलनामे के आधार पर सीआईडी के जासूस उसके घर जाकर सेप्टिक टैंक से शव बरामद करने की प्रक्रिया में जुट गये हैं। पति पर अपनी पत्नी की हत्या कर शव को सेप्टिक टैंक में छुपाने का आरोप था। हत्या के तीन साल बाद सीआईडी की पूछताछ में पति ने हत्या की बात कबूल कर ली। हाल ही में कलकत्ता हाई कोर्ट ने सीआईडी को मामले की जांच शुरू करने का आदेश दिया था। लंबी पूछताछ के बाद आरोपी ने 2020 में सोनारपुर के मिलनपल्ली में किराए के मकान में रहते हुए अपनी पत्नी की हत्या करने और उसके शव को सेप्टिक टैंक में फेंकने की बात कबूल की। मकान मालिक तापस मंडल ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान भोम्बल मंडल ने खुद को पति-पत्नी बताकर मकान किराये पर लिया था। कुछ देर रुकने के बाद वे चले गये। कुछ दिनों बाद भोम्बल का एक रिश्तेदार आया और उसने मकान का बकाया किराया चुकाया और सारा सामान लेकर चला गया।

गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर घोड़े-खच्चर को पिलाई सिगरेट पशु क्रूरता में दर्ज हुआ मुकदमा

रुद्रप्रयाग, 24 जून (एजेंसियां)। गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर थारू कैंप में घोड़े-खच्चर को सिगरेट पिलाने के मामले में पुलिस ने दो पशु संचालकों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया है। यात्रा शुरू होने के बाद से अभी तक पशु क्रूरता मामले में 14 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दो वीडियो, जिसमें घोड़े की नाक में सिगरेट डाली जा रही है। पुलिस ने इन दोनों वीडियो की पड़ताल की तो पाया कि गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर छोटी लिनचोली के समीप थारू कैंप का यह मामला है।

आध्यात्मिक ज्ञान का तीर्थ : गीता प्रेस

अतुल कुमार

देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान गीता प्रेस गोरखपुर को वर्ष 2021 का गांधी शांति पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गयी है । गीता प्रेस को अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक ,आर्थिक , राजनीतिक परिवर्तन में सकारात्मक योगदान के लिये पुरस्कार हेतु चुना गया । दुनिया भर में जहां जहां सनातन संस्कृति , संस्कार ,और सरोकार हैं वहां गीता प्रेस का नाम जाना पहचाना है । मूल रूप से यह सनातन संस्कृति को विकसित करने वाला मुख्य केंद्र है जिसने आध्यात्मिक पुस्तकें प्रकाशित कर श्रद्धालुओं के मध्य ,मानवीय गुणों ,आदर्श , परोपकार , योग , संस्कार, प्रेरणा, परमेश्वर की स्तुति और अध्यात्म को बढावा दिया और दे रहा है ।वास्तव में यह सारस्वत यज्ञ है जिसका फोकस कम से कम दामों पर पुस्तकें उपलब्ध कराना है ।जन साधारण के लिये ऐसी बहूमूल्य पुस्तकें प्रकाशित कीं जिन्हें आध्यात्मिक ज्ञान का भंडार कहा जा सकता है । कम मूल्य पर त्रुटीहीन कंटेंट और अच्छी छपाई के लिये इसकी पुस्तकों ने पाठकों को हमेशा आकर्षित किया ।किताबों की आसान भाषा और रंग़ीन चित्रों के कारण पाठकों ने इन्हें निजी संग्रहों में विशेषकर घर के पूजा घरों में स्थान दिया इन्हें रख लोग हर्षित हो इसका उल्लेख परिचितों और मित्रों में करते हैं । पुस्तकों की जिल्द भी मज़बूत अच्छी क्वालिटी की होती हैं ।

गीता प्रेस की स्थापना 29 अप्रेल 1923 को हुई । स्थापना का यह शताब्दी वर्ष है ।इसका बहुत समृद्ध और गौरवशाली इतिहास है जिन दिनों बराबर सडकें और बिजली नहीं थी तब " कल्याण " नियमित रूप से डाक से आया करता । पाठक पत्रिका के इतने बडे प्रशंसक हैं कि इसकी राह देख डाकिये से इसके आने की पूछ्ताछ करते । बताया जाता है कि शास्त्रों के विस्मयकारी प्रसंग़ों को पढने के लिये पाठक लालायित रहते ।92 करोड से अधिक पुस्तकें छापने का ऐतिहासिक कीर्तीमान इस संस्थान के नाम है । जो बडी उपलब्धि है ।शुरु से ही गीता प्रेस की किताबों की खासियत रही कि उसमें प्रूफ की गलतियां न के बराबर होतीं कोमा ,फुलस्टाप को ले सचेत रहते ।गौर तलब है कि लाखों का सर्कुलेशन होने के बावजूद उसमें विज्ञापन नहीं होते ।वर्ना आज के युग में विज्ञापन कौन छोडता है ! जो प्रकाशन के लिये आमदनी का बडा माध्यम हैं ।

विद्वानों के अनुसार गीता प्रेस की सफलता का एक कारण उसकी मासिक पत्रिका " कल्याण " है जो सनातन धर्म पर केंद्रित पहली पत्रिका थी ।जिसकी प्रसार संख्या लाखों में है ।जिस दौर में कलर प्रिंटिंग की तकनीक का विकास हो रहा था तब " कल्याण" में देवी देवताओं के रंगीन चित्र देख पाठक मोहित होते और उन्हें फ्रेम करवा घर में लगाते ।गीता प्रेस में फिलहाल 15 भाषाओं में 1848 प्रकार की पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं प्रतिदिन सत्तर हज़ार किताबें छप रही हैं जबकि डिमांड एक लाख किताबों की है गीता प्रेस की 22 शाखाएं हैं ।प्रेस में रुटीन का कामकाज भी पूजा पाठ की तरह होता है सभी कर्मचारी जूते चप्पल उतार इस कार्य को करते हैं ।इसकी भूमिका तीर्थ स्थलों जितनी ही महत्वपूर्ण है। दरअसल " श्रीमद्भागवत " " रामायण "और " हनुमान चालीसा " को घर घर पहुंचाने का काम गीता प्रेस ने ही किया ।

इसकी स्थापना की कहानी बहुत दिलचस्प है प्रसंग सन 1920 का है कोलकाता के सेठ जदयाल गोयंदका हर दिन गीता का पाठ किया करते उसके 18 वे अध्याय में लिखी एक बात उनके दिल को छू गयी ये बात थी " जो इस परम रहस्य युक्त गीता शास्त्र को ।मेरे भक्तों में कहेगा , वह मुझको प्राप्त होगा " इसी के बाद लोगों के कहने पर गोयंदका ने अपनी व्याख्या को एक प्रेस में छपवाया ,लेकिन उसमें कई गलतियां देख दुखी हुए उसी दिन उन्हें प्रेस का विचार आया फिर गोरखपुर के अपने श्रद्धालु मित्र घनश्याम दास जालान के सुझाव पर उसी शहर में दस रुपये के किराये के मकान में सन 1923 में गीता प्रेस शुरु हुआ ।जिसकी गणना आज विश्व के बडे प्रकाशन संस्थानों की जाती है । बात सिर्फ वित्तीय वर्ष 2022 23 की जाए तो इसने रामचरित मानस की भारतीय भाषाओं में दस लाख से अधिक प्रतियां बेचीं ।

100 वर्षों की रचनात्मक यात्रा में गीता प्रेस ने हमेशा अपने को व्यावसायिक दृष्टीकोण से अलग रखा बिना लाभ और हानि के यह संस्थान पूरी दुनिया में आध्यात्मिक पुस्तकें पहुंचा रहा है । आमदनी और खर्च का संतुलन बना रहे इसके लिये इसने आय के अन्य स्रोतों को विकसित किया । इसके लिये ऋषिकेश में आयुर्वेदिक औषधियों की फैक्ट्री और कई शहरों में कपडे की दुकानें खोली । इनसे होने वाली आय से घाटे की भरपाई की जाती है बदलते समयानुसार गीता प्रेस ने प्रिंटिंग की आधुनिक मशीनों को छपाई के लिये इस्तेमाल में लिया । जापान की कोमोरी और सिलाई के लिये स्वीट्ज़र लैंड की बनी सिलाई मशीनों का यहां प्रयोग किया जाता है ।

स्वतंत्रता के पूर्व इसकी स्थापना तब हुई थी जब आध्यात्मिक पुस्तकों का लोप हो रहा था । उस कमी को इसने तोडा और आध्यात्मिक पुस्तकों को कम मूल्य पर उपलब्ध करवाना शुरु किया ।जिसका उद्देश्य इन पुस्तकों को बढावा देना है । इसके द्वारा प्रकाशित वार्षिक गीता डायरी को लोगों से अच्छा रिस्पांस मिला । यद्यपि आज डायरी का इस्तेमाल घट गया है लेकिन गीता डायरी ने ऐसे समय में भी अपनी मांग को बनाये रखा क्यों कि उसमें प्रकाशित होने वाली सामग्री पाठको के लिये ज्ञान वर्धक तथा सूचनाप्रद होती है जो साल भर की विभिन्न उपयोगी जानकारियां प्रदान करती हैं । संस्थान के आर्काइव में 3500 से अधिक पांडुलिपियां मौजूद हैं ।श्रीमदभगवद्गीता की 17 करोड से ज़्यादा प्रतियां छाप चुका है इसके अलावा 12 करोड तुलसीदास की रचनाएं तथा 3 करोड पुराण और उपनिषद की प्रतियां संस्थान प्रकाशित कर चुका है ।

हिंदी के अलावा मराठी , गुजराती, उडिया ,संस्कृत ,तेलुगु , कन्नड ,नेपाली ,बांग्ला , तमिल ,असमिया , और मलयालम सहित 14 भाषाओं में पुस्तकें छपती हैं ।गीता प्रेस और आध्यात्मिक जगत की महान विभूति हनुमान प्रसाद पोद्दार का अकाट्य संबंध रहा आजीवन "कल्याण " के संपादक रहे ।आध्यात्मिक व ज्ञान वर्धक पुस्तकों को देश के कोने कोने में पहुंचाने का श्रेय उन्हीं को है । कल्याण को एक आदर्श और रुचिकर पत्रिका का रूप देने के लिये देश भर के महात्माओं , लेखकों, चिंतकों और संतों आदि को पत्र लिख इसके लिये विविध विषयों पर लेख आमंत्रित किये और उन्हें छापा श्रेष्ठतम कलाकारों से देवी देवताओं के चित्र बनवाये और उनको "कल्याण " में प्रकाशित किया पत्रिका के संपादन के साथ उसे अंतिम रूप रंग देते । प्रतिदिन अट्ठारह घंटे काम करते सन 1926 में पत्रिका का प्रवेशांक निकला ।शुरु में यह मुंबई से प्रकाशित हुआ बाद में इसे गोरखपुर से प्रकाशित किया गया ।हर साल वर्ष के आरंभ में यह विशेषांक प्रकाशित करता है ।

बताया जाता है कि पत्रिका में लिखने के लिये महात्मा गांधी से अनुरोध किया गया तब सहर्ष तैयार हो गये लेकिन दो शर्तें रखी कि इसमें कोई विज्ञापन नहीं छपेगा और किसी की पुस्तक समीक्षा नहीं छपेगी ।उनके सुझाव को माना गया जिसका पालन आज भी हो रहा है पत्रिका में विज्ञापन और पुस्तक समीक्षाएं नहीं छपतीं ।सनातन संस्कृति की उपासना में इसकी भूमिका किसी देवालय और तीर्थ स्थल जितनी ही महत्वपूर्ण है । एक उद्धरण है कि " दिव्यता केवल शक्तिशाली होने में नहीं बल्कि वास्तविक दिव्यता दूसरों में शक्ति जागृत करने में है " गीता प्रेस ने इसी को साकार किया और कर रहा है । इसलिये कह सकते हैं कि यह " आध्यात्मिक ज्ञान का तीर्थ " है ।

काव्य कुंज

एकला चोलो रे

कुमुद बाला,
हैदराबाद

स्वार्थी दुनिया,
स्वार्थी लोग और स्वार्थी तत्व
सिर्फ मैं, मैं, मैं, मैं और सिर्फ मैं, मैं
आखिर मनुष्य चाहता क्या है ?
थोड़ी सी तरक्की हुई नहीं कि
फितरत बदल जाती है।
बात करने का अंदाज़ बदल जाता है
वहीं कुछ ऐसे भी लोग हैं
जो हमेशा दूसरों की टाँग खीचते नज़र आते हैं
किसी की प्रगति, उन्नति देखकर उन्हें अच्छा नहीं लगता
कुछ न कुछ ऐसा करते हैं कि
सामने वाला समझ जाता है --
यह आदमी खुन्नस निकाल रहा है
आजकल के लोगों में यही तस्वीर नज़र आ रही है
अगर आपको कहीं से पुरस्कार मिल गया
तब तो आपकी ख़ैर नहीं
इतनी बुराई बतियाएँगे कि बुराई भी शरमा जाय
समझ में नहीं आता आखिर इतनी जलन क्यों ?
कुछ भी अच्छा करो , लोग ख़फ़ा हो जाते हैं
आपसे बातचीत बंद कर देते हैं
जैसे पुरस्कार नहीं कोई हव्वा हो गया
अब तो दोस्त भी सच्चे नहीं रहे
किसलिए दोस्त और कहाँ के दोस्त
अकेला चलना ही अच्छा है और इसी में भलाई है
गुरू रबीन्द्र नाथ टैगोर ने शायद इसीलिए लिखा था --
जोदि तोर डाक शुने केउ ना आशे
तौबे एकला चोलो रे
एकला चोलो , एकला चोलो , एकला चोलो रे
तौबे एकला चोलो रे

नया जमाना

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

नई पीढ़ी, नई रंगत लिए
नया जमाना आया है।
समय समय पर हर
पीढ़ी ने नया जमाना पाया है।।
पीढ़ी दर पीढ़ी के अंतर में
जमाना बदल जाता है,
थोड़ा विचार मतभेद पीढ़ियों में नजर आता है,
कोई नए जमाने के साथ स्वयं को ढ़ाल पाता हैं
कोई नए जमाने को बस मजबूरी काल बताता है।
आज विदेशी चमक लिए नया जमाना आया है।
नई पीढ़ी, नई रंगत लिए नया जमाना आया है।।
धीरे-धीरे बदला जमाना ,आज बहुत बदल गया है,
हार्डवेयर के साथ सॉफ्टवेयर में ढलक गया है,
जिंदगी का तौर तरीका अब तो पूरा पलट गया है
मोबाइल ही सबका प्रिय हमसफर बन गया है,
डिजिटल दुनिया लिए हुए नया जमाना आया है।
नई पीढ़ी, नई रंगत लिए नया जमाना आया है।।
हर जमाने के अपने अच्छे बुरे दोनों होते परिणाम,
कुछ दकियानूसी,अंधविश्वास की ही ढोते लगाम,
विवेक साधना से हो निर्मित तो सुंदर होते काम
लकीर के फकीर पीटते रहे तो,कैसे मिले नए अंजाम,
घर बैठे ही सब कुछ सीखें ऐसा नया जमाना आया है।
नई पीढ़ी, नई रंगत लिए नया जमाना आया है।।
पुत्र पुत्री में भेद नहीं, नई की अब यह परिभाषा है,
खुले हर क्षेत्र नारी के लिए,कितनी बड़ी दिलासा है,
रावण,दुर्योधन तो हर युग का षड्यंत्र तमाशा है
इंद्रिय सुख ने हर जमाने में नया रूप तलाशा है,
मंजूर ,गर सनातन संस्कृति लिए नया जमाना आया है।
नई पीढ़ी, नई रंगत लिए नया जमाना आया है।।

मदारी और बंदर

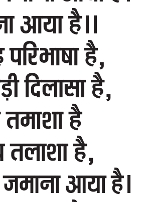

संजीव ठाकुर,
रायपुर

एक मदारी लोगों के बीच
जोर जोर से चिल्ला रहा था
अपने बंदर को छड़ी के
डर से इधर-उधर नचा रहा था
देखिए साहब इस बार
आया है यह नया बंदर है
दिखता बड़ा सुंदर है
थोड़ा बाहर बाकी जमीन के अंदर है।
खाता कम है गाता ज्यादा है बड़े बंदरों का छोटा प्यादा है,
पहले जंगल में दांत दिखा कर डराता धमकाता था।
कहता था जंगल में खुशहाली ला कर रहूंगा
जंगल की तस्वीर बदल दूंगा जंगल की गरीबी दूर कर दूंगा ।
इतने फायदे और कायदे के बाद भी ना कर
पाया वह कुछ जनता ने झूठे वादे
करने के कारण काट कर छोटी कार दी छोटी उसकी पूंछ।
लो हुज़ूर अब फिर चुनाव में
शर्म से पानी पानी होकर आपके आया है सामने
पुरानी बातें भूल कर आप इसका फिर से हाथ थाम ले।
5 साल के लिए सत्ता की लगाम दें,
कर दे माफ इसके फायदे की भूल
ना चढ़ाएं इसमें मिट्टी और धूल।
इसे फिर से दे दे वोटों की चाबी
और राज करने की आजादी
और दे दे फिर से जंगल में राज करने की शाबाशी।

घर छोड़ आया था ...।

डॉ डी डी देसाई

खेत खलिहनों के मेड़ों पर से गुजरते,
फिसलते.. गिरते.. कभी सँभलते,
तलवों की जख्मों से शर्मिंदा ये कांटे,
मैं पैरों तले रास्ते के पत्थर फोड़ आया था।
खेल कूद और मस्ती से परेशान मेरी माँ,
पढ़ने के खातिर मैं घर छोड़ आया था।
अपने घर से दूर एक पराई छत के निचे,
उभरते अरमान दबी दबी सी बंदीशें,
मजबूत इरादे...और सिसकती ख्वाहिशें।
सपनों मे भी इरादे पुख्ता जोड़ आया था।
हासिल कर डिग्रीयाँ ज़माने भर की,
कमाने के खातिर मैं घर छोड़ आया था।
चार दीवारी पर एक छत अपनासा,
हर एक पल हर एक से अनबनसा,
कभी कलह की गूँज कभी ख़ामोशी,
बिखरती जिंदगीयों को गठजोड़ आया था।
सास बहु, देवरानी जेठानी का कोलाहल,
सुकून के खातिर मैं घर छोड़ आया था।
बहन की शादी...बच्चों की पढ़ाई,
चाचा चाची का रौब, दादा दादी की दवाई,
काम मे जोगी और छप्पन भोगी,
माँ बाप से तंग हाथ जोड़ आया था।
अपने सपने और ख्वाहिशों को दफना,
जरूरतों के खातिर मैं घर छोड़ आया था।
न जरूरते कम थी न मिन्नतें कम हुई,
न दर्द कम था न तकलीफे कम हुई।
कभी अपने तो कभी पराए परेशान हुए,
सब की ख़ुशी मे अपना नसीब फोड़ आया था।
अब तुम्हारे हवाले तुम्हारी अपनी जिंदगी कर,
मोक्ष के खातिर मैं मैं घर छोड़ आया था।

दौलत हो तो रिश्ते मिल जाते हैं

रेणुका अग्रवाल

माना बेटा बेहद जवान हसीन है।
माँ बाप रहे होंगे कभी कमसीन है।
आज बुज़ुर्गों में शुमार है तो क्या हुआ,
ना हम मुफ़लिस ना ग़मगीन है।
दौलत हो तो सब रिश्ते मिल जाते हैं।
अपने परायों के चेहरे खिल जाते है।
बुज़ुर्गों के पास बैठने की फ़ुरसत होती,
माँ बाप के ज़ख्म भी सील जाते हैं।
ख़ुशी का संग, बडा प्यारा लगता है।
बच्चों का ख़र्चा बढ़ा प्यारा लगता है।
माँ बाप कुछ माँग ले ,तो उनकी ख़ैर नहीं,
ख़ुद के अरमानों का ,रंग प्यारा लगता है।
अंग्रज़ी हमने पढ़ाई, गुमान तुम करते हो।
अपने ग़ुरूर को भी ,आसमान तुम करते हो,
हम हिंदी पढ़े लिखे, स्वर्ण युग समान होते हैं।
कोई ग़ैर नहीं ,हमारा अपमान तुम करते हो।
हम हज़ारों ग़म छुपाकर भी जी लेते हैं।
हम हमारा मन मारकर भी जी लेते है।
हमने हमारा सुख कभी सोंचा ही नहीं,
हम तुम्हारा ख़्वार खाकर भी जी लेते हैं।
सन्तान बने इस जीवन में,उसे सार्थक करो।
किसी के ग़ुलाम बन कर भी मत रहो।
हमने तुम्हे आत्मसमान भी सिखाया है,
माँ बाप को त्याग कर ग़ैर के संग मत रहो।

मेरी यात्रा

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

मैं अपनी माला के दाने
घुमाता रहा बुद बुदाता रहा
प्यास दिल में थी बहुत
मैं उसी को सजाता रहा
मैं अपनी खुदी को भुलाता रहा
मैं माला के दाने घुमाता रहा
परम आनंद की चाह में
कभी रोता रहा कभी हंसता रहा
मैं उसी की दया में
याद करता रहा और जीता रहा
मैं माला के दाने घुमाता रहा
कलम चलती रही मेरी
बेखुदी में मैं गीत गाता रहा
खयालों के थपेड़े बहुत सख्त थे
मै सहता रहा और भू लाता रहा
मैं आनंद से बहुत दूर था
मैं माला के दाने घुमाता रहा
कोई अनुभव करा दे बड़ी प्यास थी
कोई गुरु मिलेगा जरूर बड़ी आस थी
75 की आयु में गुरु मिल गया बुझता हुआ दिया था मैं
फिर जल गया मैं माला के दाने घुमाता रहा
मेरी यात्रा के कदम बढ़ते गए प्यास बुझती गई
मैं अपनी खुदी को भुलाता गया
बेखुदी में खुद से मिलता गया
मैं माला के दाने घुमाता रहा
अब हंसता हूं मैं, गीत गाता हूं मैं
नाच उठता हूं मैं , सर झुकाता हूं मैं
मेरी मैं मिट गई, मैं अपनी माला के दाने
घुमाता रहा बुद बुदाता रहा।।

वक़्त

टी तारासिंह
हैदराबाद

इश्क़ के तराने दर्द दे गये
इश्क़ के अफसाने यादें दे गये
जमाना कुछ भी कहे अन्सुना करेंगे
पुरानी यादें पिछा करती रहेगी
दिल धड़कता रहा भरोसा जताता रहा
अनकही बातें अन्सुनी दास्तान सुनाता रहा
समेट लो पिरो लो जवानी के सपने
कल क्या हो किसके पास वक़्त ना हो
हर लम्हा जी लो जिंदगी को प्यार से अपना लो
जिंदगी बहार है फुलों की सेज है
कभी धूप तो कभी छांव से जुडा है जीवन
जिंदगी आबाद है फिर भी उलझन में है ।।

तेरी चुनरी में

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

अम्बर के बनजारे तेरी चुनरी में।
सूरज चाँद सितारे तेरी चुनरी में।
तेज़ हवा ने काले फनियर ज़ुल्फ़ों के,
उल्टे कर-कर मारे तेरी चुनरी में।
प्यासी आँखों का ईशारा काफी था,
कई जीते कई हारे तेरी चुनरी में।
शायद हुसन की भीख ज़रा सी मिल जाए,
जुगनू जगन बेचारे तेरी चुनरी में।
झुमके, कंगन, हार, अंगूठि, हंसली, नथ,
जन्नत जैसे लारे तेरी चुनरी में।
बारिश भीतर बहते हुए दरियाओं ने,
डूबे पत्थर तारे तेरी चुनरी में।
ना तलवार ना खंजर ना तीर ना भाले,
फिर भी है हत्यारे तेरी चुनरी में।
लाख भुलाऊं फिर भी मुझ से भूलेना,
दिन और रात गुज़ारे तेरी चुनरी में।
दूर पहाडों वाली ऊंची चोटी से,
निर्झर नीर उतारे तेरी चुनरी में।
लांखों मीलों से खुशबु आती है,
खिलते फूल बेचारे तेरी चुनरी में।
कुदरत ने उमंग, तरंग, गुलकंद लेकर,
फिर अट्टहास श्रृंगारे तेरी चुनरी में।
जंगलों के जंगल जल कर सब राख हुए,
तपते सुर्ख शरारे तेरी चुनरी में।
आते जाते राही इस में उलझ गए,
नयन तिरे कजरारे तेरी चुनरी में।
मुल्ला, भाई, पण्डित, काजी आशिक, रिंद,
यह सारे के सारे तेरी चुनरी में।
बालम के प्रतीकों-निम्बों वाले शेयर,
कितने प्यारे-प्यारे तेरी चुनरी में।

मैं कैसे हार मान लूँ

लवली आनंद,
बिहार

रंग बदलता अंबर,
बदल रहा है पहर,
टिक-टिक घड़ी की सुईयाँ
चल रही, रुकी नहीं,
नदियों ने जो राह पकड़ी
प्रवाह है टूटी नहीं
तूफानों में शाखाएँ अस्त-व्यस्त हुईं,
फिर तन गई, झुकी नहीं,
कलरव से पक्षियों ने भोर किया,
घोसलों के उड़ने का शोक रहा,
रखी लेकिन चुप्पी नहीं, सभी गतिमान हैं,
हार पर ही टिके नहीं, शोक पर न अटक गए,
ना रुके वहीं हारकर जहाँ बाधाएँ रहीं,
आगे बढ़े सभी ने मन में उत्सव गीत कहे।
प्रकृति में जब विजय गान कर सब आगे बढ़ रहे,
कहो मैं कैसे हार मान लूँ!

प्यार मिलेगा

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

आह हत्या गले मिल जा,
तो प्यार मिलेगा
न हो अगर मन में
मैल तो यार मिलेगा
क्या चिंता बीते लम्हों की
बीता सो बीता है
वर्तमान में जी ले तो कुछ सार मिलेगा
कांटों के पथ में धैर्य रख कुछ कदम चलें तो
जीवन के पथ भी तो सदा गुलजार मिलेगा
एकता बंधुत्व के नारे तो केवल नारे हैं
भेद मिटा दें दिल से तो अपना संसार मिलेगा
काश ! ऐसा हो पाता ₹रागा₹ इस जीवन में
फिर दुःख कहां रहता, सब को भिनसारे मिलेगा।।

फ़िर वही....

दर्शन सिंह
हैदराबाद

जियदा चाहता जिनको,
मिलकर नहीं मिलते
बुझी राख में जिंदा,
हकीकत में नहीं बदलते
चलता ही रहा गया,
मृत सा लगता मनभावन
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन
जरुरत ही कहां......,अश्कों को भी कहने की
नहीं जानते कद्र,नादां..,ख्वाहिश नहीं जीने की
चलो,जहां भी रहे खुश रहें, दुरस्त नहीं इमारत
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन
रह रहकर टीस, आह बन कर निकलती है
पास रहकर भी कोसों दूरअनजान टहलती है
कहते मुस्कराते बहुत हो,..बौनी सी किताबत
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन
आंखों में रहकर भी, वो सपना हो गये जैसे
उलझता सुलझता, खंडहर में बदल गये जैसे
तुम नहीं क्या जीवन,मौन मूकदर्शक घायल
फिर वही बारिशों का है मौसम
पर नहीं पहले जैसा वो सावन।।

प्रतिमा...

ओमकार सर्डिवाल

भक्त कहता है भगवान से...
यह तूने कैसी है मिट्टी बनाई
काम-क्रोध की माया है डाली।
तेरी सबसे सुंदर रचना है हमारी,
फिर यह कहां की बुराई है तूने डाली।।
भक्त कहता है भगवान से...
मां के दामन से मिट्टी है उठाई,
श्रद्धा-भक्ति के भाव है मैने डालें।
मेरी सबसे सुंदर रचना है तेरी,
निहारे तुझको ही आंखें सारी।।
भक्त कहता है भगवान से...
मनुष्य मात्र मनुष्य का बैरी बना,
लोभ-लालसा ने उसे है जखड़ा।
भाई बंधुत्व सब कुछ है बिसारे,
तेरी मिट्टी के कण-कण है बिखरे।।
भक्त कहता है भगवान से...
मेरी मिट्टी को पूजे है संसार सारा,
भक्ति रस में डूबे हैं ये जग न्यारा।
भगवान तुझे मान बुहार लगाता,
पवित्र पुंज तुझे है मनुष्य मानता।।
भक्त कहता है भगवान से...
कितनी सुंदर रचना है तूने बनाई,
धन-धान्य और संपदा है सुहाई।
देख ये इंसान क्या कर डाला,
जल,थल,नभ का नाश है कर डाला।।
भक्त कहता है भगवान से...
जहां गंदगी कण-कण में फैली थी,
वहां प्रतिमा तेरी मैंने रखी थी।
ताता लगा है, मनुष्य का देख,
अमृतदाई परिसर का निर्माण कर डाला देख।।

दर्द के आँसू

श्याम घायल
हैदराबाद

आज मिला जब यारों से तो,
दिल का बोझ हुवा हल्का,
मुँह सुजाये बैठा था घर,
हुईं लड़ाई थी कल का ।
घर से निकला, आफिस पहुँचा,
हाल वहाँ भी था ऐसा,
बास लगाया क्लास, व्यथित मन, मुँह लटकाये था कल सा
हँसा जोर से यार मेरा, जब देखा मेरे चेहरे को, आ शाम हुई,
चल कहीं चलें, तोड़े बन्धन के पहरे को ।
जब जाम छलकता संग यार, तब दिल का दर्द झलकता है,
कभी भरती आँखें आँसू से,कभी खिलखिलाय के हँसता है।
दिल खुलकर कह लेता अपनी, जो बात दबी है दिल, मन
में, सुनते हैं भावुक होकर सब भरते हैं जो सब तन, मन में ।
मत चिन्ता कर मेरे यार कहें, ये दुनिया की आनी-जानी है,
खुश होकर रह, ठहाके लगा, कल की कल देखीं जानी है।
हल्का होकर घर में आया, जैसा था सब वैसा पाया,
वही रार,राग,रागिनी वही, वही दर्द, दुखों का हमसाया ।
कभी बीबी दुखी, परिवार कभी, बेटी- बेटा औ माई दुखी,
जीवन भर माँगा, सब दिया हरी, मेरा दुख देखकर सॉई दुखी ।
हरि कहता है क्या दूँ तुझको, कि सुख से जीवन जीलेगा,
संसार में सुखी वही है जो, दुखों का हलाहल पी लेगा ।
गाली सुनकर भी जीते जो, रास्ता उनका नहीं रुकता है,
बुरा भले हो समय कितना, पर सूरज उन्हीं का उगता है ।
प्रभु साथ तेरे, तू कर यकीन, फटेहाल तेरे सब सी देंगे,
"घायल " हरि नाम जपें हरदम, हर हाल में जीवन जी लेंगे ।

किसका रास्ता देखता हूं

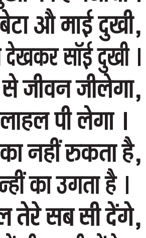

अन्नू प्रिया,
कटिहार, बिहार

किसका रास्ता देखता हूं,
दुविधा के द्वार पर,
तज भूत-भविष्य की गति,
संग्रह प्रेम स्मृतियों में,
मैं खुद को ही भूल जाता हूं।
किसका रास्ता देखता हूं।
कौन साथ दिया, कौन छोड़ गया,
अधूरी कविताओं के किरदारों में,
किसे फिर मैं दोहराता हूं ।
यादों की यायावरी तो देखो,
हर शाम की चाय पर चर्चा, अपना वक्त खर्च कर आता हूं।
किसका रास्ता देखता हूं।
अपनी व्यथा की कथा,
अजनबियों को क्यों सुनाता हूं।
किसका रास्ता देखता हूं.......

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

क्या दबाव में विपक्ष के साथ हैं स्टालिन

तमिलनाडु में कांग्रेस के प्रमुख सहयोगी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (द्रमुक) पर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का जबर्दस्त राजनीतिक दबाव है। तमिलनाडु में हालांकि द्रमुक कमजोर हो गई है, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पटना से लेकर अन्य क्षेत्रीय दलों के मुख्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं। इससे यह समझा जा सकता है कि द्रमुक अपनी मौजूदा राजनीतिक स्थिति से परेशान है। और इसका कारण यह है कि तमिलनाडु में भाजपा लगातार बढ़त बना रही है। तमिलनाडु में कांग्रेस अपने संगठन का विकास नहीं कर रही है, बल्कि पूरी तरह से द्रमुक पर निर्भर है। स्टालिन के तेजी से अपनी पकड़ खोने के पीछे क्या कोई खास वजह है? द्रमुक के वरिष्ठ नेता चुपचाप अपनी इस भावना को दूसरों के साथ साझा करते हैं।

इससे ऐसा लगता है कि 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) और भाजपा गठबंधन बेहतर प्रदर्शन करेगा। अन्नाद्रमुक के पक्ष में जमीनी स्तर पर हलचल दिख रही है। राज्यपाल आरएन रवि और द्रमुक के मुख्यमंत्री स्टालिन के बीच तकरार जारी है, जबकि जनता का मानना है कि इस झगड़े से बचा जा सकता था। लेकिन द्रमुक द्वारा उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों का मुद्दा उठाना और उन्हें पानी-पूरी बेचने वाला कहना भी तमिल जनता को रिझा नहीं पाया है। मतदाताओं को लगता है कि द्रमुक को परेशान करने के लिए नरेंद्र मोदी ने जान-बूझकर राज्यपाल आरएन रवि को तमिलनाडु भेजा है। तमिलनाडु में भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई कहते हैं, 'हां, यह एक राजनीति है।'

साथ ही, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अपना तमिलनाडु दौरा रद्द करने को यहां विपक्षी एकता की कमजोरी के तौर पर देखा गया। वहीं रणनीतिक रूप से भाजपा शीर्ष केंद्रीय मंत्रियों एवं नेताओं- राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, योगी आदित्यनाथ को तमिलनाडु के कई हिस्सों में दौरे पर भेज रही है। और प्रधानमंत्री मोदी बनारस तमिल संगमम के जरिये तमिलनाडु में भाजपा के लिए एक मजबूत आधार बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त बीते 28 मई को जिस तरह से नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल को संसद में स्थापित किया, इन सबसे यही संकेत मिलता है कि मोदी दक्षिण चेन्नई या रामनाथपुरम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने पर भी विचार कर सकते हैं।

नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि निर्मला सीतारमण और डॉ. एस जयशंकर क्रमशः कोयंबटूर और तिरुचिरापल्ली लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ें। इसलिए इन संयुक्त दृष्टिकोणों से तमिलनाडु में यूपीए (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) और एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन), दोनों की लड़ाई दिलचस्प होगी। हाल के महीनों में सुपर स्टार रजनीकांत राजनीति से

पीछे हट गए हैं, लेकिन विजय जैकब, अजित कुमार जैसे अन्य तमिल फिल्मी अभिनेता राजनीति में अपनी जगह बना रहे हैं। ऐसे में इन सबका राजनीति में प्रवेश द्रमुक को सत्ता विरोधी लहरों को दूर करने में काफी हद तक मदद करेगा।

द्रमुक नेता एमके स्टालिन चाहते हैं कि भाजपा और नरेंद्र मोदी आगामी लोकसभा चुनाव में हैट्रिक न बना पाएं। लेकिन द्रमुक पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी हमलावर है। द्रमुक के तीन या चार शीर्ष मंत्रियों पर भ्रष्टाचार और कई देशों में बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोप हैं। ऐसे में जनता की नजरों में भी द्रमुक की छवि अच्छी नहीं है।

इसके वरिष्ठ मंत्री सेंथिल बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय ने 'नौकरी के बदले घूस लेने' के कथित घोटाले में पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया था। लेकिन जेल जाने से बचने के लिए चिकित्सा, राजनीतिक और कानूनी हथकंडे अपना करके वह अस्पताल में भर्ती हैं। द्रमुक अंदरूनी गुटबंदी से भी त्रस्त है। द्रमुक के अधिकांश मंत्री जयललिता की पार्टी अन्नाद्रमुक से दल बदलकर आए थे। अब वे द्रमुक नेता स्टालिन पर हावी हो गए हैं।

द्रमुक के प्रथम परिवार के सदस्य पार्टी और सरकार, दोनों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, जो दूसरी पार्टी से दल बदलकर आए हैं, स्टालिन परिवार के इस अतिरिक्त प्रभुत्व को पसंद नहीं करते हैं। इसके अलावा द्रमुक हमेशा हिंदी विरोधी और उत्तर-भारतीय विरोधी नीति अपनाती रही है, जिसके चलते उत्तर भारतीय मतदाता द्रमुक को खारिज करते रहे हैं।

ऐसे में एक मजबूत विपक्ष कैसे उभरेगा? नीतीश कुमार की अवधारणा है कि लोकसभा चुनाव में 450 सीटों पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष का साझा उम्मीदवार खड़ा किया जाए, क्या यह ऐसे में संभव होगा? भले ही नीतीश कुमार के आमंत्रण पर विपक्षी नेताओं की पटना में शुक्रवार को बैठक हुई है, लेकिन अब भी विपक्षी नेताओं के बीच एकमत नहीं है और दुविधा की स्थिति बनी हुई है। भ्रम की इस स्थिति से द्रमुक परेशान है। दबाव में द्रमुक 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद रणनीतिक समाधान का विकल्प भी चुन सकता है। जाहिर है, द्रमुक कई संकटों से घिरा हुआ है, वह भी मुश्किल स्थिति में।

द्रमुक के खिलाफ नरेंद्र मोदी के हमले को निश्चित रूप से वरिष्ठ द्रमुक नेताओं ने महसूस किया है। द्रमुक अब अलगाववाद की कहानी से केंद्र को नहीं डरा सकता।

जयललिता और करुणानिधि शासन के बाद नए युवा मतदाता अब समाधान की तलाश में हैं। और उस खाली जगह को भाजपा के युवा नेता अन्नामलाई भर सकते हैं। तमिलनाडु में भाजपा जुलाई में राज्यव्यापी पदयात्रा शुरू करने की तैयारी में है। आधुनिक समय के बच्चे डिजिटल पहुंच चाहते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित नवाचार चाहते हैं, वे तुच्छ द्रविड़ राजनीति में फंसे नहीं रहना चाहते। हां, द्रविड़ विचारकों को लगता है कि डिजिटल दुनिया के साथ तमिलनाडु में बदलाव हो रहा है। द्रमुक इन जमीनी बदलावों से अपनी आंखें बंद नहीं कर सकता।

न्यायिक नियुक्ति से पहले होता है बैकग्राउंड चेक

जजों के शराब पीने पर रोक लगाना चाहते थे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई

कॉलेजियम सिस्टम से पहले न्यायिक नियुक्तियों में सरकार का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप हुआ करता था। कई बार यह हस्तक्षेप इतना बढ़ जाता था कि सरकार जजों की पसंद/नापसंद तक को नियंत्रित करना चाहती थी। इंदिरा गांधी द्वारा लगाए आपातकाल के बाद बनी देश की पहली गैर-कांग्रेसी सरकार का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने तो जजों से एक विवादित अंडरटेकिंग पर हस्ताक्षर कराने का मन बना लिया था। अपने कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने न्यायाधीशों पर दबाव बनाया था कि सभी एक शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें, जिसके मुताबिक जज रहते कोई शराब का सेवन नहीं करेगा। हालांकि जज इसके लिए राजी नहीं हुए थे।

प्रधानमंत्री देसाई ने अपने कार्यकाल में इस तरह के कई फैसले लिए। उन्होंने देश में कोका-कोला पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्हें अपने विशिष्ट राजनीतिक करियर के अलावा, बड़े फैसलों और व्यक्तिगत आदतों के लिए भी जाने जाते थे। उनकी एक अनोखी जीवनशैली थी।वह एक शाकाहारी व्यक्ति थे। उनके आहार में फल, दूध और प्रसिद्ध रूप से उनका अपना मूत्र भी शामिल था। पत्रकार बारबरा वाल्टर्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने स्वमूत्रपान को सभी बीमारियों का इलाज बताया था। उन्होंने अपनी लंबी उम्र का श्रेय हर दिन कम से कम दो बार मूत्र पीने को दिया, जिसे वे 'जीवन का जल' कहते थे।

जजों की नियुक्ति और प्राइवेसी का मुद्दा

जजों की नियुक्ति से पहले

उम्मीदवारों का बैकग्राउंड चेक किया जाता है। पिछले दिनों समलैंगिक वकील सौरभ कृपाल को दिल्ली हाई कोर्ट में जज नियुक्ति करने के विवाद के बीच यह सार्वजनिक भी हुआ कि सरकार उम्मीदवारों की जांच रॉ और आईबी जैसी खुफिया एजेंसी से कराती है। पहले की सरकारें भी यह करती रही हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के वकील और वर्तमान सीजेआई (भारत के मुख्य न्यायाधीश) डीवाई चंद्रचूड़ के बेटे अभिनव चंद्रचूड़ ने अपनी किताब 'Supreme Whispers' में चर्चा की है कि कैसे यह बैकग्राउंड चेक प्राइवेसी के उल्लंघन तक पहुंच जाती है। वह लिखते हैं, कुछ स्तर पर किसी को आश्चर्य होता है कि क्या खुफिया जानकारी एकत्र करने वाली संस्थाओं को यह भी पता लगाने का काम सौंपना चाहिए कि न्यायिक उम्मीदवार का विवाहेतर संबंध है या नहीं, वह अत्यधिक शराब का सेवन करता है या नहीं? अभिनव चंद्रचूड़ आगे लिखते हैं, "यह निश्चित रूप से उस न्यायाधीश की प्राइवेसी में घुसपैठ की तरह प्रतीत होता है। यह संदेहास्पद है कि क्या एक न्यायाधीश अपने निजी जीवन में जो कुछ करता है उससे किसी को कोई मतलब होना चाहिए, यदि यह उसके आधिकारिक काम को प्रभावित नहीं करता है।"

क्यों जरूरी निजी जानकारी जुटाना?

इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुए अभिनव चंद्रचूड़ लिखते हैं, "दूसरी ओर कोई यह कह सकता है कि जिस न्यायाधीश का विवाहेतर संबंध है, उसे इस कारण ब्लैकमेल किया जा सकता है और इसलिए उसे सर्वोच्च न्यायालय से दूर रखना ही बेहतर है।" मुख्य न्यायाधीश हिदायतुल्ला ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को सर्वोच्च न्यायालय में केवल इसलिए नियुक्त नहीं किया क्योंकि उन्हें कैंसर था। 1960 के दशक के अंत की बात है। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस जगनमोहन रेड्डी ने राज्य के मुख्यमंत्री को बताया था कि उच्च न्यायालय में जजों की नियुक्ति के लिए नाम का सुझाव वह खुद देंगे। हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें यह भी स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री उन उम्मीदवारों के नाम अस्वीकार भी कर सकते हैं, जिनका कई महिलाओं के साथ संबंध हो, नशे या भ्रष्टाचार आदि में लिप्त हों।

पुतिन का रसोइया बना दगेबाज दुश्मन?

हॉट डॉग स्टॉल से बनाई आर्मी, आखिर कौन है येवगेनी प्रिगोझिन

रूस की प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के मालिक येवगेनी प्रिगोझिन ने रूसी रक्षा मंत्री के खिलाफ बगावत कर दी है। प्रिगोझिन ने रूसी सेना के मुख्यालय रोस्तोव-ऑन-डॉन पर कब्जे के लिए अपने लड़ाकों को भी भेजने की बात कही है। वहीं येवगेनी प्रिगोझिन की बगावत के बाद रूसी रक्षा मंत्रालय ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी है और प्रगोझिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। एक समय रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का सबसे खास रहा येवगेनी प्रिगोझिन अब खुलकर रूसी नेतृत्व पर सवाल उठा रहा है। जानते हैं कि आखिर प्रिगोझिन कौन है और कैसे एक हॉट डॉग का स्टॉल लगाने से शुरुआत कर एक प्राइवेट आर्मी का मुखिया कैसे बन गया।

येवगेनी प्रिगोझिन का जन्म साल 1961 में लेनिनग्राड में हुआ था। लेनिनग्राड को आज हम सेंट पीट्सबर्ग के नाम से जानते हैं। साल 1981 में येवगेनी को मारपीट, डकैती और धोखाधड़ी का दोषी पाए जाने पर 13 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि सोवियत यूनियन के पतन के बाद येवगेनी को 9 साल की सजा के बाद ही रिहा कर दिया गया था।

हॉट डॉग का स्टॉल लगाया

जेल से बाहर आने के बाद येवगेनी ने एक छोटा सा बिजनेस शुरू किया और हॉट डॉग का स्टॉल लगाया। इसके बाद येवगेनी ने एक रेस्तरां खोला। जल्द ही येवगेनी का रेस्तरां काफी प्रसिद्ध हो गया। येवगेनी के रेस्तरां की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई कि खुद रूसी राष्ट्रपति पुतिन विदेशी मेहमानों को इस रेस्तरां में खाना खिलाने ले जाने लगे। इस तरह येवगेनी रूसी राष्ट्रपति पुतिन के करीब आया।

कैटरिंग के बिजनेस से सेना में बनाई पकड़

पुतिन से करीबी का फायदा उठाकर येवगेनी प्रिगोझिन ने कैटरिंग का बिजनेस शुरू किया और वह रूसी सेना और स्कूली बच्चों को खाना खिलाने के सरकारी ठेके लेने लगा। इसी के चलते येवगेनी की पहचान पुतिन के रसोइए के रूप में हो गई। कैटरिंग के बिजनेस से येवगेनी प्रिगोझिन ने खूब पैसा कमाया।

प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप को किया तैयार

येवगेनी प्रिगोझिन ने ही रूसी सेना के समर्थन से एक प्राइवेट आर्मी बनाई, जिसे वैगनर ग्रुप का नाम दिया गया। इस प्राइवेट आर्मी में रिटायर्ड सैन्य अधिकारी, जवानों को शामिल किया गया। आरोप लगे कि वैगनर ग्रुप में अपराधियों को भी शामिल किया गया। वैगनर ग्रुप को क्रैमलिन का भी समर्थन मिला। आरोप है कि वैगनर ग्रुप सीरिया, लीबिया, माली और सेंट्रल अफ्रीकी देशों में भी क्रूर मिशनों को अंजाम दे चुका है। जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो वैगनर ग्रुप के लड़ाकों को ही अग्रिम मोर्चे पर तैनात किया गया। वैगनर ग्रुप के बढ़ते दबदबे के चलते ही येवगेनी प्रिगोझिन का भी रूस के शीर्ष नेतृत्व में दबदबा भी बढ़ा है और प्रिगोझिन को पुतिन के अगले उत्तराधिकारी के रूप में भी देखा जाने लगा था।

हालांकि यूक्रेन युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। एक समय पुतिन का सबसे खास प्रिगोझिन आज आलोचक बनकर उभरा है। प्रिगोझिन कई बार रूसी रक्षा मंत्रालय के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी कर चुका है। अब बगावत का बिगुल फूंककर प्रिगोझिन ने अपने साथ-साथ पुतिन की भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बगावत के बाद रूसी रक्षा मंत्रालय ने भी प्रिगोझिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। हथियारबंद बगावत के आरोप में प्रिगोझिन को 20 साल की सजा हो सकती है। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) की नेशनल एंटी टेरेरिज्म कमेटी ने वैगनर ग्रुप के मुखिया पर हथियारबंद विद्रोह का आरोप लगाया है। वैगनर ग्रुप के चीफ येवगेनी प्रिगोझिन की धमकी के बाद रूस के सैन्य मुख्यालय की सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस के सोशल मीडिया पर कई ऐसी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए गए हैं, जिनमें दिख रहा है कि रूस के सैन्य मुख्यालय रोस्तोव ऑन डॉन की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बख्तरबंद गाड़ियां और हथियारबंद सैनिक मुख्यालय के आसपास तैनात कर दिए गए हैं।

प्रिगोझिन ने क्यों की बगावत

बीते दिनों भी प्रिगोझिन ने कई वीडियो साझा कर रूसी रक्षा मंत्रालय पर उनके सैनिकों को पर्याप्त हथियार और संसाधन उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया था। प्रिगोझिन ने खुलेआम रूसी रक्षा नेतृत्व की काबिलियत पर सवाल उठाए थे और जमकर आलोचना की थी। अब प्रिगोझिन ने आरोप लगाया है कि रूसी रक्षा मंत्री के आदेश पर उनके सैनिकों के काफिले पर युद्धक विमानों से हमले किए गए। साथ ही वैगनर ग्रुप के कैंपों को भी रॉकेट से निशाना बनाया गया।

प्रिगोझिन का आरोप है कि इन हमलों में उसके कई सैनिक मारे गए हैं। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई सोइगु, रूसी सैन्य जनरलों के साथ मिलकर वैगनर ग्रुप को तबाह करना चाहते हैं। प्रिगोझिन ने कहा कि 'हम आगे बढ़ रहे हैं और अंत तक जाएंगे और जो भी हमारे रास्ते में आएगा, उसे तबाह कर देंगे।'

आखिर कब बुझेगी मणिपुर की आग

चुनावों के पहले जिस पूर्वोत्तर को सिर-आंखों पर बिठाया जाता है, वोट मिलते ही वहां के नक्शे से ही आंखें मूंद ली जाती है। सत्ता और आम जनता के लिए आज भी पूर्वोत्तर एक पर्यटन स्थल भर ही है। इतने भयंकर हालात के बाद मदद का जमीनी स्तर पर दिखना तो दूर मदद करने की कोशिश तक नजर नहीं आई है। मणिपुर का आहत समुदाय अब शिविरों में शरणार्थी बनने को मजबूर हैं।

मुंबई के आजाद मैदान में वे लोग जुटे थे, जिनका अस्तित्व मणिपुर में हिंसा की आग से झुलस रहा था। उनके हाथों में इसी तरह के पोस्टर थे। मणिपुर की सिनेमा कलाकार लिन लेश्राम भी मणिपुर में शांति बहाली की अपील करने वाले पोस्टर लेकर खड़ी थीं। एक अंग्रेजी अखबार के 'पेज थ्री' पर वैसी खबर थी जो आम तौर पर अखबारों के पहले पन्ने पर थी या होती है। 'मैरी काम' और 'रंगून' जैसी फिल्मों से जुड़ी अदाकार लिन लेश्राम का कहना था कि मणिपुर में जातीय संघर्ष के साथ बहुत सारी गलतफहमियां भी फैली हुई हैं। लिन के अनुसार, यह कोई मजहबी नहीं बल्कि सामुदायिक लड़ाई है। लिन और वहां मौजूद लोगों की चाहत थी कि सरकार इस पर कुछ बोले। जब हम चारों तरफ से बर्बाद हो रहे हैं तो हमारी थोड़ी फिक्र कीजिए, हमें थोड़ी मोहब्बत दीजिए। आजाद मैदान में खड़े लोगों का संदेश था कि हम बड़ी विविधताओं से भरे विविध संस्कृति वाले देश हैं। इस विविधता को हम अपनी कमजोरी नहीं बनने दें, यह हमारी सबसे बड़ी मजबूती है। आजाद मैदान से जिस विविधता को मजबूत करने की बात कही जा रही है, क्या वह मणिपुर के मसले पर कहीं दिख रही है? लिन का आरोप है कि रिचा चड्ढा जैसे एक-दो कलाकारों को छोड़ कर पूरे बालीवुड ने भी इस पर खामोशी ओढ़ ली है। मणिपुर से जुड़े कई कलाकारों व उद्यमियों ने भी दो महीने से जल रहे मणिपुर पर राजनीतिक और सामाजिक चुप्पी पर सवाल उठाए हैं।

भारत अगर विविधताओं से भरा देश कहा जाता है तो उसमें बड़ी भूमिका पूर्वोत्तर के राज्यों की है। दुखद है कि देश की राजनीति से लेकर आम जनता तक इन राज्यों को पर्यटन का हिस्सा भर ही मानती है। इनका सुख सिर्फ इसमें दिख सकता है कि श्रीनगर और आसपास के इलाकों में पर्यटकों की कितनी भीड़ है तो इनका दुख सिर्फ इसमें दिख सकता है कि इस बार छुट्टियों में घूमने के लिए आपके पास एक राज्य कम हो गया

है। लोग, जिसमें राजनेता का वर्ग भी शामिल है वहां जाकर किराए पर लिए जनजातीय समुदाय के वस्त्र पहन कर हाथ में फूलों का टोकरा लेकर अपने सोशल मीडिया खाते को अद्यतन नहीं कर पाएंगे। वहां की पहाड़ी, वादियों के साथ हैशटैग 'प्रकृति बुला रही है' नहीं लगा पाएंगे।

भारत से लेकर यह दुनिया भर की त्रासदी है कि जिन जगहों पर प्रकृति मेहरबान हुई है, संसाधनों से भरपूर किया है, उनमें से ज्यादातर को राजनीति की वजह से तबाह होना पड़ता है।

प्रकृति और राजनीति का यह रिश्ता मणिपुर में और विखंडित दिख रहा है, क्योंकि म्यांमार से सटे होने के कारण मणिपुर प्राकृतिक, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होते हुए देश की राजनीति के जिम्मेदारों से सबसे ज्यादा मेहनत मांग रहा है। और, कोई भी उसके लिए कुछ करने को तैयार नहीं दिख रहा है।

देश की केंद्रीय सत्ता और किसी भी तरह के हैशटैग की धारणा तय करनेवाला वर्ग मणिपुर के साथ किराये के जनजातीय परिधान की तरह ही व्यवहार कर रहा है। शायद यह पहली बार है जब पूर्वोत्तर के राज्यों में चुनाव की चर्चा उत्तर प्रदेश की चाय की दुकानों में हो रही थी। दिल्ली दरबार के केंद्रीय नेताओं का वहां जमावड़ा लगा हुआ था। लग रहा था, अब पूर्वोत्तर देश की मुख्यधारा की राजनीति में आ जाएगा।

दिल्ली के जंतर मंतर पर इनकी मांगों को सुनने के लिए तुरंत केंद्रीय प्रतिनिधि आ जाएंगे। लेकिन, मणिपुर की आग की लपटें जब दिल्ली से भी दिख रही हैं तब चारों ओर ऐसी चुप्पी बता रही है कि भारतीय लोकतंत्र अब चुनाव जीतने की मशीन भर बनता जा रहा है। जिसने भी सत्ता पा ली उसके पास सिर्फ यह देखने के लिए आंख है कि कहां और कैसे वोट जुटाया जा सकता है। चुनाव जीतने के बाद किसी के दर्द की आवाज इनके कान तक नहीं पहुंचती। आंख, कान मिला कर सारी ज्ञानेंद्रियों का काम बस वोट जुटाने का ज्ञान हासिल करना जातीय लड़ाई मैतेई और कुकी के बीच की है मणिपुर में मुख्य जातीय लड़ाई मैतेई और कुकी के बीच की है। खास प्रावधानों के कारण लगने लगा कि वहां के प्राकृतिक संसाधनों से लेकर सरकारी नौकरियों तक पर कुकी का कब्जा है। इन सब कारणों से मैतेई समुदाय ने खुद को अनुसूचित जनजाति के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग की ताकि वे पहाड़ी इलाकों पर जमीन-जायदाद खरीद सकें। इसी मांग के साथ उनका कुकी के साथ टकराव हुआ जो आज सत्ता की जिम्मेदारी के कारण इतना विकराल रूप धारण कर चुका है। जब, केंद्रीय राज्यमंत्री राजकुमार अंजन सिंह के घर को ही आग के हवाले कर दिया गया तो जनजातीय समुदाय के आम नागरिकों को हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता है।कुकी समुदाय मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को इसका जिम्मेदार मान रहा है, और बदतरी का आलम यह है कि बीरेन सिंह जिस मैतेई समुदाय से आते हैं उनके बीच भी अपनी साख गंवा चुके हैं।

अलग है मैतेई समुदाय

इसका कारण यह है कि दोहरे इंजन की सरकार बनाने के लिए भाजपा ने दोनों समुदायों के सहयोगी होने का भरोसा दिलाया। ऐसा माहौल बनाया जाने लगा मानो दोहरे इंजन की सरकार ही सारी समस्याओं का हल है। मैतेई समुदाय आम जनजातीय समुदायों से अलग भी है। इसमें हिंदू, कथित बड़ी जाति, कथित छोटी जाति, मुसलमान, ईसाई सभी तरह की आबादी है। भाजपा के राष्ट्रवाद के झंडे के तले आने के लिए यह तैयार भी हो गया। लेकिन, ये अपने भूगोल को किसी भी तरह से नकार नहीं सकते थे। इन्हें उसी भूगोल में राजनीतिक और आर्थिक हित देखने थे। मैतेई समुदाय राज्य और केंद्र सरकार से जिस हित के जल्दी पूरी होने की उम्मीद लगाए बैठा था, कुकी उसी के विद्रोह में खड़े हो गए। बीरेन सिंह ने वोट जिस आधार पर भी हासिल किया, लेकिन उनकी पूरी जिम्मेदारी थी कि वे दोनों समुदायों में विश्वास बहाली की ओर कदम बढ़ाते। उनका हर गैरजिम्मेदार कदम दोनों समुदायों के बीच खाई और चौड़ी करता गया। जब कोई राज्य या समुदाय मुसीबत में होता है तो वह अपने राजनीतिक जिम्मेदारों की तरफ उम्मीद से देखता है। लेकिन, लग रहा कि आज के समय में मणिपुर किसी की जिम्मेदारी नहीं है। दो समुदाय लड़ रहे हैं और राज्य पूरी तरह से गायब है। कुकी और मैतेई ऐसी आदिम अवस्था में लड़ रहे हैं जहां सिर्फ भूगोल होता था, न कोई राज्य न कोई कानून। आधुनिक राजनीति शास्त्र की भाषा में ऐसी लड़ाई को गृहयुद्ध कहा जाता है, जहां राज्य शून्य हो जाता है।

मणिपुर में गृहयुद्ध जैसे हालात हैं। वहां के मुख्यमंत्री पर किसी को भी भरोसा नहीं रहा। राजनीतिक विद्वान अस्सी के दशक की नजीर दे रहे हैं जब इंदिरा गांधी ने पंजाब में अपनी ही दरबारा सिंह की सरकार को बर्खास्त कर दिया था। लेकिन, आज के दौर में मणिपुर इस मामले में बेनजीर हो चुका है।

जब सरकार के रूप में शून्य दिखाई दे तो फिर किसे बर्खास्त किया जाए? जिम्मेदारी की भी एक शक्लो-सूरत होती है, मणिपुर में उस सूरत का कोई मिल भी नहीं रहा जिसे जिम्मेदार माना जाए।

दिल्ली और उससे सटे मैदानी राज्यों की फितरत है कि उनकी हर समस्या को राष्ट्रीय समस्या मान लिया जाए। यहां ज्यादा गर्मी, ज्यादा बारिश पर पूरा देश दुखी हो, लेकिन पूर्वोत्तर की किसी समस्या को सिर्फ पर्यटक की तरह ही देखा जाए। कितने दिनों तक वहां घूमने नहीं जाया जा सकता है। मणिपुर में एक बार फिर साबित हुआ कि दिल्ली केंद्रित राजनीति के लिए पूर्वोत्तर सिर्फ चुनावी पर्यटन भर है।

आप किसी की मदद करने में सफल हो पाएं या नहीं, यह दूसरी बात है लेकिन मदद करते हुए दिखने चाहिए। मणिपुर का पूरा समुदाय दिल्ली से आहत है कि कोई मदद करते हुए दिखा भी नहीं। इस आहत कौम की आह कब और कैसे सुनी जाएगी यह देखने की बात है।

अर्जुन हुए थे पुन: जीवित, जानिए इसके पीछे की पौराणिक कथा

अर्जुन का नाम हमेशा महाभारत से जोड़ा जाता है। इसके बावजूद युद्ध में कोई भी ऐसा धनुर्धर नहीं था जो अर्जुन के कौशल का मुकाबला कर सके। महाभारत में अर्जुन के जन्म और मृत्यु सहित उसके बारे में व्यापक जानकारी है। जबकि आमतौर पर यह माना जाता है कि अर्जुन की मृत्यु स्वर्ग की यात्रा के दौरान हुई थी, एक और कहानी है जो उनकी मृत्यु के दो बार होने के बारे में बताती है।

पौराणिक कथा के अनुसार महाभारत युद्ध के बाद श्रीकृष्ण और महर्षि वेदव्यास ने पांडवों को अश्वमेध यज्ञ करने का निर्देश दिया था। उन्होंने भारत भर में भ्रमण करने के लिए अश्व (घोडे) को छोड़ दिया और अर्जुन को इसकी रक्षा करने की जिम्मेदारी दी गई।

अश्वमेध यज्ञ का अश्व

(घोडा) भ्रमण करते हुए मणिपुर पहुंच गया। मणिपुर में अर्जुन की पत्नी चित्रांगदा और उनके पुत्र बभ्रुवाहन निवास करते थे। बभ्रुवाहन मणिपुर के राजा भी थे अपने पिता के आगमन के बारे में सुनकर प्रसन्न हुए और उनका स्वागत किया।

अपने पिता के साथ कुछ समय बिताने के लिए, बभ्रुवाहन ने अर्जुन के अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को रोक लिया और सम्मान के साथ उसकी देखभाल की। हालाँकि, अर्जुन को परंपरा से जुड़े होने के कारण वह अपने बेटे को उस यज्ञ में हस्तक्षेप करने के लिए युध्द की चुनौती देते है। बभ्रुवाहनअर्जुन की चुनौती से इंकार नहीं कर सके और दोनों के बीच भीषण युद्ध हुआ। बभ्रुवाहन, जिसके पास दैवीय शक्तियाँ थीं, युद्ध में बभ्रुवाहन के हाथो अर्जुन की मत्र्यु होगी। इस घटना के बाद चित्रांगदा और उनके बेटे ने श्री कृष्ण से प्रार्थना की वह अर्जुन को पुनर्जीवित कर दे, भगवान कृष्ण प्रकट हुए और दया करते हुए अर्जुन को पुनः जीवित कर दिया। इस प्रकार, अर्जुन अपने ही पुत्र द्वारा मारे जाने के बावजूद जीवित हो गया।

कैसे अर्जुन ने बाण चलाकर कुरुक्षेत्र में प्रकट की थी गंगा भीष्म पितामह की बुझाई थी प्यास

कुरुक्षेत्र एक ऐतिहासिक स्थान हैं। जिसका श्रीमद्भागवत गीता के पहले श्लोक में भी किया गया है। यह वह भूमि है जहां महाभारत की लड़ाई लड़ी गई थी और जिससे जुड़े कई तीर्थ स्थल आज यहां मौजूद हैं। इन तीर्थ स्थलों में से ही एक है नरकातारी तीर्थ. महाभारत के युद्ध में इस स्थल का काफी महत्व है. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इसका संबंध है महाभारत के सबसे बलशाली और विद्वान पात्र भीष्म पितामह से है. इस तीर्थ क्षेत्र परिसर में कई मंदिर बने हुए हैं. आप यहां बाण गंगा देख सकते हैं जो एक कुएं के समान है। यहां भीष्म पितामह की माता गंगाजी की मूर्ति, बाण शय्या पर लेटे भीष्म पितामह की विशाल मूर्ति, पांचों पांडव और द्रौपदी की मूर्तियां स्थापित है। परिसर में 26 फीट ऊंची हनुमान जी की भी विशाल मूर्ति है। यह मूर्ति काफी दूर से ही दिखाई देती है।

कहां है भीष्म कुंड

माना जाता है कि भीष्म पितामह ने बाणों की शय्या लेटे हुए इसी स्थान से युद्ध को देख था। इस स्थान पर अब एक जलकुंड भी है जिसे बाण गंगा या भीष्म कुंड कहा जाता है. इस जलकुंड से एक पौराणिक कथा जुड़ी हुई है. इसमें कहा गया है कि, जब भीष्म बाणों की शय्या पर लेटे थे, तो उन्हें प्यास लगी और उन्होंने पानी मांगा।

अर्जुन के तीर से निकली थी जलधारा

भीष्म पितामह की इच्छा पूरी करने के लिए अर्जुन ने तुरंत जमीन में एक तीर मार वहां से पानी की जलधारा निकाल दी. अर्जुन के बाणों से प्रकट हुई जलधारा से भीष्म पितामह ने अपनी प्यास बुझाई.इस घटना के यहां घटित होने के कारण इस तीर्थ का संबंध महाभारत काल से जोड़ा जाता है. तीर्थ पर हर रोज बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. तीर्थ का रख-रखाव कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के जिम्मे है।

भानु सप्तमी के दिन राशि के अनुसार करें दान

मेष राशि: इस राशि के जातकों को मूंगा के दाल का दान करना चाहिए।

वृषभ राशि: इस राशि के जातकों को गुड़ का दान करना चाहिए।

मिथुन राशि: इस राशि के जातकों को मूंग के दाल का खिचड़ी बनाकर भूखे को खिलाना चाहिए ।

कर्क राशि: इस राशि के जातकों को चावल और काला तिल दान करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि के जातकों को काले तिल गुड़ और चिक्की का दान करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के जातकों को मूंग के दाल का दान करना चाहिए।

तुला राशि: इस राशि के जातकों को चीनी तथा चावल का दान करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: इस राशि के जातकों को गुण तथा काले तिल का दान करना चाहिए।

धनु राशि: इस राशि के जातकों को हरी सब्जी का दान करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के जातकों को अन्न का दान करना चाहिए ।

कुंभ राशि: अगर आपको भगवान शिव की कृपा पानी है तो भानु सप्तमी के दिन चावल चीनी और गुड़ को दान करें।

मीन राशि: मीन राशि के जातकों को पीली सरसों तथा केसर का दान करना चाहिए।

गायत्री मंत्र के बारे में रोचक तथ्य

हमारी संस्कृति में मंत्रों का जाप अत्यधिक महत्वपूर्ण है और गायत्री मंत्र सबसे लोकप्रिय मंत्र में से एक है। यह मंत्र मन को शांति प्रदान करता है और इसका जाप करने वाले व्यक्ति में ऊर्जा का संचार करता है। इसे सुनने से भी शरीर मजबूत होता है। गायत्री मंत्र सबसे पहले संस्कृत-लिखित ऋग्वेद में दर्ज किया गया था और माँ गायत्री से जुड़ा हुआ है, जो चेतना की तीनों अवस्थाओं में आनंद, चंचलता और सहजता का प्रतिनिधित्व करती हैं। मंत्र 2500 से 3500 साल पहले ऋषि विश्वामित्र द्वारा लिखा गया था, गायत्री मंत्र में कुल चौबीस अक्षर होते हैं जो आठ अक्षरों के भीतर व्यवस्थित होते हैं।

गायत्री मंत्र की उत्पत्ति

वैदिक काल में लिखे जाने के बाद से हजारों वर्षों से संस्कृत मंत्र, यत्री मंत्र का जाप किया जाता रहा है। यह सबसे पुराने और सबसे शक्तिशाली मंत्रों में से एक है, जिसके बारे में माना जाता है कि इसमें ब्रह्मांड का ज्ञान निहित है। यह मंत्र आंतरिक विकास और आत्म-साक्षात्कार को बढ़ावा देने वाली दिव्य प्रकाश की परिवर्तनकारी शक्तियों के लिए आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है। गायत्री मंत्र का जाप हृदय चक्र को शुद्ध करता है और प्रेम, ज्ञान और आनंद के उच्च स्पंदन प्राप्त करने के लिए, मन का विस्तार करता है।

गायत्री मंत्र और उसकी परिभाषा गायत्री माता को प्रसन्न करने के लिए मंत्र ॐ भूर्भवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्य भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात का जप बड़ी श्रद्धा से किया जाता है। इसका महत्व यह है कि यह दिव्य माँ से अनुरोध करता है कि वह हमें अपने शुद्ध दिव्य प्रकाश से आशीर्वाद दें, जो हमारे जीवन के हर पहलू को रोशन करे। कृपया हमारे दिलों में मौजूद किसी भी अंधकार को दूर करें और हमें सच्चा ज्ञान प्रदान करें। इस मंत्र का प्रत्येक शब्द एक अलग अर्थ रखता है। ओम आदिम ध्वनि का प्रतिनिधित्व करता है, भूर मानव शरीर, भौतिक क्षेत्र और अस्तित्व को दर्शाता है, भुवः महत्वपूर्ण ऊर्जा, स्वर्ग और चेतना का प्रतिनिधित्व करता है, सुव आत्मा, आंतरिक स्थान, आध्यात्मिक क्षेत्र और आनंद का प्रतीक है , ततः का अर्थ वह है, सवितुर सूर्य और सौर ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है, वरेण्यम का अर्थ है चुनना, सर्वोत्तम या पूजा करना, भर्गो चमक, आत्म और दिव्य प्रकाश का प्रतीक है, देवस्य दिव्य का प्रतिनिधित्व करता है और दीप्तिमान, धीमहि धियो बुद्धि का प्रतीक है, और यो जिसका अर्थ है, नह का अर्थ है हमारा, और प्रचोदयात का अर्थ है प्रकाशित करना या प्रेरित करना।

भानु सप्तमी पर किसकी होती है पूजा?

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार इस वर्ष 25 जून 2023, रविवार को आषाढ़ महीने की भानु सप्तमी पड़ रही है। यह सप्तमी तिथि रविवार के दिन आने के कारण इसका महत्व और अधिक बढ़ गया है, क्योंकि रविवार का दिन भगवान सूर्य देव की उपासना करने का दिन माना गया है। सप्तमी तिथि पर विधि-विधानपूर्वक भगवान सूर्य देव की पूजा-उपासना करने का धार्मिक महत्व भी बहुत अधिक होने के कारण यह तिथि अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

आइए जानते हैं इस व्रत के बारे में :

इस पृथ्वी पर सूर्य जीवन का सबसे बड़ा कारण है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अन्य देवता तो पृथ्वी और स्वर्ग में अदृश्य रूप से विचरण करते हैं, परंतु सूर्य को साक्षात देखा जा सकता है। इसीलिए, सूर्य प्रत्यक्ष देव माने जाते हैं और प्राचीन काल से ही धर्मों में सूर्यदेव को वंदनीय माना जाता रहा है। सूर्य की शक्ति और प्रताप के गुणों से धर्मग्रंथ भरे पड़े हैं। इसीलिए, आषाढ़ मास की भानु सप्तमी के दिन यह व्रत करने और भगवान सूर्य की उपासना करने से सूर्य बलवान होकर विशेष फल प्रदान करते हैं।

इस दिन सूर्यदेव की उपासना की जाती है तथा जो व्यक्ति सूर्यदेव की उपासना करता है, वह सदा निरोगी रहता है। सप्तमी के दिन पवित्र नदी अथवा सरोवर में स्नान करके सूर्य को अर्घ्य और दीपदान करना उत्तम फलदायी माना गया है। माना जाता है कि इस दिन प्रातः जलाशय में स्नान करने से शरीर निरोग रहता है।

भानु सप्तमी के दिन उनके मंत्र-'ॐ घृणि सूर्याय आदित्याय नमः' का जाप तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने का भी बहुत महत्व माना गया है। पुराणों में भानु सप्तमी को अचला सप्तमी, अर्क, रथ और पुत्र सप्तमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन सूर्य पूजन से ग्रह संबंधित परेशानियां दूर होती है तथा जीवन में ग्रहों का कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। इस दिन व्रतधारियों को भोजन में नमक नहीं लेना चाहिए।

भानु सप्तमी के दिन सूर्य की उपासना करना बड़ा ही पुण्यदायी होता है। इस दिन नदी स्नान और अर्घ्य दान करने से आयु, आरोग्य व संपत्ति की प्राप्ति होती है। इस दिन संकल्प लेकर व्रत करने तथा विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन करके भगवान सूर्यदेव की आरती करने से जीवन के समस्त दुखों का निवारण होता है।

मनी प्लांट नहीं दे रहा कोई विशेष लाभ तो रखें इन बातों का ध्यान

वास्तुशास्त्र हर सभी के जीवन में अहम भूमिका अदा करता है इसमें हर एक चीज को लेकर नियम और उसके रख रखाव के बारे में जानकारी दी गई है जिसके अनुसार चलने से लाभ मिलता है लेकिन अनदेखी समस्याओं को पैदा करती है।

वास्तुशास्त्र में कई ऐसे पौधे है जिन्हें घर में लगाना शुभ माना जाता है इन्हीं में से एक पौधा है मनी प्लांट का जिसे अगर घर की सही दिशा और स्थान पर लगाया जाए तो लाभ मिलता है लेकिन अगर आपके घर में लगा मनी प्लांट कोई विशेष लाभ नहीं प्रदान कर रहा है तो ऐसे में आपको वास्तु नियमों का पालन जरूर करना चाहिए तो आज हम अपने इस लेख में लेकर आए हैं मनी प्लांट से जुड़े खास वास्तु नियम, तो आइए जानते हैं।

मनी प्लांट से जुड़े वास्तु नियम-

वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को कभी भी उत्तर पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए ऐसा करने से घर के सदस्यों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता हैं। इसकी शुभता पाने के लिए आप मनी प्लांट को घर की दक्षिण पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। मान्यता है कि यहां पर लगाने से हमेशा घर परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती हैं। इसके अलावा मनी प्लांट को लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि इसकी बेल जमीन को ना छुए। मनी प्लांट की बेल हमेशा उपर की ओर जानी चाहिए ऐसा करने से धन वृद्धि के योग बनते हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को कभी भी सूखने नहीं देना चाहिए अगर इसके पत्ते सूख गए है या फिर पीले पड़ गए है तो उन्हें तुरंत ही हटा देना बेहतर होता है क्योंकि सूखा मनी प्लांट घर में दुर्भाग्य पैदा करता है।

गुप्त नवरात्रि: देवी पूजा, मंत्र जप के साथ मेडिटेशन भी करें, खान-पान का ध्यान रखें

अभी आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि चल रही है। देवी पूजा का ये पर्व 27 जून तक रहेगा। गुप्त नवरात्रि में तंत्र-मंत्र से जुड़े लोग दस महाविद्याओं को प्रसन्न करने के लिए साधनाएं करते हैं, जबकि सामान्य लोगों को देवी दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा और देवी मंत्रों का जप करना चाहिए। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, नवरात्रि में पूजा-पाठ और मंत्र जप के साथ ही मेडिटेशन जरूर करना चाहिए। अभी ऋतु परिवर्तन का समय है तो इन दिनों में खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। जानिए गुप्त नवरात्रि में कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

ऐसे कर सकते हैं देवी पूजा

घर के मंदिर में सबसे पहले गणेश पूजा करनी चाहिए। गणेश जी को स्नान कराएं। वस्त्र अर्पित करें। फल-फूल, चावल, दूर्वा चढ़ाएं। गणेश पूजा के बाद देवी पूजन करें। माता दुर्गा का जल, पंचामृत और फिर जल से अभिषेक करें। देवी को वस्त्र अर्पित करें। वस्त्रों के बाद आभूषण, हार चढ़ाएं। इत्र अर्पित करें। कुमकुम से तिलक लगाएं। हार-फूल से देवी का श्रृंगार करें। धूप और दीप जलाएं। लाल फूल अर्पित करें। चावल चढ़ाएं। नारियल अर्पित करें। भोग लगाएं। आरती करें।

आरती के बाद परिक्रमा करें। माता दुर्गा की पूजा में दुं दुर्गायै नमः' मंत्र का जप करते रहना चाहिए। पूजा में हुई जानी-अनजानी गलतियों के लिए क्षमा मांगे।

पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

ये है मेडिटेशन की सरल स्टेप्स

देवी पूजा के बाद मेडिटेशन जरूर करना चाहिए। इसके लिए किसी शांत और पवित्र जगह पर आसन बिछाकर बैठ जाएं। कमर सीधी रखें। आप पद्मासन या सुखासन में बैठ सकते हैं। आंखें बंद करें और हाथों को ध्यान की मुद्रा में रखें। अपना पूरा ध्यान दोनों आंखों के बीच आज्ञा चक्र पर लगाएं। ध्यान करते समय हमें विचारों से बचना चाहिए। कोशिश करें कि इस समय में कोई विचार मन में न आए। आप चाहें तो ध्यान करते समय देवी मंत्र का जप कर सकते हैं। अपनी सुविधा के अनुसार मेडिटेशन का समय तय कर सकते हैं।

ऋतु परिवर्तन के समय आती है नवरात्रि

हिन्दी पंचांग में एक साल में चार बार नवरात्रि आती है। पहली चैत्र मास में, दूसरी आषाढ़ में, तीसरी आश्विन में और चौथी माघ मास में। माघ और आषाढ़ माह की नवरात्रि गुप्त रहती है। चैत्र और आश्विन मास की नवरात्रि को प्रकट नवरात्रि कहते हैं। नवरात्रि का संबंध ऋतुओं से है। जब दो ऋतुओं का संधिकाल रहता है, उस समय देवी पूजा का ये पर्व मनाया जाता है। संधिकाल यानी एक ऋतु के खत्म होने का और दूसरी ऋतु के शुरू होने का समय। चैत्र मास की नवरात्रि के समय बसंत ऋतु खत्म होती है और ग्रीष्म ऋतु शुरू होती है। आषाढ़ मास की नवरात्रि के समय ग्रीष्म ऋतु खत्म होती है और वर्षा ऋतु शुरू होती है। आश्विन नवरात्रि के समय वर्षा ऋतु खत्म होती है और शीत ऋतु शुरू होती है। माघ मास की नवरात्रि के समय शीत ऋतु खत्म होती है और बसंत ऋतु शुरू होती है।

संध्याकाल में इस दिशा में जलाएं घी का दीपक, माता लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

सनातन धर्म में पूजा पाठ व धार्मिक अनुष्ठान में दीपक जलाना उत्तम माना जाता हैं मान्यता है कि बिना दीपक के कोई भी पूजा व अनुष्ठान संपन्न नहीं होता है इसके अलावा वास्तुशास्त्र में भी रोजाना दीपक जलाने को शुभ और सकारात्मकता से भरा माना जाता है ऐसा करने से घर परिवार में सुख शांति बनी रहती हैं इसके अलावा संध्याकाल में भी दीपक जलाना उत्तम माना जाता हैं मान्यता है कि अगर शाम के वक्त घर के प्रवेश द्वार पर दीपक जलाया जाए तो लक्ष्मी जी का आगमन होता हैं साथ ही साथ दुख परेशानियां भी दूर हो जाती है।

लेकिन शास्त्रों में दीपक जलाने से जुड़े कई नियम बताए गए हैं जिनका पालन करना जरूरी माना जाता हैं वरना इसका फल नहीं मिलता हैं तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा बता रहे हैं कि संध्याकाल में घर के प्रवेश द्वार पर दीपक जलाते वक्त किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होता हैं तो आइए जानते हैं।

दीपक जलाते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु अनुसार शाम के वक्त दीपक जलाना बेहद शुभ माना जाता हैं इस वक्त घर के मुख्य द्वार पर अगर दीपक जलाते हैं तो माता लक्ष्मी का अगमन घर में होता हैं साथ ही नकारात्मकता का भी नाश हो जाता हैं इसके अलावा द्वार पर दीपक जलाने से बरकत में आने वाली सभी बाधाएं दूर रहती हैं साथ ही माता लक्ष्मी के प्रवेश से घर में हमेशा ही सुख समृद्धि बनी रहती हैं।

प्रवेश द्वार पर दीपक जलाने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होकर कृपा करती हैं। वास्तु की मानें तो दीपक जलाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आप दीपक को कुछ इस तरह से जलाए कि घर से बाहर निकलते वक्त दीपक दाहिनी ओर रहे।

वही दीपक की बाती उत्तर या पूर्व दिशा में होनी चाहिए भूलकर भी पश्चिम दिशा की ओर कभी दीपक नहीं जलाना चाहिए। घर के प्रवेश द्वार के अलावा तुलसी जी के समक्ष भी एक दीपक जरूर जलाएं ऐसा करने से श्री हरि विष्णु, माता लक्ष्मी और देवी तुलसी की कृपा परिवार पर होती हैं।

नोरा फतेही का हॉटनेस देख लोग बोले- सांसें उड़ख रही हमारी

बॉलीवुड की सबसे सेक्सी हसीनाओं में शुमार नोरा फतेही ने ग्लैमर की दुनिया में फैशन और बोल्डनेस का नया ही बेंचमार्क सेट कर दिया है। नोरा आए दिन अपनी एक से बढ़कर एक सेक्सी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं जो कि मिनटों में वायरल हो जाती हैं। अब एक बार फिर से नोरा फतेही ने अपना बेहद सेक्सी लुक फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। नोरा फतेही के इस लुक की बात करें तो हसीना इस दौरान हद से ज्यादा ग्लैमरस अंदाज में अपनी टोन्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं।

सामने आई तस्वीरों और वीडियो में आप देख सकते हैं कि नोरा ने इस दौरान ब्लैक कलर की बॉडी फिट ड्रेस पहनी हुई है जो कि साइड से खुली है। नोरा की ड्रेस में क्लीवेज पर बड़ा कट लगा हुआ है। इसके साथ ही जरा सी डोरी के भरोसे नोरा ने अपनी इतनी हैवी फिगर को रोका हुआ है। तमाम नेटिजंस नोरा के इस लुक को देख पानी पानी हुए जा रहे हैं। बता दें कि नोरा इन दिनों अपनी आने वाले म्यूजिक वीडियो का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। नोरा की इन तस्वीरों पर फैंस एक से बढ़कर एक कमेंट कर रहे हैं और उनकी बोल्डनेस के कसीदे पढ़ रहे हैं। आपको बता देना, नोरा इंस्टाग्राम पर बहुत एक्टिव रहती है और उन्हें इंस्टा पर 44 मिलियन से अधिक लोग फॉलो करते हैं। काम के मोर्चे की बात करें तो नोरा फतेही 100 प्रतिशत में रितेश देशमुख, शहनाज़ गिल और जॉन अब्राहम के साथ नज़र आएंगी।

'फिल्म मेकर्स को टीवी एक्टर्स को कम नहीं आंकना चाहिए': शिवांगी जोशी

शिवांगी जोशी टीवी की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से एक हैं. वे किसी ना किसी वजह से लाइमलाइट में बनी रहती हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू में शिवांगी ने अपनी लाइफ से जुड़ी कई चीजों पर बात की. एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि उन्हें अपनी पर्सनल लाइफ या लिंक-अप रुमर्स पर बात करना पसंद नहीं है.एक रिपोर्ट के मुताबिक शिवांगी जोशी ने कहा, ''पिछले 10 सालों में मैंने कभी भी अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात नहीं की है और मैं सिर्फ अपने काम के बारे में ही बात करना पसंद करती हूं. मैं उन चीजों के बारे में बात करने में विश्वास नहीं रखता जो आपके प्रोफेशन से जुड़ी ना हों.एक्ट्रेस ने ये भी कहा, 'बालिका वधू 2' करने के बाद उन्हें कुछ वेब शो ऑफर हुए थे लेकिन उन्होंने एक टीवी शो करना चुना. शिवांगी आगे कहती हैं, ₹हर एक्टर कई तरह से रोल के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहता है. लेकिन, दुख की बात है कि टीवी एक्टर्स को अक्सर फिल्म मेकर्स द्वारा आंका जाता है. उनके पास टीवी एक्टर्स के बारे में एक अलग ही धारणा है. लेकिन मुझे लगता है कि अगर उन्हें मौका दिया जाए, तो वे किसी भी प्लेटफॉर्म पर बहुत अच्छा कर सकते हैं.₹ शिवांगी के मुताबिक टीवी आर्टिस्ट ज्यादा विजिबल और एक्सपीरियंस हैं. अगर उन्हें खुद को साबित करने का मौका दिया जाए, तो वे किसी अन्य माध्यम में भी अच्छा परफॉर्म करेंगे. सनाया ईरानी, बरुन सोबती वेब शो में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि सभी के लिए अवसर बेहतर होंगे. 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में पांच साल तक नायरा का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि फैशन की समझ के मामले में वह काफी आगे बढ़ चुकी हैं. वह कहती हैं, ''जब मैंने नायरा का किरदार निभाया था, तब मैं छोटी थी और स्टाइल और फैशन के बारे में ज्यादा नहीं जानती थी. उन पांच वर्षों के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा और अब मैं ग्लैमर के बारे में बहुत कुछ समझती हूं और मुझे फैशन के साथ एक्सपेरिमेंट करने में मजा आता है.''बता दें कि शिवांगी जोशी अपकमिंग शो 'बरसातें' में कुशाल टंडन के साथ नजर आएंगी. इस सीरियल में वह एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं.

दिनभर टैक्सी चलाते, शाम को थिएटर करते थे राजेश

माचिस के बाद 4 साल नहीं मिला काम, अक्षय ने खाना ऑफर किया तो रो पड़े

फिल्म एमएस धोनी में धोनी के कोच केशव रंजन बनर्जी, पाताल लोक के ग्वाला गुर्जर, तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में कंगना के भाई ये सारे कैरेक्टर्स निभाने वाले एक्टर हैं राजेश शर्मा। लगभग 103 फिल्मों का हिस्सा रहे राजेश ने सलमान खान, अक्षय कुमार, अनिल कपूर और विद्या बालन जैसे सुपरस्टार के साथ काम किया है। आने वाले दिनों में वो अनिल कपूर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म में तब्बू के साथ काम कर रहे हैं। लंबे संघर्ष के बाद उन्हें बमुश्किल एक फिल्म मिली, फिर 4 साल और स्ट्रगल किया। थिएटर से शुरू हुआ एक्टिंग का सफर उन्हें फिल्मों तक ले गया।

राजेश शर्मा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने दो शादियां की थीं। उन्होंने पहली शादी सुदीप्त चक्रवर्ती से 2005 में की थी, लेकिन दोनों का साथ लंबे समय तक नहीं चला। 2009 में दोनों अलग हो गए। फिर 2011 में राजेश शर्मा ने एक्ट्रेस संगीता शर्मा से शादी की।

उन्होंने बताया, 'मुझे बचपन से ही एक्टिंग की दुनिया अलग लगती थी। नाटकों में लोगों के काम को देखकर मुझे भी उन्हीं की तरह काम करने का मन करता था। यही कारण था कि स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैं कोलकाता के एक थिएटर से जुड़ गया और जगह-जगह जाकर प्ले करने लगा।

राजेश आगे बताते हैं, 'परिवार की परवरिश के लिए मैंने टैक्सी चलानी तो शुरू कर दी थी, लेकिन थिएटर से खुद को कभी दूर नहीं किया। मैं हर रोज सुबह ही टैक्सी लेकर काम पर चला जाता था। शाम को काम से लौटने के बाद 5:30 बजे नाटक की रिहर्सल के लिए चला जाता। हर दिन ऐसे ही बीतता था। क्या करता, दूसरा कोई ऑप्शन मेरे पास नहीं था। इसी कारण मुझे ये काम करना पड़ता था।'

थिएटर के बाद फिल्मों में एंट्री कैसे मिली?

राजेश कहते हैं, 'शायद मैंने अच्छा किया था इतने संघर्ष के बाद भी खुद को थिएटर से अलग नहीं किया। थिएटर करने से मेरी एक्टिंग निखर गई और लोगों के बीच पॉपुलैरिटी भी बढ़ी। लंबे संघर्ष के बाद मुझे 1996 में फिल्म माचिस में काम करने का मौका मिला। रोल बहुत छोटा सा था, लेकिन उन दिनों मुझे पैसे की इतनी जरूरत थी कि मैंने फिल्म में काम करने के लिए हां कर दिया। आगे बढ़ने से पहले मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि मैंने फीस को काम से बढ़कर कभी नहीं रखा। जो भी अच्छा मौका मिला, भले ही फीस कम रही हो, मैंने उसमें अपना बेस्ट देने की कोशिश की है।

इस फिल्म में काम करने के बाद मैं मुंबई में रहकर ही दूसरी फिल्म में काम के लिए भटकता रहा। कई प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के ऑफिस के चक्कर लगाए, लेकिन हर जगह से निराशा ही हाथ लगती। मैं इन सब चीजों से बहुत थक गया था। कभी-कभार एक दो फिल्मों में छोटा सा रोल मिल जाता था। तंगी ज्यादा थी तो छोटे-मोटे दूसरे काम भी कर लिया करता था। ये सिलसिला लगभग 4 साल तक चलता रहा। जब फिल्मों में बड़ा काम नहीं मिला तो मैं थक हारकर कोलकाता वापस चला गया।

कोलकाता में आगे के सफर के बारे में वो कहते हैं, मुंबई से लौटने के बाद बेहतरीन एक्टिंग के दम पर मुझे बंगाली सिनेमा में काम मिलने लगा। हालात ऐसे थे कि एक साल में मुझे 3-4 फिल्में ऑफर होने लगी

थीं। हालांकि ज्यादातर रोल निगेटिव और विलेन वाले होते थे। इसी जॉनर में मुझे इतनी पॉपुलैरिटी मिली कि वहां के लोग मुझे टीनू गुंडा कहने लगे थे। मैं कहना चाहूंगा कि थिएटर में काम करने के बाद मैं फिल्मों में काम नहीं करना चाहता था। फिल्मों में एक्टिंग की क्रिएटिविटी खत्म हो जाती है। थिएटर में जो बात है वो फिल्मों में कहां।'

9 साल बाद ही सही, लेकिन फिर से सपनों की नगरी मुंबई ने राजेश को वापस बुला लिया। मुंबई में इस दौर के बारे में वो बताते हैं, 9 साल के संघर्ष के बाद मुझे फिल्म परिणीता में काम करने का मौका मिला। फिल्म में मेरे काम को लोगों ने बहुत पसंद किया जिसके बाद काम मिलता गया। इसी फिल्म से विद्या बालन ने डेब्यू किया था। वो ऑफ स्क्रीन भी बहुत अच्छी महिला हैं। काम को लेकर वो इतनी जुनूनी हैं कि क्या बताऊं। मैंने उनके साथ 5 फिल्मों में काम किया। उनसे मैंने कहा कि 10 फिल्में तो साथ में करनी ही है।

2006 में फिल्म खोसला का घोंसला आई थी। फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, विनय पाठक जैसे बड़े कलाकार नजर आए थे। ये डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी की पहली फिल्म थी। फिल्म में मुंजाल नाम के एक शख्स का किरदार राजेश शर्मा ने निभाया था। कम स्क्रीन टाइम में ही उन्होंने अपनी एक अलग छाप छोड़ दी थी।

जब मैंने उनसे सवाल किया कि उन्हें इस फिल्म का ऑफर कैसे मिला तो उन्होंने बताया, 'मैं किसी कार्यक्रम के लिए दिल्ली गया था। वहां पर मेरी मुलाकात डायरेक्टर दिबाकर बनर्जी से हुई। उन्होंने मेरे काम की कुछ क्लिप देखीं, जिससे वो काफी इंप्रेस हुए और तुरंत ही फिल्म में काम करने का ऑफर दे दिया। ये फिल्म मेरे करियर में टर्निंग पॉइंट रही।'

राजेश शर्मा ने सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे सुपरस्टार के साथ काम किया है। उनके साथ काम करने के अपने एक्सपीरिएंस शेयर करते हुए वो कहते हैं, 'सलमान खान की क्या बात करूं। वो इंसान ही बेहतरीन है। फिल्म बजरंगी भाईजान मेरी उनके साथ पहली फिल्म थी। लंच के दौरान हमारा खाना टीम की तरफ से अलग लगता था, पर वो मुझे बुलाकर अपने साथ ही खाना खिलाते थे। सलमान खान की तरह अक्षय कुमार भी फूड प्रेमी हैं। फिल्म लक्ष्मी में मैंने उनके साथ काम किया था। मुंबई में फिल्म की शूटिंग हो रही थी। एक दिन मैं उनसे दूर बैठकर खाना खा रहा था, तभी मेरे पास एक लड़का आया और कहा कि वो मुझे बुला रहे हैं। मैं उनके पास यही सोचते हुए गया कि ऐसा क्या हो गया कि अक्षय कुमार मुझे बुला रहे हैं। जब उनके पास पहुंचा तो उन्होंने मुझे खाना ऑफर किया। शूटिंग मुंबई में हो रही थी, तो खाना उनके घर से ही आता था। जब उन्होंने मुझे खाने का ऑफर दिया तो मैं थोड़ी देर के लिए ठहर सा गया। वो इतने बड़े सुपरस्टार हैं, फिर भी मुझे खाना ऑफर कर रहे थे। इस बात से आंसू भी आ गए।

फिल्म एमएस धोनी में मैंने सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम किया था। सुशांत बेहतरीन इंसान थे। हां, थोड़ा खुद में रिजर्व रहते थे। रांची में फिल्म के कुछ सीन्स की शूटिंग होनी थी। मैं सुशांत के साथ एक ही होटल में रुका था। लंच, डिनर हम सब एक साथ ही करते थे। कभी सोचा नहीं था कि वो ऐसा कदम उठाएंगे। उनके यूं चले जाने से मुझे बहुत गहरा सदमा लगा था। मैंने इतने सितारों के साथ काम कर लिया है, फिर भी आज अकेला ही हूं। जो इंसान मेरी ये स्टोरी देखेगा और उसने भी मेरी तरह ही स्ट्रगल किया होगा, तो वो बिल्कुल निराश ना हो। वो आज कामयाब ना हो कर शायद अकेला ना हो, लेकिन आज मैं कामयाब होकर भी कहीं ना कहीं अकेला ही हूं।'

49 की उम्र में मलाइका ने बॉडीकॉन ड्रेस में बोल्डनेस दिखाया, तो लोग बोले- अर्जुन कपूर का इकलौता अवॉर्ड

मलाइका अरोड़ा ने एक बार फिर से बता दिया है कि वो क्यों सभी हसीनाओं से ज्यादा हॉट हैं। 49 साल की उम्र में भी वो ऐसी तस्वीरें साझा करती हैं कि 25 साल की अभिनेत्री भी उनके सामने फीकी लगने लगती हैं। एक बार फिर से मलाइका अरोड़ा ने नीले बॉडीकॉने ड्रेस में पारा चढ़ा दिया है। उनका ये ब्रालेस लुक लोगों को काफी पसंद आ रहा है और कमेंट्स पढ़कर आप काफी खुश होने वाले हैं। मलाइका ने अपने सेक्सी अंदाज से लोगों को दीवाना बनाया हुआ है और ऐसा कहा जा रहा है कि वो अपनी फिटनेस इसी अंदाज में दिखाती हैं। मलाइका ने इन तस्वीरों के साथ उन लोगों को टैग किया था जिन्होने इस लुक के लिए काम किया है। हालांकि इसके बाद मजेदार कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक ने लिखा, ''अर्जुन कपूर बी लाइक- क्या माल है..'' एक ने लिखा, ''बूढ़ी घोड़ी नीला लगाम।'' एक का कहना था, ''अर्जुन कपूर का इकलौता अवॉर्ड।''

एक का कहना था, ''उन्हें ट्रोल करने वाले ज्यादातर वो लोग हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में कभी जिम नहीं देखा है। अपनी उम्र के बावजूद वह यहां के 80% मोटे लोगों से कम उम्र की दिखती हैं... शरीर का अच्छा वजन बनाए रखने के लिए बहुत मेहनत और अनुशासन की जरूरत होती है।उसके लिए सम्मान।''

इस तरह से लोग रिएक्ट कर रहे हैं। हालांकि मलाइका ये सुपरबोल्ड अंदाज मिनटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और फैंस उनकी इन तस्वीरों को रुक रुक कर देख रहे हैं। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ आए दिन अपनी एक से बढ़कर एक हॉट और बोल्ड तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं जो कि खूब वायरल रहती हैं।

दिशा पाटनी ने मारी फ्लाइंग किक : वीडियो देख यूजर्स को आई टाइगर श्रॉफ की याद

दिशा पटानी बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फ्लाइंग किक मारते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में दिशा हवा में उछलकर 360 डिग्री का किक मार रही हैं।

फैंस ने दिए ऐसे रिएक्शन

जैसे ही क्लिप वायरल हुई, यूजर ने इस वीडियो पर इस अपने रिएक्शन देने शुरू कर दिए। जहां कुछ लोगों ने उनके फिटनेस की तारीफ की, वहीं कई लोगों ने उनके एक्स- बॉयफ्रेंड टाइगर श्रॉफ का जिक्र किया है। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा,'टाइगर श्रॉफ ने सिखाया है'। दूसरे ने उन्हें फीमेल टाइगर श्रॉफ कहा है।

6 साल तक डेट करने के बाद अलग हुए दिशा- टाइगर

टाइगर श्रॉफ और दिशा 6 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे, लेकिन अब दोनों अलग हो गए हैं। कपल से जुड़े सूत्रों की माने तो दोनों का ब्रेकअप इस साल की शुरूआत में हो गया था। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले करीब एक साल से दोनों के रिश्ते में उतार-चढ़ाव आ रहे थे। टाइगर और दिशा ने कभी भी ऑफिशियली अपने रिश्ते को एक्सेप्ट नहीं किया, लेकिन दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता था।

दिशा पाटनी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

दिशा जल्द ही करण जौहर की एक्शन फिल्म योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। फिल्म 2023 में रिलीज होगी। इसके अलावा दिशा डायरेक्टर सिरूथाई शिवा की फिल्म से तमिल डेब्यू भी करने जा रही हैं। इस फिल्म में दिशा सूर्या के साथ नजर आएंगी।

काजोल-सैफ को चांटा मारना चाहती थीं डांस कोरियोग्राफर सरोज खान

एक्ट्रेस ने याद किया सालों पुराना किस्सा, बोलीं- दोनों सेंशुअल सीन में हंसी नहीं रोक पाए

काजोल ने हाल ही में बताया कि उनके लिए सेंशुअल या शर्मीले किरदार करना लगभग नामुमकिन होता है। उन पर ये दोनों एक्सप्रेशन सूट नहीं करते हैं। इस कारण वो अक्सर डायरेक्टर से पूछा करती हैं कि वो उनके किस तरह के एक्सप्रेशन चाहते हैं। दरअसल, काजोल इन दिनों अपनी वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज 2 के लेकर चर्चा में हैं, जिसमें सेंशुअल सीन्स होने वाले हैं। इस बीच एक्ट्रेस ने उस वक्त को याद किया, जब दिवंगत डांस कोरियोग्राफर सरोज खान उनसे और सैफ अली खान से परेशान हो गईं थीं। दरअसल, दोनों ही फिल्म के एक सेंशुअल गाने में अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे थे, जिस कारण परेशान होकर सरोज खान ने कहा था कि वो दोनों को थप्पड़ मार देंगी।

रेडियो नशा से बातचीत के दौरान काजोल ने सैफ अली खान के साथ फिल्म 'ये दिल्लगी' के गाने 'होठों पे बस तेरा नाम है' की शूटिंग के एक्सपीरियंस को याद करते हुए काजोल बताया कि वो वाकई भयानक था। उन्होंने कहा- दो सेक्सी और शर्म। मैं इन दोनों भावनाओं से रिलेट नहीं कर पाती। जब कोई मुझसे कहता है कि मुझे अपनी पलकें झपकानी होंगी और शर्माना होगा, तो मैं एक्स्प्रेशन नहीं समझ पाती हूं। हालांकि, अगर मुझे कोई अच्छी तरह से एक्सप्रेशन समझाया जाए तभी मैं इसे कर पाती हूं।

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या वो इस तरह के सेंशुअल सीन को स्क्रीन पर बखूबी कर पाई हैं। इसपर एक्ट्रेस ने कहा- मैं कभी भी ऐसा नहीं कर पाई हूं। ज्यादातर मैं अपने डायरेक्टर के मुताबिक की हीन करती हूं। एक बार सरोज जी हमें थप्पड़ मारना चाहती थीं। वो मुझसे और सैफ अली खान से परेशान हो गई थीं।

दरअसल मैं और सैफ एक सीन में अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे थे, यह देखकर सरोज जी हमें थप्पड़ मारना चाहती थीं। उन्होंने हमें डांटते हुए कहा- 'आप इसे सीरियस नहीं ले रहे, आप बुरे बच्चे हैं।'वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही अपकमिंग वेब सीरीज 'लस्ट स्टोरीज 2 ' में नजर आएंगी। वेब सीरीज का प्रीमियर 29 जून, 2023 को नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

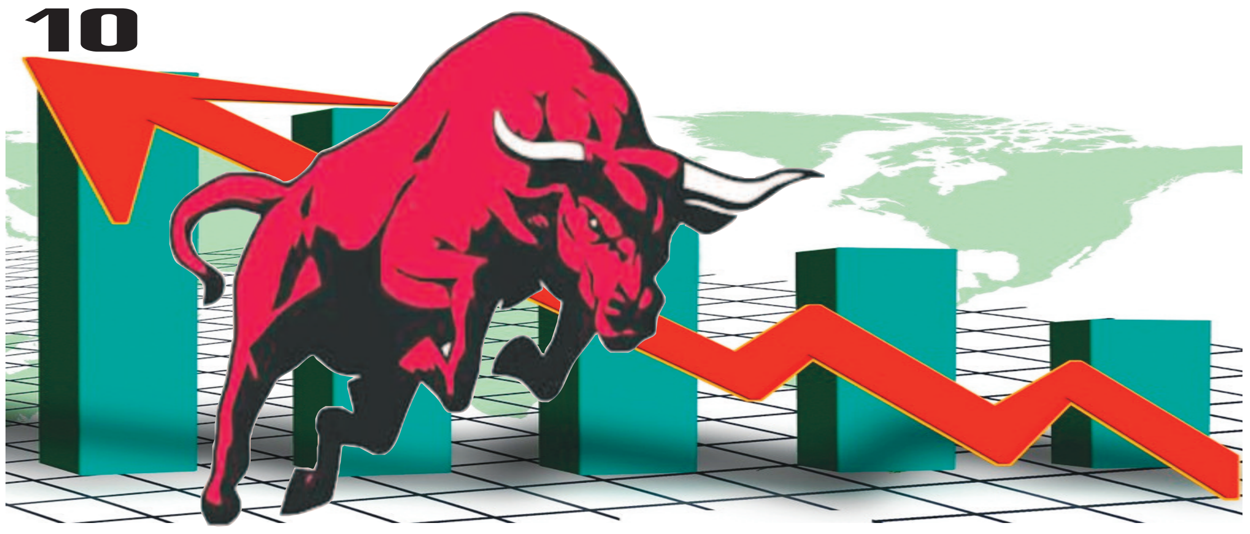

भारत में अमेजन-गूगल 2.9 लाख करोड़ का निवेश करेगी

गुजरात में ग्लोबल सेंटर बनाएगी गूगल; अमेजन देगी ज्यादा नौकरियां, छोटे बिजनेस को सपोर्ट करेगी

वॉशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। गूगल भारत में डिजिटाइजेशन के लिए 10 बिलियन डॉलर (करीब 82 हजार करोड़ रुपए) का निवेश करेगी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। वहीं, अमेजन के सीईओ ने भी पीएम से मिलने के बाद भारत में 26 बिलियन डॉलर (करीब 2.1 लाख करोड़ रुपए) के निवेश की बात कही। सुंदर पिचाई ने कहा, 'प्रधानमंत्री से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। गूगल भारत के डिजिटलीकरण के लिए 10 अरब डॉलर का निवेश करेगा। हम GIFT सिटी, गुजरात में अपना ग्लोबल फिनटेक ऑपरेशन सेंटर खोलने की घोषणा कर रहे हैं।' पीएमओ ने ट्वीट कर बताया कि पीएम और पिचाई के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फिनटेक और रिसर्च एंड डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के

उपायों पर चर्चा हुई।

भारत में अमेजन 26 बिलियन डॉलर निवेश करेगा

अमेजन के सीईओ एंडी जैसी ने भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। मीटिंग के बाद उन्होंने कहा, 'अमेजन भारत में दुनिया के सबसे बड़े निवेशकों में से एक है। हमने अब तक 11 बिलियन डॉलर का निवेश किया है और 15 बिलियन डॉलर का और निवेश करने का इरादा है, जिससे कुल राशि 26 बिलियन हो जाएगी।'उन्होंने कहा कि इसके जरिए कंपनी अधिक नौकरियों पैदा करने, अधिक छोटे और मीडियम बिजनेस को डिजिटल बनाने में मदद करेगी। इसके साथ ही भारतीय कंपनियों के प्रोडक्ट्स को दुनिया भर में निर्यात करने में मदद करेंगे।

पिचाई ने डिजिटल इंडिया के लिए पीएम के नजरिए की सराहना की

सुंदर पिचाई ने डिजिटल इंडिया के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नजरिया की सराहना की। उन्होंने कहा, 'डिजिटल इंडिया के लिए प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण उनके समय से कहीं आगे है। मैं अब इसे एक ब्लूप्रिंट के रूप में देखता हूं जिसे अन्य देश करना चाह रहे हैं।'

अधिक भारतीय भाषाओं को सपोर्ट करेगा बार्ड

पिचाई ने कहा कि हम बहुत जल्द में बार्ड और अधिक भारतीय भाषाओं का सपोर्ट पेश करने वाले हैं। बार्ड गूगल का एआई चैटबॉट है, जिसे कंपनी ने गूगल आईओ 2023 इवेंट के दौरान भारत सहित 180 देशों में लॉन्च किया है।

एलन मस्क से भी मिले थे प्रधानमंत्री मोदी

इससे पहले 21 जून को प्रधानमंत्री मोदी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की मुलाकात हुई थी। मीटिंग के बाद मस्क ने कहा था, 'मैं भारत के भविष्य को लेकर उत्साहित हूं। मैं मोदी का फैन हूं। यह एक शानदार मुलाकात थी और मैं उन्हें काफी पसंद करता हूं।'टेस्ला के भारत आने की टाइमलाइन के बारे में पूछे जाने पर मस्क ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि टेस्ला जल्द भारत में होगी।' वो अगले साल यानी 2024 में भारत भी आने का प्लान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मस्क से मुलाकात के बाद तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा था, 'आज आपसे शानदार मुलाकात हुई एलन मस्क।

आरबीआई के बुलेटिन में कहा गया

महंगाई के चलते निजी खपत में आई कमी, कंपनियों के सेल्स पर पड़ा असर

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। महंगाई दर में तेज उछाल के चलते लोगों के निजी खपत पर इसका असर पड़ा है।महंगाई दर के ज्यादा होने के चलते निजी खपत पर किए जाने वाले खर्च में कमी देखी जा रही है जिसका खामियाजा कॉरपोरेट्स को सेल्स के मोर्चे पर भुगतना पड़ रहा है साथ ही विस्तार योजना को आगे बढ़ाने में प्राइवेट इंवेस्टमेंट में भी कमी देखी जा रही है।आरबीआई ने जो बुलेटिन जारी किया उसमें ये बातें लिखी हुई है।आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुआई वाली टीम ने आरबीआई बुलेटिन में लिखे लेख में ये बातें कही है।भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन में छपे इस लेख में कहा गया है कि महंगाई को कम किए जाने की जरूरत है जिससे उपभोक्ताओं द्वारा किए जाने वाले खर्च को बढ़ाने में मदद मिल सके साथ ही कॉरपोरेट रेवेन्यू के साथ उनके प्रॉफिट को बढ़ाया जा सके।आरबीआई के इस बुलेटिन में कहा गया है कि हाल में जारी किए गए आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के नतीजों को एक साथ जोड़कर देखें तो यह साफ दिखता है कि महंगाई के चलते निजी उपभोग पर किए जाने खर्च में कमी आई है। इसकी वजह से कंपनियों की सेल्स घट रही है और कैपैसिटी क्रिएशन में निजी निवेश भी कम हो रहा है।आरबीआई बुलेटिन के इस लेख के मुताबिक, वैश्विक मोर्चे पर जहां भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएं फिर से तेजी की राह पकड़ रही हैं वहीं कुछ देशों में सुस्ती या गिरावट की स्थिति अभी भी बनी हुई है।

बहरहाल आरबीआई के लिए राहत की बात ये है कि अप्रैल और मई महीने में महंगाई के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। मई महीनें में खाद्य महंगाई में गिरावट के चलते खुदरा महंगाई दर घटकर 4.25 फीसदी पर आ गई है जिसके बाद अगली मॉनिटरी पॉलिसी बैठक में ब्याज दरों के मोर्चे पर अच्छी खबर की उम्मीद की जा रही है।

सोलर आवर्स के दौरान 20% सस्ती मिलेगी बिजली

लेकिन रात में एसी चलाने पर ढीली होगी जेब

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। बिजली खपत के मोर्चे पर उपभोक्ताओं को आने वाले दिनों में बड़ी राहत मिलने वाली है।आने वाले दिनों में आपके बिजली के बिल में कमी देखने को मिल सकती है।सोलर घंटों के दौरान सप्लाई की जाने वाली बिजली उपभोक्ताओं को 10 से 20 फीसदी सस्ते दामों में उपलब्ध हो सकेगा।स्टेट इलेक्ट्रसिटी रेग्यूलेटरी कमीशन दिन के 8 घंटें को सोलर घंटा मानती है।इस अवधि में जिसे टाइम ऑफ डे कहा गया है उस दौरान सप्लाई की जाने वाली बिजली के लिए सामान्य दरों के मुकाबले आपको कम पैसे देने होंगे। केंद्र सरकार ने मौजूदा पावर टैरिफ सिस्टम में दो बड़े बदलाव करने का ऐलान किया है।इसके लिए सरकार इलेक्ट्रिसिटी(राइट टू कंज्यूमर) रूल्स 2020 में संशोधन करने का फैसला किया है। पहला बदलाव सोलर घंटों के दौरान बिजली की कीमत को लेकर है जिसे टाइम ऑफ डे टैरिफ सिस्टम कहा जा रहा है।टाइम ऑफ डे टैरिफ सिस्टम सबसे पहले कमर्शियल और इंडसट्रियल उपभोक्ताओं पर लागू होगा जिनका अधिकतम खपत 10 किलोवाट तक है।उनके लिए ये नियम एक अप्रैल 2024 से तो कृषि उपभोक्ताओं को छोड़कर दूसरे उपभोक्ताओं के लिए ये प्रावधान 1 अप्रैल

2025 से लागू होगा।जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर्स लगा दिया जाएगा उनके लिए टाइम ऑफ डे टैरिफ सिस्टम को फौरन लागू कर दिया जाएगा।केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने सरकार के इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि टाइम ऑफ डे टैरिफ सिस्टम देश के पावर सिस्टम के साथ उपभोक्ताओं के हक में है।उन्होंने बताया कि टाइम ऑफ डे टैरिफ सिस्टम में पीक घंटे, सोलर घंटे और नॉर्मल घंटे जैसे तीन श्रेणी में बांटा गया है।इससे उपभोक्ता टैरिफ के मुताबिक लोड को मैनेज कर सकेंगे।सोलर पावर के सस्ते होने के कारण सोलर घंटों के दौरान बिजली सस्ती रहेगी।

हालांकि नॉन सोलर घंटे के दौरान जैसे थर्मल या हाइड्रो या गैस आधारित बिजली सोलर पावर के मुकाबले महंगी होगी।इससे उपभोक्ता बिजली खपत के अपने तौर तरीकों को बदल सकते हैं। स्मार्ट मीटर के नियमों को भी सरल किया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मिथुन	में
चंद्र-	सिंह	में
मंगल	कर्क	में
बुध-	मिथुन	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कर्क	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मेष--	01-22	बजे
वृष--	03-06	बजे
मिथुन..	05-06	बजे
कर्क....	07-20	बजे
सिंह....	09-31	बजे
कन्या..	11-37	बजे
तुला....	13-43	बजे
वृश्चिक.	15-53	बजे
धनु.....	18-06	बजे
मकर..	20-42	बजे
कुंभ....	22-03	बजे
मीन ..	23-41	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-47
सूर्य अस्त- 18-49
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिमे - पान खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 00 -25 तक उपरान्त अष्टमी
मास - आषाढ शुक्ल पक्ष , रविवार June 25
नक्षत्र - पूर्वफाल्गुनी - 10- 11 - तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - व्यतिपात - 06 - 05 - दिन-रात तक
करण- गर - 11 -24 - तक उप- वणिज
विशेष:- विवस्वत सप्तमी
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्धि-10-11 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 17:14 से 18:52 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05:47 - 07:23	अशुभ	शुभ	18:49 - 20:14	शुभ
चंचल.	07:23 - 09:02	शुभ	अमृत	20:14 - 21:36	शुभ
लाभ.	09:02 - 10:40	शुभ	चंचल	21:36 - 22:57	शुभ
अमृत.	10:40 - 12:19	शुभ	रोग	22:57 - 00:19	अशुभ
काल.	12:19 - 13:57	अशुभ	काल	00:19 - 01:40	अशुभ
शुभ.	13:57 - 15:36	शुभ	लाभ	01:40 - 03:02	शुभ
रोग	15:36 - 17:14	अशुभ	उत्पात	03:02 - 04:24	अशुभ
उत्पात	17:14 - 18:49	अशुभ	शुभ	04:24 - 05:47	शुभ

एसबीआई में चेक पेमेंट को रोकने के लिए अब नहीं जाना पड़ेगा बैंक

ऑनलाइन भी कर सकते हैं यह काम

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। अगर आप भी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के ग्राहक हैं और इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग की सर्विस ला फायदा उठाते हैं तो आप चेक के पेमेंट को रोकने की सुविधा है। आपको ये सुविधा ऑनलाइन मिलेगी। आपको इस प्रोसेस को पूरा करने के लिए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर की जरूरत होगी। आपको नंबर पर एक ओटीपी आएगी, जिसके बाद ही आप इस प्रक्रिया को पूरा कर पाएंगे। लेकिन कई बार ऐसा भी होता है कि हमें कई वजह से चेक को रद्द करना पड़ता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आप चेक पेमेंट को रोकने का क्या प्रोसेस है। आपको सबसे पहले एसबीआई बैंक की वेबसाइट 'onlinesbi.com' पर जा कर अपने नेट बैंकिंग की के क्रेडेंशियल के जरिये लॉग-इन करें। इसके बाद आपको ओटीपी और कैप्चा दर्ज करना होगा।

अब आपको होम पेज परअनुरोध एवं पूछताछ के ऑप्शन को क्लिक करना होगा। इसके बाद आपको मेन्यू पर 'भुगतान रोको' के टैब को क्लिक करना है। यहां आपको चेक नंबर और एंड चेक नंबर जैसे कई जानकारी को दर्ज करना होगा।

अगले सप्ताह कमाई के ताबड़तोड़ मौके

ओपन होने वाले हैं ये 2 आईपीओ

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। अगले सप्ताह के दौरान बाजार में दो-दो आईपीओ ओपन होने वाले हैं।सोमवार से शुरू हो रहे सप्ताह के दौरान निवेशकों को आइडिया फॉर्ज टेक्नोलॉजी आईपीओ और साइंट डीएलएम आईपीओ में पैसे लगाने के मौके मिलेंगे।इनमें से आइडिया फॉर्ज टेक्नोलॉजी का आईपीओ 567 करोड़ रुपये का होगा, जबकि साइंट डीएलएम के आईपीओ का साइज 592 करोड़ रुपये होने वाला है। इस तरह दोनों कंपनियां मिलकर अपने आईपीओ से बाजार से 1,159 करोड़ रुपये जुटाने वाली हैं।आईपीओ के बाद दोनों कंपनियों के शेयर भारत के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।आईपीओ ओपन होने से पहले ही दोनों को ग्रे मार्केट में शानदार रिस्पॉन्स

मिल रहा है।इसका संकेत इस बात से मिल रहा है कि दोनों आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम शानदार है।अभी आइडिया फॉर्ज टेक्नोलॉजी का शेयर ग्रे मार्केट में 500 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है, जबकि साइंट डीएलएम के शेयर का ग्रे मार्केट प्रीमियम 110 रुपये है।ड्रोन बनाने वाली कंपनी आइडिया फॉर्ज टेक्नोलॉजी का आईपीओ 26 जून यानी सोमवार को खुलेगा।इसके लिए 29 जून तक बोली लगाई जा सकेगी।इसका प्राइस बैंड 638 से 672 रुपये तय किया गया है।आईपीओ से पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर्स से 255 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग सर्विसेज कंपनी साइंट डीएलएम का आईपीओ 27 जून मंगलवार को खुलेगा और 30 जून तक सब्सक्राइब करने के लिए उपलब्ध रहेगा।कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 250 से 265 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है.साइंट डीएलएम के आईपीओ के तहत 592 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसका मतलब हुआ कि साइंट डीएलएम के आईपीओ में सिर्फ फ्रेश शेयर इश्यू होंगे और इसमें ऑफर फोर सेल का कोई हिस्सा नहीं होगा।

2000 के 72% नोट बैंकों में वापस आए

इनकी कुल वैल्यू 2.62 लाख करोड़, 30 सितंबर तक बदल या जमा कर सकेंगे नोट

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। आरबीआई की ओर से 2000 रुपए के नोट वापस लेने के ऐलान के बाद 2000 रुपए के 72% नोट बैंकों में जमा हो चुके हैं या बदले जा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन नोटों की कुल कीमत 2.62 लाख करोड़ रुपए है। आरबीआई ने 19 मई को नोट वापस लेने की घोषणा करते हुए बताया था कि 31 मार्च तक 2,000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 3.62 लाख करोड़ रुपए था। आरबीआई ने 30 सितंबर तक 2000 के नोट बैंकों में बदलने या अकाउंट में जमा करने को कहा है, लेकिन यह भी कहा है कि यह इसके बाद भी लीगल रहेगा। ऐसा सिर्फ लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए है, ताकि वे यह नोट बैंकों को वापस करें।सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार बैंक में नोट बदलने के लिए किसी तरह के कोई डॉक्यूमेंट नहीं देने होंगे। एक बार में 20,000 की सीमा तक 2000 के नोट बदलवा यानी दूसरे डिनॉमिनेशन में एक्सचेंज करवा सकते हैं। वहीं अगर आपका अकाउंट है तो आप कितने भी 2000 के नोट डिपॉजिट (अकाउंट में जमा) कर सकते हैं।

लेन-देन के लिए 2000 के नोटों का इस्तेमाल जारी रख सकते हैं और उन्हें पेमेंट के रूप में रिसीव भी कर सकते हैं। हालांकि आरबीआई ने 30 सितंबर 2023 तक या उससे पहले इन बैंक नोटों को जमा करने या बदलने की सलाह दी है।

अकासा ने बढ़ाया इंडिगो और एअर इंडिया का सिरदर्द

एक झटके में पायलट्स की सैलरी में किया 40 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। प्राइवेट एयरलाइन अकासा एयर के एक कदम ने एअर इंडिया और इंडिगो के लिए मुश्किलें बढ़ा दी है।वास्तव में कंपनी ने 23 जून को बड़ा ऐलान करते हुए अपने पायलट्स की सैलरी में 40 फीसदी का इजाफा कर दिया है।इस फैसले के बाद से दूसरी प्राइवेट एयरलाइन पर भी अपने पायलट्स की सैलरी बढ़ाने का दबाव आ गया है।वो भी ऐसे में समय में जब एअर इंडिया और इंडिगो ने कुनल 970 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया है और दोनों को आने वाले दिनों में पायलट्स की जरुरत पडने वाली है। इससे पहले अप्रैल में, एअर इंडिया (एआई) ने वेतन में 20 फीसदी का इजाफा किया था।वहीं सैलरी को बढ़ाने का एक और मकसद ये था कि एअर इंडिया में ज्यादा से ज्यादा पायलट शामिल

हो सकें, ताकि आने वाले दिनों में उन्हें कोई परेशानी ना हो।वहीं मई के महीने में स्पाइसजेट (एसजी) ने भी सैलरी में बढ़ोतरी की थी।

अकासा एयर ने किया सैलरी में इजाफा

डिटेल के अनुसार जुलाई से सीनियर फस्ट ऑफिसर की सैलरी 3.40 लाख रुपये मंथली होगी, जबकि सीनियर कैप्टन की सैलरी 6.25 लाख रुपये हो जाएगी।पहले यह क्रमशः 2.75 लाख रुपये और 5.75 लाख रुपये थी।यदि एक्सपीरियंस और फ्लाइट आवर्स ज्यादा हैं तो पे स्केल में और भी अधिक हो सकता है, और कैप्टन सैलरी में 6 फीसदी से ज्यादा का इजाफा किया गया है, जिसके बाद उसकी सैलरी 7.28 लाख रुपये प्रति माह से बढ़कर 7.75 लाख रुपये हो सकती है।इतना ही नहीं, उड़ान के तय 40 घंटे के अलावा हर अतिरिक्त घंटे के लिए कैप्टन को 7,500 रुपये और फस्ट ऑफिसर को 3,045 रुपये का पेमेंट किया जाएगा।

इंडिगो और एअर इंडिया ने दिया है रिकॉर्ड ऑर्डर

हाल ही में देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने रिकॉर्ड एयरक्राफ्ट ऑर्डर दिया है।जिसके बाद उसकी ऑर्डर की संख्या 900 से ज्यादा हो गई है।वहीं दूसरी ओर एअर इंडिया ने भी 470 विमानों का ऑर्डर दिया है।जिसके बाद आने वाले दिनों मे एविएशन इंडस्ट्री में नौकरी की बौछार आने वाली है।

किचन में इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर के पीछे लाल रंग का क्या है राज?

कनेक्शन लेने से पहले जानें पूरी डिटेल

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। हर घर के किचन में इस्तेमाल होने वाला गैस सिलेंडर के कई राज है। इसमें से शायद ही आपको सबके बारे में पता होगा। इन्हीं कई सवालों के बीच एक सवाल यह भी है कि आखिर लाल रंग का गैस सिलेंडर क्यों होता है। वैसे सामान्य तौर पर लाल रंग रुकने और खतरे का प्रतिक माना जाता है। यहां आपको ध्यान देने की जरूरत है कि किचन में इस्तेमाल किया जाने वाले सिलेंडर में लिक्वेफाइड पेट्रोलियम गैस भरी होती है। एलपीजी के अलावा भी कई और गैस होते हैं जिन्हें अलग रंग के सिलेंडर में भरा जाता है। चलिए जानते हैं कि आखिर घर में रखा एलपीजी सिलेंडर लाल रंग का ही क्यों होता है।जैसे कि हम सब जानते हैं कि लाल रंग को खतरे का चिन्ह माना जाता है। इसी लिए सिलेंडर को भी लाल रंग से पेंट किया जाता है क्योंकि सिलेंडर में भी खतरा होता है। इसके अंदर भरी हुई एलपीजी गैस ज्वलनशील होती है जिसे

अच्छे और जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाना चाहिए।अगर लापरवाही की तो बड़ा हादसा हो सकता है जिससे लोगों की जान भी जा सकती है। लोगों को सावधान करने के लिए ही गैस सिलेंडर को लाल रंग से पेंट किया जाता है। इसके अलावा गैस सिलेंडर में एलपीजी भरी हुई है, इसकी आसानी से लोग पहचान सके इसलिए इसे लाल रंग से पेंट किया जाता है।लिक्वेफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के अलावा कई प्रकार की गैस का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा कंप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी), पाइपड नैचुरल गैस (पीएनजी), ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन और हीलियम गैस होती है।

सोने-चांदी में बड़ी गिरावट

58 हजार के करीब आया सोना, चांदी 4 हजार रुपए से ज्यादा फिसली

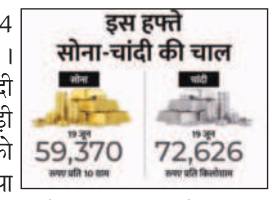

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 19 जून को सोना 59370 रुपए पर था, जो अब, यानी 24 जून को 58,395 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 985 रुपए कम हुई है।

चांदी में भी बड़ी गिरावट

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 4 हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 72,626 रुपए पर थी जो अब 68,304 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 4,322 रुपए कम हुई है।

इस महीने सोने में रही गिरावट

इस महीने यानी जून में अब तक सोने में गिरावट देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 1 जून को ये 60,113 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 58,395 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,718 रुपए की गिरावट आई है।

आने वाले दिनों में बढ़ सकते हैं दाम

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि सोने में ये गिरावट स्थाई नहीं हैं। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है।

सिर्फ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आप अपने कार्यों को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): अपने वादों का सम्मान करें । आपको इसके लिए अपने मजे तथा आनंद के समय से समझौता करना पड़ सकता है परन्तु अगर आप दूसरों को दुःख नही पहुंचना चाहते तो आपको यह करना पड़ेगा । आपकी कल्पनात्मक शक्ति आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करेगी । आप मानवीय आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं, आपकी प्रगति तय है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,): ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले । अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है ।अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,): आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं । लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें । आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें ।कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,): आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे। इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे): आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी। इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है ।अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी): लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,): आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितत्ता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी ।आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे । अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

उमेश पाल हत्याकांड में आरोपियों की तलाश जारी, पुलिस ने कई इलाकों में मारा छापा

प्रयागराज, 23 जून (एजेंसियां)। उमेश पाल और दो सरकारी गनर शूटआउट के मामले में पुलिस और एसटीएफ की टीमों ने अशरफ के साले सद्दाम और पत्नी जैनब फातिमा की तलाश में दिल्ली में पुलिस की टीमें पुरानी दिल्ली के कई इलाकों में छापेमारी कर रहीं है। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में माफिया अतीक अहमद का फ्लैट है उसी फ्लैट में रहकर अतीक का बेटा उमर पढ़ाई करता था। पुलिस शाइस्ता की भी दिल्ली में तलाश कर रही है। पुलिस को आशंका है कि शाइस्ता भी दिल्ली में कहीं छिपी हो सकती है। पुलिस ने शाहीन बाग इलाके में पहुंचकर जानकारी जुटाई है। पुरानी दिल्ली के एक लॉज में भी पुलिस ने पहुंचकर पूछताछ की है। ऐसे में सद्दाम और जैनब के साथ ही शाइस्ता को लेकर भी तलाश तेज हो गई है। उमेश पाल शूटआउट के बाद से ही शाइस्ता परवीन फरार है। पुलिस कमिश्नर प्रयागराज ने उस पर 50000 का इनाम घोषित किया है, सद्दाम के दुबई से लौटने और जैनब की दिल्ली में लोकेशन मिलने के बाद जांच टीमें दिल्ली पहुंची हैं।

शाइस्ता परवीन बेटे असद के जनाजे में भी शामिल नहीं हुई थी। इसके बाद पति अतीक अहमद और देवर अशरफ के जनाजे में भी शाइस्ता नहीं गई थी। पुलिस सूत्रों का मानना है कि शाइस्ता भी प्रयागराज से दूर निकल गई है या तो मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर रही है, या फिर सिम बदल बदल कर फोन का इस्तेमाल कर रही है जिससे उसकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। पुलिस और एसटीएफ की टीमें सद्दाम और जैनब के साथ शाइस्ता की भी दिल्ली में ही तलाश कर रही हैं। अशरफ के साले सद्दाम पर आरोप है कि वह अशरफ का काम संभालता था, उमेश पाल शूटआउट के पहले बरेली जेल में अशरफ से मिलने गए शूटर्स की उसने मुलाकात कराई थी। उमेश पाल शूटआउट के बाद ही सद्दाम दुबई भाग गया था,

आज नोएडा पहुंचेंगे सीएम योगी, सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट

नोएडा, 23 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जून को नोएडा आएंगे। उनके आगमन पर नोएडा पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई है, लेकर पुलिस कमिश्नर ने आज उन जगहों का निरीक्षण किया, जिन जगहों पर मुख्यमंत्री जाएंगे। नई दिल्ली/नोएडाः नोएडा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जून को जिले में होंगे। इसको लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय से मिनट दर मिनट कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। कमिश्नरेट पुलिस ने शुक्रवार को तैयारियों को अंतिम रूप दिया। इस दौरान शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। कार्यक्रम स्थल स्थाल के साथ ही मुख्यमंत्री जिन जिन जगहों पर जाएंगे, उन जगहों का निरीक्षण आज शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी

सिंह ने निरीक्षण किया। साथ ही संबंधित पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम स्थल के साथ ही उनके आने और जाने के रूट मैप को भी तैयार किया गया। मुख्यमंत्री नोएडा स्टेडियम में जनसभा करने के अलावा करीब 13 सौ करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे। दो हजार पुलिसकर्मी चप्पे-चप्पे पर रखेंगे नजरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नोएडा में जहां पर योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। वहां सुरक्षा पूरी तरह से अभेद रहेगी। यह जानकारी देते हुए डीसीपी हरीश चंदर ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए जिले में दो हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसमें 450 महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। सादे कपड़े में भी पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। पैरा मिलिट्री और पीएसी की कई कंपनी कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगी। कार्यक्रम वाली जगह पर बैरिकेडिंग की जाएगी। आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसका पूरा ध्यान रखा गया है। एलआईयू की कई टीम भी पूरी तरह से सक्रिय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 25 जून को नोएडा के सेक्टर 21 स्थित स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। सोशल मीडिया पर भी रखी जाएगी नजरः डीसीपी नोएडा हरीश चंदर ने बताया कि सभी सुरक्षा एजेंसियां कार्यक्रम से जुड़ी हर जानकारी एक-दूसरे से साझा कर रही हैं। मुख्यमंत्री कुल आठ घंटे शहर रहेंगे। कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को भी पुलिस कमिश्नर सहित अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम वाली जगह का निरीक्षण कर तैयारियों को परखा। इस दौरान दो टीम सोशल मीडिया पर भी नजर रखेंगी।

वाराणसी नगर निगम की वेबसाइट पर एडल्ट वीडियो से मचा हड़कंप, हैकरों ने किया हैक

वाराणसी, 23 जून (एजेंसियां)। यूपी के वाराणसी का नगर निगम वेबसाइट शनिवार को हैकरों ने हैक कर लिया।ऑफिसियल वेबसाइट हैक होने के बाद हैकरों ने उस पर एक के बाद कई एडल्ट वीडियो अपलोड कर दिए। नगर निगम के अफसरों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली विभाग में हड़कम मच गया। आनन फानन में नगर निगम के अफसरों ने इसकी शिकायत वाराणसी साइबर सेल को की। लेकिन दोपहर 12 बजे तक हैकरों के कब्जे से पुलिस और साइबर एक्सपर्ट की टीम इसे ठीक नहीं कर पाई। जानकारी के मुताबिक, सुबह 8 बजे ही हैकरों ने नगर निगम की वेबसाइट हैक कर ली थी। उसके बाद एक एक कर कई आपत्तिजनक वीडियो उसपर अपलोड होने लगे। शुरू में पेज के ऑपरेटर ने इसे हटाने की कोशिश भी की लेकिन जब वीडियो डिलीट नहीं हुए तो अफसर तुरंत ही एक्टिव हो गए। वाराणसी के नगर आयुक्त सीपू गिरी ने बताया कि इसकी शिकायत वाराणसी पुलिस को दे दी गई ही। इसके अलावा लगातार टेक्निकल टीम इसे ठीक करने में जुटी हुई है। वेबसाइट ठीक होने के बाद फिर से इसे शुरू किया जाएगा और इसके माध्यम से लोग अपनी शिकायतों को नगर निगम के अफसरों तक पहुंचा पाएंगे।

शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन सहित 5 की गड़ासे से काटकर हत्या, आरोपी ने खुद को गोली से उड़ाया

मैनपुरी, 23 जून (एजेंसियां)। यूपी के मैनपुरी जिला में शनिवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।थाना किशनी के गांव गोकुलपुर में शादी की खुशियों वाले घर में रात तीन बजे चीत्कार मच गई। एक युवक ने अपने पांच स्वजन की हत्या कर स्वयं को भी गोली मार ली।

नोएडा में कंप्यूटर सेंटर चलाता था शिववीर

गांव के रहने वाले सुभाष का पुत्र शिववीर नोएडा में कंप्यूटर सेंटर का संचालन करता था। उसके छोटे भाई सोनू की बरात इटावा से लौटी थी। रात में सोनू और उसकी नवविवाहित पत्नी सोनी मकान की छत पर सो रहे थे। छोटा भाई भुल्लन, भाई का दोस्त दीपक निवासी फिरोजाबाद, बहनोई सौरभ निवासी गांव हवेलिया थाना किशनी और अन्य स्वजन नीचे सोए हुए थे। रात करीब 11 बजे तक घर में नाच-गाने का कार्यक्रम चलता रहा। बाद में सभी लोग सो गए। रात करीब तीन बजे शिववीर ने पहले छत पर सो रहे सोनू और उसकी पत्नी सोनी की गड़ासा से प्रहार कर हत्या कर दी। फिर भाई भुल्लन, भाई के दोस्त दीपक, बहनोई सौरभ की भी हत्या कर दी।

पत्नी और पिता पर भी किया हमला, खुद को मार ली गोली

अपनी पत्नी डौली और पिता सुभाष चंद्र को गड़ासा मारकर घायल कर दिया। चीत्कार सुन स्वजन ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो भाग कर घर के पीछे गया और खुद के सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

एडीजी और आइजी पहुंचे गांव

किशनी के गांव गोकुलपुर में नृशंस हत्याकांड के बा एडीजी राजीव कृष्ण और आइजी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया।

स्वार्थ का गठबंधन, निशाने पर हिंदुस्तान- विपक्ष की बैठक पर बीजेपी का हमला

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। मोदी सरकार को चुनौती देने की कोशिश में लगे विपक्ष की पावरफुल पिक्चर आज सामने आई। लंबे वक्त बाद विपक्षी दल एक फ्रेम में दिखे। मोदी वर्सेज ऑल की लड़ाई के लिए बिहार की राजधानी पटना में मंथन हुआ। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पर हुई बैठक में विपक्ष की 15 बड़ी पार्टियों के अध्यक्ष और बड़े नेता शामिल हुए। इस बैठक में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मंथन किया गया, जिसपर बीजेपी ने हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बैठक पर चुटकी लेते हुए कहा कि यह स्वार्थ का गठबंधन है, जिसके निशाने पर हिंदुस्तान है। जो एक दूसरे को आंख नहीं सुहाते थे, अब ऐसे संकल्प के साथ इकट्ठा हुए हैं, जो भारत को आर्थिक प्रगति से वंचित कर देगा। ये स्वार्थ का गठबंधन बहुमुखी है। ईरानी ने कहा कि जिस डीएमके पार्टी पर 1990 के दशक में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने राजीव गांधी हत्या का आरोप लगाया, आज उसी गांधी खानदान से उसके रिश्ते मधुर हैं।

स्वार्थ के गठबंधन की नज़र भारत के तिजोरी पर- ईरानी

स्मृति ईरानी ने आगे कहा कि सोनिया गांधी पर शरद पवार की टिप्पणी भी देश नहीं भूला है। आप का गठबंधन के शुरुआत में ही ब्लैकमेल करना ये बताता है कि आगे क्या होने वाला है। सोनिया जी स्पष्ट करें कि क्या वह महबूबा जी के 370 के बयान पर साथ हैं। सोनिया गांधी को अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए । स्वार्थ के गठबंधन की नज़र भारत के तिजोरी पर है। बीजेपी चीफ जेपी नड्डा ने कहा कि इंदिरा गांधी आपातकाल के दौरान जिन नेताओं को जेल में डलवाया था, अब वह राहुल गांधी का स्वागत कर रहे हैं।कांग्रेस को प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा हजम नहीं हो रही है।

ईडी- सीबीआई की वजह से ये लोग भागते फिर रहे हैं- बिधूड़ी

बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा कि इन लोगों ने 40 साल देश को लूटा। मोदी जी ने सीबीआई और ईडी को फ्री हैंड़ दे दिया है तो ये लोग भागते फिर रहे हैं। उन्होंने कहा किरीजनल पार्टी कांग्रेस को खा रही हैं। बंगाल में ममता ने कांग्रेस को खाया और दिल्ली में आप ने कांग्रेस को खाया। जब तक अरविंद केजरीवाल कांग्रेस के बारे में अपना रुख साफ नहीं करेंगे तो कांग्रेस कैसे उनपर विश्वास करेगी। दिल्ली में केंद्र सरकार के अध्यादेश को लेकर बिधूड़ी ने कहा कि अध्यादेश तो एक बहाना है, दरअसल अरविंद केजरीवाल जानते हैं कि उन्हें जेल जाना है और वह जेल जाने से बचने के लिए यह सब कर कर रहे हैं।कांग्रेस को भी यह बात मालूम है कि अरविंद केजरीवाल जेल जाने वाले हैं, इसलिए कांग्रेस भी खुलकर कुछ नहीं बोल रही है।

'परिवार बचाओ' बैठक चालू है- फडणवीस

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि 'परिवार बजाओ' चल रहा है। बीजेपी और एनडीए ज्यादा सीटें जीतेगी। यह एक परिवारवादी दृश्य है। 'परिवार बचाओ' बैठक चालू है। उद्धव ठाकरे को लेकर फडणवीस ने कहा कि पहले विरोध करते थे, लेकिन उद्धव ठाकरे अब गठबंधन और महबूबा मुफ्ती के साथ बैठने की बात कर रही हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लिखी किताब का तीन जुलाई को होगा लोकार्पण, लालू भी रहेंगे मौजूद

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जीवन पर लिखी गई एक नयी किताब का लोकार्पण तीन जुलाई को पटना में होगा जिसमें उनके निजी और राजनीतिक जीवन की झलक देखने को मिलेगी। प्रकाशक ने बृहस्पतिवार को बताया कि 'नीतीश कुमार : अंतरंग दोस्तों की नजर से' शीर्षक वाली पुस्तक का लोकार्पण राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव तीन जुलाई को में करेंगे।

उनके ऐसे करीबी दोस्तों से कहानियां एकत्रित की हैं

लेखक उदयकांत ने नीतीश कुमार की जिंदगी के कम ज्ञात पहलुओं से रूबरू कराने के लिए उनके ऐसे करीबी दोस्तों से कहानियां एकत्रित की हैं जो 50 साल से अधिक समय से उनके संपर्क में हैं। कांत ने कहा कि नेताओं की जीवनी उनकी राजनीतिक यात्रा के ईर्द-गिर्द घूमती है और व्यक्ति के सामने आई परिस्थितियों तथा मानसिकता की बहुत कम जानकारी मिलती है जिनकी वजह से वे मौजूदा मुकाम पर पहुंचे होते हैं। उन्होंने कहा, ''इस संबंध में नीतीश की जीवनी अलग है। यह छोटे कस्बे से शुरू होती और सड़कों पर संघर्ष के बाद अंततः उनके मौजूदा मुकाम तक पहुंचती है। कहानी न केवल उनके संघर्ष को बयां करती है, बल्कि उनकी निजी जिंदगी, परिवार और राजनीतिक माहौल पर भी प्रकाश डालती है तथा उन कई कहानियों को भी सामने लाती हैं जो समय की धूल के नीचे छिप गई थीं। राजकमल प्रकाशन समूह के अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी ने कहा यह जीवनी नीतीश कुमार की जिंदगी के कई अंतरंग पहलुओं को सामने लाएगी जो पहले लोगों के सामने नहीं आए थे। यह प्रेरणादायक और हृदयस्पर्शी जीवनी है। यह खुशी की बात है कि बिहार के दूसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार की जीवनी को राजकमल प्रकाशन ने प्रकाशित किया है।

नालंदा में जी-20 के मेहमानों का बिहारी परंपरा से हुआ स्वागत, मधुबनी पेंटिंग-मगही संस्कृति की दिखी झलक

नालंदा, 23 जून (एजेंसियां)। जी-20 सम्मेलन में शामिल विदेशी प्रतिनिधियों के नालंदा भ्रमण के दौरान 'अतिथि देवो भव' की परंपरा के साथ बिहारी रीति-रिवाज से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मधुबनी पेंटिग, मगही संस्कृति का भी समावेश दिखा। स्वागत समारोह में स्थानीय महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सबसे पहले प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय भग्नावशेष के मुख्य द्वार पर जीविकाकर्मी, सीडीपीओ कार्यालय के कर्मी व शिक्षा विभाग के कर्मी के द्वारा तिलक लगाने के बाद माला पहना कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत सभी मेहमानों को अंग वस्त्र प्रदान किया गया। इन सभी अंग वस्त्रों पर मिथिला पेंटिंग की गई थी। इस कार्यक्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारी व कर्मियों ने अग्रणी भूमिका निभाई। स्वागत समारोह में भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधि भी शामिल थे। स्वागत गान सिलाव प्रखंड की जीविका कर्मियों के द्वारा गाया गया। स्थानीय स्तर नालंदा के 8 लोगों को गाइड के लिए जिला प्रशासन की ओर से प्रतिनियुक्ति की गई थी।

बिहार की प्रसिद्ध मिठाई और व्यंजनों का उठाया लुत्फ

टी पार्टी के दौरान मेहमानों को बिहार की प्रसिद्ध मिठाई जैसे सिलाव का खाजा लिट्टी चने की घुघनी, गया का इनरसा, बालूशाही, चाट, छोले , लस्सी, छाछ, आम रस आदि परोसे गए। सभी मेहमानों ने बिहारी मिठाइयों के स्वाद की काफी सराहना की। जानकारी हो कि इस सम्मेलन में शामिल प्रमुख देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चाइना ,यूरोपीयन यूनियन ,फ्रांस ,जर्मनी, इंडिया, इंडोनेशिया ,इटली, जापान, मेक्सिको, रशिया, साउथ अफ्रीका, सऊदी अरब, साउथ कोरिया, टर्की, यूनाइटेड किंग्डम, एवं यूएसए के प्रतिनिधि शामिल हैं।

विभिन्न देशों से पहुंचे 50 प्रतिनिधि

इस सम्मेलन में भारत समेत दुनिया के 28 देशों के केंद्रीय श्रम संगठनों के प्रतिनिधि और श्रम क्षेत्र के लगभग 75 विशेषज्ञ के भाग लेंने की चर्चा थी। हालांकि, नालंदा में विदेशी मेहमानों की संख्या में भारी कमी देखी गयी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सूत्रों के अनुसार, 49 प्रतिनिधि यहां आए, जिनमें 14 विदेशी मेहमान थे। बिहार कला एवं संस्कृति विभाग को जी-20 बैठक के आयोजन के लिए नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया था।पर्यटन मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि जी-20 बैठक के लिए अन्य स्थानों के अलावा बिहार के ऐतिहासिक शहरों को चुनने के पीछे का विचार 'विरासत स्थलों की तरफ ध्यान आकर्षित करना' है। भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत हंपी, खजुराहो व नालंदा सहित देशभर के 55 शहरों के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले स्थानों पर 200 से अधिक बैठकें आयोजित किए जाने की योजना है। बैठक में दो प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा होगी। इनमें पहला सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा और दूसरा महिला और रोजगार है।

पटना की गर्मी के बाद अब हिमाचल में राहुल गांधी के नाम पर पर महागठबंधन में कर सकेंगे कोई निर्णय, मोदी का तंज

पटना, 23 जून (एजेंसियां)। विपक्षी बैठक को लेकर बिहार की राजनीति में जमकर आरोप-प्रत्यारोप लग रहे हैं। महागठबंधन सरकार इसे सफल बता रही है तो बीजेपी नीतीश कुमार को आड़े हाथों ले रही है। वहीं, इस पर बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को कहा है कि विपक्ष की बैठक टांय- टांय फिश हो गई। कहावत है 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' परंतु बैठक के बाद जो चुहिया निकली वह भी मरी हुई। विपक्षी एकता की बैठक की एक ही उपलब्धि है कि अगली बैठक का स्थान तय कर पाए। पटना की 40 डिग्री वाली गर्मी में कुछ निर्णय नहीं हो पाया। शायद हिमाचल की ठंडी वादियों में राहुल गांधी लालू यादव के प्रस्ताव पर निर्णय लेंगे?

केजरीवाल गुस्से में प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर चले गए- सुशील मोदी

सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बैठक में न तो प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार, न ही नीतीश कुमार को संयोजक बनाने की चर्चा हुई। उल्टे अरविंद केजरीवाल गुस्से में प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर चले गए। सात मुख्य विपक्षी दल बैठक से नदारद थे। 15 शामिल दलों में 10 परिवारवादी दल हैं और 12 दल हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। ऐसे वंशवादी और भ्रष्टाचारी से लिप्त पार्टियां ईमानदार नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर सकती।

पटना में जुटे थे विपक्ष के तमाम दिग्गज

बता दें कि सीएम नीतीश कुमार की अगुवाई में पटना में विपक्ष की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, राकांपा अध्यक्ष शरद पवार, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती सहित कई विपक्षी नेता शामिल हुए।

हमारी सरकार बनी तो राज्य में नहीं दिखेगा मुगलों का इतिहास सीतामढ़ी में बनेगा सीता का भव्य मंदिर: सम्राट चौधरी

सीतामढ़ी, 23 जून (एजेंसियां)। शिवहर,भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में भाजपा की सरकार बनी तो एक भी मुगलों का इतिहास नहीं दिखेगा। यूपी में बन रहे भगवान श्रीराम मंदिर की तर्ज पर सीतामढ़ी में माता सीता का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। वहीं, पटना में विपक्षी दल की बैठक को देश को बेचने वालों की बैठक बताते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि ये लोग पीएम कैंडिडेट का नाम घोषित नहीं करेंगे। तीन महीना नीतीश कुमार, तीन महीना ममता दीदी, छह महीने केजरीवाल और छह महीने के लिए राहुल गांधी पीएम बनना चाहते हैं। ये सारे लोग लुटेरे हैं। जो देश को बेचना चाहते हैं।

नीतीश कुमार को सम्राट की चुनौती

शिवहर दौरे पर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ने परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि अगर नीतीश कुमार में हिम्मत है, तो विधानसभा भंग कर चुनाव लड़े। पांच सीट भी नहीं मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार पलटू कुमार हो गए है। सीएम की मानसिक स्थिति खराब हो गई हैं।

टायर में चिप्पी लगाकर सरकार चला रहे नीतीश- सम्राट चौधरी

इसके पूर्व समाहरणालय मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने शराबबंदी पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार में अब शराब की होम डिलीवरी हो रही है। सीएम नीतीश कुमार को बीच-बीच में पीएम बनने का कीड़ा काटता है। 2013 के बाद नीतीश कुमार टायर में चिप्पी लगाकर सरकार चला रहे हैं। आने वाले समय में यह चक्का ब्लास्ट हो जाएगा।

आरक्षण के मुद्दे पर लालू को घेरा

सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आरक्षण का फायदा लालू प्रसाद ने उठाया। पहले अपनी पत्नी को सीएम बनाया। फिर बेटा-बेटी को आरक्षण दिया। कर्पूरी ठाकुर को जनसंघ के लोगों ने सीएम बनाया। लालू प्रसाद को भी सीएम बनाया। भाजपा ने ही नीतीश कुमार को पांच बार सीएम बनाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2014 के पहले और 2014 के बाद के भारत में काफी अंतर आया है। आज विश्व में भारत के नाम का डंका बजा है।

अमर गिरी और पवन महाराज को फिर से समन, 11 जुलाई को पेश होने का आदेश

प्रयागराज, 23 जून (एजेंसियां)। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि खुदकुशी मामले में वादी अमर गिरी और पवन महाराज पेश नहीं हुए। दोनों का जिला जज की कोर्ट में बयान दर्ज होना था। पिछली सुनवाई पर पूरा बयान दर्ज नहीं हो सका था। कोर्ट में पेश नहीं होने पर दोनों को फिर से समन जारी किया गया है। 11 जुलाई को बयान दर्ज करने के लिए जिला जज संतोष राय ने तलब किया है। मामले में आरोपी आनंद गिरी उर्फ अशोक चोटिया की ओर से कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई। अर्जी में वकील से शांत जगह पर मुलाकात के लिए एक घंटे की मांग की गई है। वकील से मुलाकात के दौरान जेल प्रशासन का कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं होना चाहिए। आनंद गिरि की अर्जी को पत्रावली पर रखा गया है। अगली सुनवाई में कोर्ट आनंद गिरी की अर्जी पर भी फैसला लेगी।

अलीगढ़ की मॉडल से सपा नेता ने किया रेप, प्राइवेट फोटोज दिखाकर किया ब्लैकमेल, एक साल बाद मुकदमा दर्ज

अलीगढ़, 23 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना क्वार्सी में नगर निगम की पूर्व ब्रांड एंबेसडर और एक मॉडल ने समाजवादी पार्टी के नेता के खिलाफ रेप की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है। अपनी शिकायत में मॉडल ने बताया है कि समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के पूर्व महानगर अध्यक्ष कौशल दिवाकर के साथ फेसबुक के जरिए संपर्क हुआ था। जिसके बाद व्हाट्सएप पर बातें शुरू हुई। वक्त के साथ आरोपी ने नजदीकियां बढ़ाई और 20 अप्रैल 2022 की शाम को अपनी सफारी कार में बिठाकर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। शिकायतकर्ता मॉडल के अनुसार कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद उसे होश नहीं रहा और इसी दौरान उसके साथ उसकी बिना मर्जी और सहमति के रेप की घटना को अंजाम दिया गया। शिकायतकर्ता मॉडल के अनुसार वह लोक लाज के कारण उन दिनों शिकायत नहीं कर सकी और चुप रह गई। पीड़िता ने बताया कि आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर यहीं नहीं रुका और उसको जबरन घुमाने फिराने ले जाने लगा। इसी दौरान मॉडल की आरोपी ने कई प्राइवेट फोटोज अपने मोबाइल में ले लिए। मॉडल इन सभी चीजों से परेशान होकर मुंबई जाकर रहने लगी और अपना काम करने लगी। किसी प्रकार वहां का एड्रेस निकालकर आरोपी मुंबई पहुंच गया और वहां भी जबरन उसने फोटो वायरल करने की धमकी देकर रेप किया।

कमला हैरिस ने पीएम मोदी से मिलकर भारत की प्रशंसा की

उन्होंने कहा-भारत के इतिहास ने न केवल मुझे प्रभावित किया बल्कि पूरे विश्व को आकार दिया

वॉशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शुक्रवार को कहा कि भारत के इतिहास एवं शिक्षाओं ने दुनिया को आकार दिया, वहीं इसके दर्शन ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। कमला ने यह भी कहा कि भारत उनकी जिंदगी का "बहुत अहम हिस्सा" है और वह इस देश से गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान में दिए दोपहर के भोज में कहा, "भारत के इतिहास और शिक्षाओं ने न केवल मुझे प्रभावित किया है, बल्कि निश्चित रूप से पूरी दुनिया को आकार भी दिया है।"

हैरिस ने कहा, "पूरे इतिहास में, भारत ने दुनियाभर के लाखों लोगों को प्रेरित किया है, चाहे वह दर्शन और धर्मशास्त्र के माध्यम से हो, सविनय अवज्ञा की शक्ति से या फिर लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता के जरिये।" अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने बचपन में की गई भारत की विभिन्न यात्राओं को भी याद किया। उन्होंने कहा, "जब मैं और मेरी बहन माया बड़े हो रहे थे, तब हमारी मां हमें लगभग हर दूसरे साल भारत ले जाती थीं। उन यात्राओं के कई मकसद थे, जिनमें यह भी शामिल था कि हम अच्छी तरह से समझ सकें कि वह कहां से आई थीं, वहां कहां पैदा हुई थीं, ताकि हम अपने नाना-नानी, अपने मामा और अपनी मौसियों के साथ समय बिता सकें, ताकि हम इडली के साथ परोसे जाने वाले प्यार को समझ सकें।"

कमला हैरिस ने कहा, 'हम अपने नाना-नानी से मिलने के लिए अक्सर चेन्नई जाते थे। और मैं आपको बताना चाहूंगी कि मेरे नाना वास्तव में मेरे सबसे पसंदीदा लोगों में से एक थे। जब मैं छोटी थी, तब हम एक-दूसरे को खूब पत्र लिखा करते थे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनके नाना का उन पर गहरा प्रभाव था। उन्होंने कहा, "मैं उनकी सबसे बड़ी नातिन थी। और मुझे यकीन है कि आपमें से कई लोगों को पता होगा कि सबसे बड़ा होने की क्या अहमियत होती है। इसलिए, मैं परिवार में अपने

इस ओहदे का भरपूर फायदा उठाया करती थी। और मेरे नाना मुझे और लगभग मेरे सभी भाई-बहनों को भरोसा दिलाने में सफल रहे थे कि हम उनके सबसे पसंदीदा हैं। बावजूद इसके, मैं परिवार की अकेली ऐसी बच्ची थी, जिसे मेरे नाना सुबह सैर पर अपने साथ ले जाते थे।'

हैरिस ने कहा, 'सुबह की सैर पर जब मैं नाना को अपने सेवानिवृत्त दोस्तों के साथ विभिन्न मुद्दों पर बात करते सुनती थी, तो मुझे ज्यादा मजा नहीं आता था। लेकिन, मैं भारत के स्वतंत्रता सेनानियों एवं संस्थापक नायकों और देश की आजादी से जुड़े किस्से-कहानियों को स्पष्ट रूप से समझती थी और ये कहानियां मुझे आज भी याद हैं। मुझे याद है कि वे किसी की आस्था या जाति की परवाह किए बिना भ्रष्टाचार से लड़ने और समानता के लिए लड़ने के महत्व के बारे में बात करते थे।'

हैरिस ने कहा कि छोटी उम्र में नाना के साथ सैर के दौरान हुए संवादों ने उनकी सोच को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, "मुझे याद है कि सैर के दौरान मेरे नाना ने मुझे न सिर्फ यह बताया कि लोकतंत्र क्या है, बल्कि यह भी समझाया कि लोकतंत्र को बनाए रखने के क्या मायने हैं। मेरा मानना है कि ये कम उम्र में मिली वे शिक्षाएं हैं, जिन्होंने सार्वजनिक सेवा को लेकर मुझमें सबसे पहले दिलचस्पी जगाई। मैं अब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे पूरी तरह से एहसास होता है कि इन संवादों ने मुझ पर और मेरी सोच पर कितना प्रभाव डाला।"

कमला ने भारत की 21वीं सदी में वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने में मदद करने के लिए उसे शानदार नेतृत्व प्रदान करने के वास्ते मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा, "आपने क्वाड को फिर से मजबूत करने में मदद की है। जी20 की आपकी अध्यक्षता के दौरान जलवायु वित्त के संबंध में नयी प्रगति देखने को मिल रही है। और आप वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और वैश्विक समाधानों के समर्थक रहे हैं।"

मोदी बोले- अमेरिका में ही रिन्यू होंगे एच-1बी वीजा

कहा- आपसे मिलना स्वीट डिश जैसा, सिंगर मिलबेन ने राष्ट्रगान गाने के बाद पीएम के पैर छुए

वॉशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी दौरे के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोनाल्ड रीगन सेंटर में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'यहां मुझे हिंदुस्तान के हर कोने के लोग नजर आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है जैसे मिनी इंडिया उमड़ा है। अमेरिका में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सुंदर तस्वीर दिखाने के लिए आपको बधाई देता हूं।'

इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। इसके बाद पुरस्कार विजेता इंटरनेशनल सिंगर मैरी मिलबेन ने भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया। इसके बाद मिलबेन ने पीएम के पैर छुए।

अमेरिका में ही रिन्यू हो जाएगा एच-1बी वीजा

उन्होंने बताया कि अब अमेरिका में ही एच-1बी वीजा रिन्यू हो जाएगा। इसके लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। पीएम ने कहा, 'जैसे भोजन के बाद स्वीट डिश मिलती है, वैसे ही आपसे बात करना एक मीठी डिश थी जिसे मैं खाकर जा रहा हूं।' पीएम मोदी ने कहा कि बीते 3 दिनों में मैंने जो बाइडेन के साथ कई मुद्दों पर बात की। मैं

अनुभव से कहता हूं कि बाइडेन एक सुलझे हुए अनुभवी नेता हैं।' भारत लोकतंत्र की जननी है और अमेरिका, आधुनिक लोकतंत्र का चैम्पियन है। आज दुनिया, दो महान लोकतंत्रों की साझेदारी को और सशक्त होते देख रही है। भारत में हो रही प्रगति का सबसे बड़ा कारण है- भारत का आत्मविश्वास, भारत के लोगों का आत्मविश्वास है। भारत में पिछले कुछ सालों में डिजिटल क्रांति आई है। भारत इस साल सिएटल में एक नया कॉन्सुलेट खोलने जा रहा है। इसके अलावा भी अमेरिका के 2 और शहरों में भारतीय कॉन्सुलेट खोले जाएंगे। अब अहमदाबाद और बेंगलुरु में भी अमेरिका के नए कॉन्सुलेट खुलने जा रहे हैं।

फाइटर इंजन प्लेन बनाने का फैसला भारत के डिफेंस सेक्टर के लिए यह मील का पत्थर साबित होगा। इस समझौते से अमेरिका म्यूचुअल ट्रस्ट को भी शेयर करेगा। भारत में गूगल का ए1 रिसर्च सेंटर 100 से ज्यादा भारतीय भाषाओं पर काम करेगा। इससे भारत में ऐसे बच्चों को पढ़ने में आसानी होगी, जिनकी मातृभाषा अंग्रेजी नहीं है। भारत सरकार की मदद से यहां यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन में तमिल स्टडी चेयर की स्थापना की जाएगी। दुनिया की सबसे पुरानी भाषा तमिल भाषा है और वो हमारी भाषा है। इस कदम से तमिल भाषा का प्रभाव बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अब मेन इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड बनेगा। भारत में ज्यादा से ज्यादा निवेश का यह सही समय है। दोनों देश एक बेहतर मजबूत देश की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी सरकार ने भारत की पुरानी मूर्तियां और चीजें जो चोरी हुई थीं, उनमें 100 से ज्यादा लौटाने का फैसला लिया है।

72 घंटे में यूक्रेन को पानी पिलाने का दावा करने वाले पुतिन बुरे फंसे

मास्को, 24 जून (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच में भीषण युद्ध कई महीनों बाद में जारी है। स्थिति सिर्फ इतनी बदली है कि एक बार फिर रूस कमजोर पड़ा है और यूक्रेन फिर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रहा है। यानी कि रूस और यूक्रेन में जोरदार टक्कर जारी है। अब एक तरफ रूस को यूक्रेन का मुकाबला करना है, दूसरी तरफ उसे अपने देश में भी बगावत का सामना करना पड़ रहा है।

वागनर आर्मी ने रूस और रूसी सरकार के खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया है। वो तेजी से मॉस्को की तरफ बढ़ गई है। वागनर आर्मी इसे बगावत से ज्यादा न्याय की लड़ाई बता रही है। लेकिन सवाल ये उठता है कि आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ी? आखिर ऐसा क्या हुआ कि वागनर आर्मी को पुतिन के खिलाफ भी आवाज उठानी पड़ गई? सवाल ये भी कि क्या राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू कर कोई बड़ी गलती कर दी है? क्या उनके

तमाम आकलन अब गलत साबित हो रहे हैं?

सबसे पहले वागनर आर्मी वाले विवाद को समझने की कोशिश करते हैं। असल में रूस में एक उसकी आधिकारिक सेना है जिसका सरकार से सीधा कनेक्शन है, जो सामने युद्ध लड़ती है। जिसके सैनिक अगर मारे जाएं तो उन्हें शहीद का दर्जा भी दिया जाता है। लेकिन दूसरी है ये वागनर आर्मी, जिसे प्राइवेट मिलिट्री आर्मी भी कहा जा सकता है। ये आधिकारिकत तौर पर ना सरकार से जुड़ी है ना रूस से इसका कोई वास्ता है। लेकिन फिर भी काम ये रूस के लिए करती है, रूस के लिए इसके सैनिक मरते हैं।

अमेरिकी सांसद ने पीएम मोदी का किया विरोध, मुस्लिम शख्स का करारा जवाब

यहां ये समझना जरूरी है कि रूस के लिए ये प्राइवेट आर्मी बहुत काम की है। इस आर्मी वो कोई भी सीक्रेट मिशन करवा सकती है, किसी भी युद्ध में उन्हें भेज सकती है, और फिर भी रूस की कोई जवाबदेही नहीं होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि वागनर एक प्राइवेट आर्मी है, उसके किसी भी एक्शन की रूस जिम्मेदारी नहीं लेगा। बड़ी बात ये भी है कि रूस में कितने सैनिकों की मौत हुई, इसका एक डेटा रखा जाता है। लेकिन वागनर आर्मी के कितने सैनिक मरे, इसका कोई आंकड़ा जारी नहीं करना होता, रखने की जरूरत भी नहीं पड़ती। इसी वजह से रूस की सरकार के लिए ये एक वैगनर आर्मी बड़ी मदद है।

अब बताया जा रहा है कि इसी वागनर आर्मी के कई जवान रूस-यूक्रेन जंग में मारे गए हैं। यूक्रेन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने में भी इस वागनर आर्मी का ही हाथ है। लेकिन एक ऑडियो मैसेज जो सामने आया है, उसके मुताबिक वागनर आर्मी ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन में रूस के मिसाइल हमलों ने असल में उन्हीं के कई सैनिकों को मार दिया है। इसी वजह से वागनर के सैनिक अब वापस रूस लौट आए हैं। उनका कहना है कि न्याय के लिए रूसी सरकार के खिलाफ भी विरोध किया जाएगा।

पीएम मोदी के यूएस दौरे और आतंकवाद के जिक्र से बौखलाया पड़ोसी

इस्लामाबाद, 24 जून (एजेंसियां)। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा छाई रही। पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने भारत और अमेरिका की उस संयुक्त मांग पर ध्यान केंद्रित किया जिसमें पाकिस्तान को यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि उसके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवादी हमले के लिए नहीं किया जाये। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान से 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए हमले और पठानकोट हमले के अपराधियों को दंडित करने का भी आह्वान किया है।

'डॉन' अखबार की वाशिंगटन से जारी एक खबर में कहा गया है कि संयुक्त बयान में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया गया है। संयुक्त बयान में गुरुवार को कहा गया, ''अमेरिका और भारत वैश्विक आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक साथ खड़े हैं और आतंकवाद के सभी रूपों की स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं।''

सीमापार से बंद हो आतंकवाद

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति बाइडेन ने सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की और पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया कि उसके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादी हमलों के लिए नहीं किया जाये। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, ''अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की मांग की कि पाकिस्तानी सरजमीं का इस्तेमाल ''आतंकवादी हमले करने'' के लिए नहीं किया जाये।''

आतंकवादी संगठनों के खिलाफ हो ठोस कार्रवाई

इसमें कहा गया है कि बाइडेन और मोदी ने अलकायदा और हिजबुल-मुजाहिदीन सहित सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान भी किया। समाचार पत्र 'द न्यूज इंटरनेशनल' की खबर के अनुसार मोदी के अमेरिका के राजकीय दौरे पर जारी एक संयुक्त बयान में दोनों नेताओं ने कथित तौर पर पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया गया है। मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन के निमंत्रण पर 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर हैं।

सावन में काशी विश्वनाथ मंदिर में सुगम दर्शन महंगा

वाराणसी, 24 जून (एजेंसियां)। वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट ने सावन महीने में दर्शन और आरती के लिए नई रेट लिस्ट जारी की है। अब सुगम दर्शन के लिए 300 की जगह 500 रुपए देने होंगे। जबकि मंगला आरती के लिए 500 की जगह 1000 हजार रुपए देने होंगे। सावन महीने के आठों सोमवार को रेट और ज्यादा होगा। इस दिन सुगम दर्शन करने के लिए 750 और मंगला आरती के लिए 2000 रुपए देने पड़ेंगे। यह रेट 4 जुलाई से लागू होगा और 31 अगस्त तक जारी रहेगा। मंदिर के सीईओ सुनील कुमार वर्मा ने यह जानकारी दी। वर्मा ने बताया कि मध्याह्न आरती भोग, सप्तर्षि आरती, रात्रि श्रृंगार आरती के लिए 500 रुपए देने होंगे। यह रेट सावन को छोड़कर अन्य दिनों में 300 रुपए है। वहीं, 1 शास्त्री से रुद्राभिषेक करवाने के लिए 700 रुपए और 5 शास्त्रियों से रुद्राभिषेक के लिए 2100 रुपए देने होंगे। वहीं, संन्यासी भोग के लिए सोमवार के दिन 7500 रुपए देने होंगे। जबकि अन्य दिनों 4500 रुपए देने पड़ेंगे। सुगम दर्शन का शुल्क देने के बाद भक्तों को लाइन में खड़े होने की जरूरत नहीं होती है।

शहजादा दाऊद से पहले इन्हे मिला था टाइटन सबमरीन पर सवार होने का मौका

आखिरी वक्त पर किया इनकार

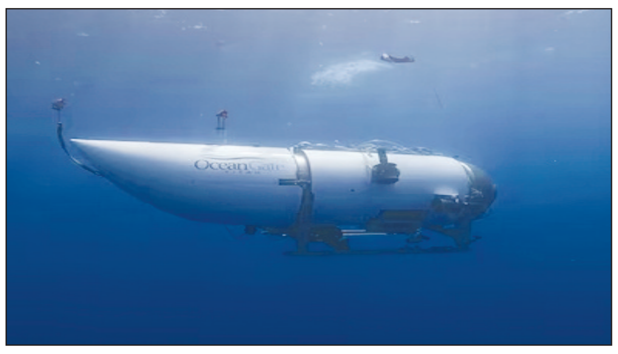

वाशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। अटलांटिक महासागर की गहराइयों में पर्यटक पनडुब्बी टाइटन रविवार को लापता हो गई थी। लापता हुई सबमरीन टाइटन का मलबा मिल गया है। इस पनडुब्बी में सवार पांचों अरबपतियों के मौत की पुष्टि भी हो चुकी है। यह खबर पूरी दुनियाभर में विषय का चर्चा बनी है। इस बीच लास वेगास में रहने वाले निवेशक जे ब्लूम ने चौंकाने वाली बात कही है। उन्होंने कहा है कि सबमरीन टाइटन के मालिक स्टॉकटन रश ने एक साल पहले समुद्री दुनिया दिखाने के लिए उनके बेटे और उन्हें मनाने की कोशिश की थी। जे ब्लूम का बेटा सीन ब्लूम टाइटैनिक जहाज का मलबा देखने के लिए बहुत उत्सुक था।

स्टॉकटन रश की पेशकश के बाद जे ब्लूम ने सबमरीन टाइटन के बारे में काफी कुछ पढ़ा। ब्लूम के अंदर उसकी सेफ्टी को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी थी। ब्लूम ने अंत में स्टॉकटन रश की पेशकश को ठुकरा दिया था। ब्लूम का बेटा अब 20 साल का हो गया है। वह बचपन से ही टाइटैनिक जहाज के बारे में पढ़ता आ रहा है, लेकिन सुरक्षा समस्या को लेकर उसके पिता जे ब्लूम सतर्क हो गए थे। जे ब्लूम के न जाने पर पाकिस्तानी अरबपति शहजादा दाऊद और उनके बेटे सुलेमान को सबमरीन टाइटन में जगह मिली।

2018 में ही सबमरीन टाइटन की सुरक्षा पर उठे थे सवाल

ब्लूम ने कहा, "जब भी मैं उस पाकिस्तानी व्यवसायी और उसके 19 वर्षीय बेटे की तस्वीर देखता हूं, तो मुझे लगता है कि अगर मैं इनकार नहीं करता तो इस जगह मैं और मेरा 20 वर्षीय बेटा हो सकता था। लेकिन भगवान की कृपा से हम सुरक्षित हैं। ब्लूम ने कहा कि टाइटन के डिज़ाइन के बारे में सुरक्षा प्रश्न 2018 में ही उद्योग विशेषज्ञों और रश की फर्म के एक पूर्व कर्मचारी द्वारा उठाए गए थे। लेकिन रश का आत्मविश्वास अटल था।"

सबमरीन टाइटन में कौन-कौन था?

पनडुब्बी में उसके मालिक स्टॉकटन रश, एक फ्रांसीसी पनडुब्बी ऑपरेटर पॉल-हेनरी नार्गोलेट, ब्रिटिश एविएशन टाइकून हामिश हार्डिंग और शहजादा दाऊद और उनके 19 वर्षीय बेटे सुलेमान मौजूद थे। सभी के मौत की पुष्टि हो गई है।

पहली वुडन सिटी स्वीडन में, इमारतें आग प्रतिरोधी होंगी

215 लाख वर्गमीटर में बनेगा शहर, 11,500 करोड़ रुपए खर्च होंगे, कार्बन फुटप्रिंट 40% कम रहेगा

स्टॉकहोम, 24 जून (एजेंसियां)। दुनियाभर में एक अनूठी होड़ मची हुई है। लकड़ी की गगनचुंबी इमारतें बनाना। पहले यह रिकॉर्ड नॉर्वे में माजोसा झील के तट पर 85 मीटर के टावर माजोस्टारनेट के पास था। इसमें फ्लैट, एक होटल और एक स्विमिंग पूल है। 2022 में अमेरिका के विस्कॉन्सिन में 87 मीटर ऊंची एसेंट ने यह तमगा छीन लिया। अब कनाडा के ओंटारियो में 90 मीटर और स्विट्जरलैंड में 100 मीटर के स्कायस्क्रेपर की योजना पर काम चल रहा है।

इस हफ्ते स्वीडन ने दुनिया का सबसे बड़ा लकड़ी का शहर बनाने की घोषणा करके दुनियाभर का ध्यान खींचा है। 'स्टॉकहोम वुड सिटी' सिक्ला में बनाई जाएगी।

2 15 लाख वर्गमीटर की साइट पर रेस्तरां और दुकानों के साथ-साथ 2,000 घर और 7,000 ऑफिस भी बनेंगे। करीब 11,500 करोड़ रुपए का यह प्रोजेक्ट स्वीडन की सिटी डेवलपमेंट कंपनी एट्रियम जुंगबर्ग के निर्देशन में 2025 से शुरू होगा।

इमारतें ग्रीन और हल्की होंगी

कंपनी की प्रमुख एन्निका अनस कहती हैं- आधुनिक प्रोजेक्ट्स की तरह, वुड सिटी के घरों में नींव में कुछ कंक्रीट व स्टील इस्तेमाल होगा पर इनकी मात्रा बहुत कम रहेगी। लकड़ी की इमारतें हल्की होती हैं, इसलिए उनकी नींव छोटी रख सकते हैं। इसके अलावा इंजीनियर्ड वुड की हर परत में लकड़ी के हिस्सों को इमारत के अलग-अलग घटकों, जैसे फर्श, दीवारें, क्रॉस ब्रेसेस और बीम को अत्यधिक उच्च स्तर की ताकत देने के हिसाब से अलाइन किया गया है। इनका निर्माण फैक्ट्री में संभव है, जहां इनकी मजबूती बेहतर और गुणवत्ता बनाए रखना आसान होता है। अनस कहती हैं- लकड़ी के घर सस्ते होंगे, इन्हें बनाने में शोर भी कम होगा। लकड़ी की इमारतों को लेकर सबसे बड़ी चिंता आग लगना है। इसके लिए वुड सिटी की इमारतों में कई फायर सेफ्टी सिस्टम लगाए जाएंगे। स्प्रिंकलर व फ्लेम रेजिस्टेंट परतें रहेंगी।

शोधकर्ता दावा करते हैं कि इंजीनियर्ड लकड़ी अत्यधिक आग प्रतिरोधी है। इससे पहले अमेरिका में 'एसेंट' इमारत के निर्माण से पहले अमेरिकी वन सेवा ने प्रोजेक्ट में इस्तेमाल होने वाली लैमिनेटेड लकड़ी के सेक्शन्स का गहन परीक्षण किया। इसमें आग प्रतिरोधी होने की रेटिंग मिली थी। कंपनी का दावा है- इस प्रोजेक्ट से कंक्रीट व स्टील के निर्माण की तुलना में कार्बन फुटप्रिंट 40% तक घटा सकेंगे। लकड़ी टिकाऊ मटेरियल है और स्वीडन में प्रचुर मात्रा में हैं। इसके अलावा नवीकरणीय जंगलों से इनका उत्पादन किया जा सकता है। जब इस लकड़ी को निर्माण में उपयोग करते हैं तो ये कॉर्बन को लॉक कर देती है। वैसे भी प्रोजेक्ट में इंजीनियर्ड लकड़ी से बने सेक्शन्स का इस्तेमाल होगा।

इंजीनियर्ड लकड़ी सामान्य लकड़ी चिपबोर्ड, प्लाय से ज्यादा मजबूत है। इसमें लकड़ी की परतों को विशिष्ट तरीकों से एक साथ लैमिनेट करते हैं।

यूलिन में लगता है अवैध मीट मार्केट, बिकता है कुत्तों का मांस!

यूलिन, 24 जून (एजेंसियां)। प्रकृति ने अपने हिसाब से दुनियाभर के जीवों को उतनी ही महत्ता से बनाया है जितना उसने इंसानों को बनाया है। पर इंसानों को लगने लगा है कि वो जानवरों से बड़े और ताकतवर है, ऐसे में इंसान जानवरों पर इतने अत्याचार करते हैं, कि कई जानवरों की तो आबादी भी खत्म होने लगी है। इसी अत्याचार का एक नमूना चीन में देखने को मिलता है जहां कुत्तों से जुड़ा एक मीट फेस्टिवल होता है। इस त्योहार में कुत्तों को प्रताड़ित किया जाता है और फिर उन्हें जिंदा जलाकर मार्केट में बेच दिया जाता है। इन दिनों ये फेस्टिवल फिर से जारी है।

गूगल के अनुसार इस साल चीन के यूलिन में होने वाला डॉग मीट फेस्टिवल 21 जून से 1 जुलाई तक चलेगा। ऐसे में कुत्तों पर होने वाले अत्याचार का नमूना लोगों को देखने को मिल रहा है। डेली स्टार न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट हाल ही में एक अवैध मीट मार्केट में घुसे, जहां कुत्तों को जलाकर, फ्राई कर मार्केट में बेचा जाता है। यहां का नजारा भयानक था और एक्टिविस्ट ने करीब 19 कुत्तों की जान भी बचाई है। तस्वीरें इतनी भयानक हैं कि आपको दिखाई भी नहीं जा सकतीं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बात मार्केट डॉग मीट खाने वाले लोगों से उतनी नहीं भरी नजर आ रही है, पर उसके बावजूद, बड़ी संख्या में कुत्ते वहां मरे पड़े हैं। सड़क पर घूमने वाले आवारा कुत्तों से लेकर दूसरों के पालतू कुत्तों को जबरदस्ती अगवा किया जाता है और इन मार्केट में लाकर मौत के घाट उतार दिया जाता है।

'आर्टेमिस समझौते' में शामिल हुआ भारत, पीएम मोदी ने किया हस्ताक्षर

वाशिंगटन, 24 जून (एजेंसियां)। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने 27वें आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षरकर्ता के तौर पर भारत का स्वागत किया है। नासा प्रशासक बिल नेल्सन ने स्पेस में भारत के साथ समझौते को लेकर खुशी व्यक्त की है। 21 जून को वॉशिंगटन में आयोजित कार्यक्रम में भारत आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला 27वां देश बन चुका है। हस्ताक्षर कार्यक्रम में नासा के प्रशासक बिल नेल्सन और अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हुए। इस कार्यक्रम में नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा, 'नासा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति हैरिस की तरफ से कहूंगा कि भारत के साथ पृथ्वी और स्पेस में साझेदारी कर बहुत खुशी हो रही है। हम पहले से अधिक आगे बढ़ रहे है। हम कैसे आगे बढ़ रहे हैं ये जितना महत्वपूर्ण है उतना महत्वपूर्ण यह भी है कि हम अपने गणतव्य पर पहुंचकर क्या करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'हम शांतिपुर्वक ढंग से बढ़ना चाहते हैं। हम पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ना चाहते हैं। मुश्किल समय में एक दूसरे का समर्थन करना चाहते हैं। आर्टेमिस समझौते पर भारत का हस्ताक्षर के लिए हम खुद को गौरववान मानते हैं।'

तरनजीत सिंह ने कहा कि आर्टेमिस समझौते का हिस्सा बनकर भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह हमारे द्विपक्षीय अंतरिक्ष समझौते के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। भारत एक जिम्मेदार आंतरिक्ष शक्ति के तौर पर शांतिपूर्ण और टिकाऊ उपयोग को सर्वोच्च महत्व देता है।

नासा ने 2020 में अमेरिका के विदेश विभाग के समन्वय में सात अन्य संस्थापक देशों के साथ आर्टेमिस समझौते की स्थापना की थी। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर करने पर पीएम मोदी का धन्यवाद किया।

125 तहसीलों से तैयार होंगे 15 नए जिले

राजस्व विभाग ने तैयार की रिपोर्ट; 30 जून तक जारी हो सकता है नोटिफिकेशन

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राज्य में नए बने 19 जिलों में से 15 का सीमांकन का काम लगभग पूरा हो चुका है। इन जिलों से सीमांकन रिपोर्ट सरकार को भेज दी गई है। राजस्व विभाग की 30 जून तक अधिसूचना जारी करने की तैयारी है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही नए जिले अस्तित्व में आ जाएंगे। वहीं, विरोध के चलते जयपुर जोधपुर के दो टुकड़े करने का फैसला वापस लेने का प्रस्ताव रखा जा सकता है।

सरकार ने 15 जिलों में ओएसडी लगाए थे। जिलों के ओएसडी ने सीमांकन करके सरकार को रिपोर्ट भेजी है। इस रिपोर्ट के आधार पर राजस्व विभाग नए जिलों की अधिसूचना जारी करेगा।

नए जिलों में कौनसी तहसीलें होंगी शामिल

शाहपुरा (भीलवाड़ा) : कलेक्टर की रिपोर्ट के हिसाब से शाहपुरा जिला भीलवाड़ा से बड़ा हो सकता है। इसमें शाहपुरा, हुरडा, फूलियाकलां, जहाजपुर, कोटड़ी, बनेड़ा तहसील सहित मांडलगढ़, बिजीलिया शामिल भीलवाड़ा में आसींद, करेड़ा, भीलवाड़ा, मांडल, रायपुर, सहाड़ा, हमीरगढ़ तहसील रहेगी। बदनौर अब ब्यावर में जाने की संभावना है।

केकड़ी : टोंक की देवली, मालपुरा, टोडा रायसिंह, भीलवाड़ा की जहाजपुर, अजमेर की अराई, बांदनवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, भिनाय तहसील के गांव।

फलौदी : जोधपुर से फलौदी, लोहावट, बाप, देवू, बापिणी, सेतरावा, घंटियाली, आऊ, जैसलमेर से नाचना व नोख उप तहसील ओसियां से आगे का हिस्सा।

डीडवाना कुचामन : ओएसडी सीताराम जाट ने बताया- मकराना, परबतसर, लाडनूं, डीडवाना, नावां विधानसभा का क्षेत्र शामिल होगा। नागौर का आधा क्षेत्र नए जिले में।

खैरथल : ओएसडी डॉ. ओपी बैरवा के अनुसार कोटकासिम, तिजारा, खैरथल, किशनगढ़बास, टपूकड़ा, हरसोली व मुंडावर तहसील क्षेत्र शामिल होंगे।

ब्यावर : अजमेर जिले से मसूदा, बिजयनगर व टॉडगढ़, राजसमंद से भीम, पाली जिले से रायपुर व जैतारण तहसीलें जुड़ेंगी।

बालोतरा : बाड़मेर से पचपदरा, कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, सिणधरी, गिड़ा, बायतु तहसील का आधा हिस्सा। बालोतरा, कल्याणपुर, समदड़ी, सिवाना, सिणधरी, पायला, गिड़ा, बायतु व पाटोदी पंसद ले सकते हैं। बाटाडू बायतू के 17 गांव बाड़मेर में रहेंगे।

डीग : ओएसडी का कहना है कि पहले की रिपोर्ट में 8 तहसील क्षेत्र कुम्हेर, डीग, कामा, पहाड़ी, नगर, सीकरी, जनूधर, रारह शामिल हैं। अभी सीमांकन बाकी है।

दूदू : फागी, मौजमाबाद, माधोराजपुरा जोबनेर, फुलेरा, नरैना, सांभरलेक, अजमेर से रूपनगढ़ व अराई, टोंक जिले से मालपुरा को शामिल कर सकते हैं।

नीमकाथाना : झुंझुनूं से खेतड़ी उपखंड का क्षेत्र, उदयपुरवाटी तहसील के 19 पटवार मंडल । शेष गुढ़ागौड़जी तहसील का संपूर्ण क्षेत्र और ये चार पटवार मंडल झुंझुनू में।

सांचौर : जालोर से चितलवाना, सांचौर, रानीवाड़ा। आधा हिस्सा गुड़ामालानी, बागोड़ा, सेड़वा, धोरीमन्ना का ओएसडी पूजा पार्थ ने कहा, फैसला सरकार करेगी

गंगापुरसटी : सवाई माधोपुर जिले से बामनवास, वजीरपुर और करौली जिले से नादौती, टोडाभीम तहसील क्षेत्र को शामिल किया जा सकता है।

कोटपूतली-बहरोड़ : ओएसडी शुभम चौधरी ने सीमांकन से इनकार किया है। हालांकि माना जा रहा है कि 7 उपखंड क्षेत्र कोटपूतली, बहरोड़, विराटनगर, बानसूर, पावटा, नारायणपुर और नीमराणा, चार विधानसभा क्षेत्र कोटपूतली, बहरोड़, बानसूर शामिल किए जा सकते हैं।

अनूपगढ़ : श्रीगंगानगर जिले से अनूपगढ़, घड़साना और श्रीविजयनगर, रावला, बीकानेर जिले से खाजूवाला उत्तरगढ़ तहसील व छत्तरगढ़ क्षेत्र को शामिल किया जा सकता है। श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर तहसील क्षेत्र को शामिल करने पर भी विचार किया जा सकता जिले लगाई गई विशेषाधिकारी कल्पना अग्रवाल का कहना है कि सीमांकन का फैसला सरकार ही करेगी।

सलूंबर : ओएसडी प्रताप सिंह बोले- सीमांकन का काम सरकार के अधिकार में है। मांगे-आपत्तियां लेकर सरकार को भेजी हैं।

राजस्व मंत्री बोले- सीएम का इशारा होते ही नए जिलों की अधिसूचना

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि सीएम का ड्रीम प्रोजेक्ट है। तैयारी पूरी है। कर्मचारी भी लगा दिए हैं। सीएम जब भी आदेश करें, अधिसूचना निकाल देंगे।

19 जिलों में आज से बारिश का अलर्ट

35 कि.मी की स्पीड से हवा चलेगी; जोधपुर-बीकानेर में तेज गर्मी और उमस सताएगी

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में ह्यूमिडिटी और गर्मी से लोग परेशान हैं। पूर्वी राजस्थान के लोगों को गर्मी और उमस से कल से थोड़ी राहत मिल सकती है। भरतपुर, कोटा, जयपुर, अजमेर और उदयपुर संभाग के 19 जिलों में 25 जून से बारिश की गतिविधियां शुरू हो सकती हैं।

यहां हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है, जो तीन दिन तक जारी रहेगी। हालांकि पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के जिलों को अभी एक सप्ताह और तेज गर्मी के साथ उमस झेलनी पड़ सकती है। मौसम केन्द्र जयपुर से जारी लॉन्गरेंज फॉरकास्ट के मुताबिक कल से भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा के अलावा बूंदी, बारां, झालावाड़, कोटा जिलों में बादल छाने के साथ 30-35 किलोमीटर स्पीड से हवा चल सकती है। इसके साथ ही कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

करौली में 20 मि.मी बारिश

पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश करौली के श्रीमहावीरजी में 20 मि.मी दर्ज हुई। इसके अलावा भरतपुर के भुसावर में 10, करौली के टोडाभीम में 9, जयपुर के चौमूं में 7, अलवर के थानागाजी में 7, दौसा के महुवा व सिकराय में 4-4 और चित्तौड़गढ़ के भोपालसागर में 7 मि.मी बारिश रिकॉर्ड हुई।

रात में भी गर्मी-उमस हुई तेज

पूर्वी राजस्थान के साथ पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में रात में गर्मी और उमस तेज हो गई। कोटा, अलवर, धौलपुर, पिलानी, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, गंगानगर और हनुमानगढ़ में रात का न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा गर्मी गंगानगर में रही, जहां बीती रात न्यूनतम तापमान 32.1 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सिरोही के दिन में अधिकतम तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस के बराबर रहा।

इन जिलों के लिए अलर्ट

25 जून : अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, सीकर, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, टोंक और उदयपुर में बादल छाने, हवा चलने और कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

26 जून : भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, टोंक, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, झालावाड़ में बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का येलो अलर्ट जारी किया है।

27 जून : बारां, झालावाड़, कोटा में कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। जबकि प्रतापगढ़, करौली, जयपुर, डूंगरपुर, धौलपुर, दौसा, चित्तौड़गढ़, बूंदी, भीलवाड़ा, अजमेर और अलवर एरिया में हल्की बारिश होने का अनुमान है।

कांग्रेस को धोबी पछाड़ देंगे बजरंगबली- गजेंद्र सिंह

सीपी जोशी बोले- राजस्थान में हिंदू कर रहे पलायन, बजरंगबली सिखाएंगे गहलोत को सबक

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही सियासी बयानबाजी का सिलसिला भी शुरू हो गया है। शुक्रवार को बीजेपी कोर कमेटी की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अबकी बार बजरंगबली कांग्रेस को धोबी पछाड़ देंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है।

प्रदेश में अपराधी बेखौफ लूट, चोरी, हत्या, बलात्कार जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। लेकिन सरकार आंखें मूंद बैठी है। आम जनता को भ्रमित करने के लिए सिर्फ झूठी घोषणाएं की जा रही है। वहीं सरकारी दफ्तरों में सोने सिल्ली मिल रही है। कांग्रेसी विधायकों ने राजस्थान को लूट का अड्डा बना लिया है। जो राजस्थान अब तक शांतिप्रिय प्रदेश हुआ करता था। वहां कांग्रेस की सरकार बनने के बाद जगह-जगह दंगे हो रहे हैं। जिसे प्रदेश की जनता कभी नहीं भूलेगी। आने वाले चुनाव में राजस्थान की जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस सरकार राजस्थान में सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। प्रदेश में हिंदुओं का पलायन हो रहा है। अलग-अलग जगह सांप्रदायिक दंगे हो रहे हैं। ना तो किसानों का कर्ज माफ हुआ है। ना ही युवाओं को बेरोजगारी भत्ता मिल रहा है। साढ़े चार साल से राजस्थान में सिर्फ भ्रष्टाचार की सरकार चल रही है। जो बिना भ्रष्टाचार के आम जनता का एक काम भी नहीं करती।

ऐसे में प्रदेश की जनता आने वाले विधानसभा चुनाव में जड़ से उखाड़ फेंक देगी। इस दौरान सीपी जोशी ने मुख्यमंत्री के कर्नाटक चुनाव में बजरंगबली द्वारा सबक सिखाएं जाने के बयान का भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस चुनाव में पता चल जाएगा कि बजरंगबली का घोटा किसके ऊपर घूमेगा।

सीपी जोशी ने कहा कि पिछले 9 साल में मोदी जी के कार्यकाल में देश भर में ऐतिहासिक काम हुए हैं। ऐसे में राजस्थान बीजेपी महा जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करेगी। ऐसे में अगले कुछ दिनों में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा राजस्थान प्रवास पर आएंगे। इसके साथ ही अगले महीने कांग्रेस सरकार के खिलाफ बीजेपी कई आंदोलनों की शुरुआत करेगी। जिसको लेकर आज कोर कमेटी की बैठक में चर्चा की गई है।

इस दौरान बीजेपी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार नाकारा और निकम्मी है। जिसने राजस्थान की कानून व्यवस्था को बद से बदतर स्थिति में लाकर रख दिया है। राजस्थान देश का एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है। जहां सरकारी दफ्तरों में सोने की सिलिया मिल रही है।

बेनीवाल बोले- राजस्थान में बजरी का महाघोटाला

कहा- बीजेपी कांग्रेस नेता माफिया के पार्टनर; महंगी कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन

जोधपुर, 24 जून (एजेंसियां)। बजरी की रॉयल्टी राशि बढ़ाने के विरोध में बजरी यूनियन की और से कलेक्ट्रेट रोड पर दिए जा रहे धरने में शनिवार को नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल भी पहुंचे। उन्होंने बजरी की कीमतों को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं पर आरोप लगाए।

कहा राजस्थान में माफिया हावी है। बजरी ठेकेदार के साथ बीजेपी और कांग्रेस के नेता पार्टनर हैं। कोई भी नेता बजरी माफिया के खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं दिखा रहा है।

कहा हमारे पास कई ऐसे दस्तावेज भी मिले हैं। यहां राजस्थान में देश का सबसे बड़ा बजरी घोटाला हुआ है। इसमें बीजेपी के नेता भी शामिल है। बजरी घोटाले की जांच ईडी से करवाने की मांग को लेकर धरना दिया जाएगा। इसके लिए ईडी ऑफिस का घेराव भी करेंगे। ईडी को सारे वो कागज देंगे जिससे कांग्रेस और बीजेपी की पोल खुलेगी।

बजरी को लेकर वर्तमान में पैदा हुए हालात को लेकर बीजेपी के एक भी नेता का बयान सामने नहीं आया है। कई केंद्रीय मंत्री, केबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री के इर्द गिर्द के लोग बजरी के खेल में शामिल है। इसकी भी कुछ ही दिनों में जानकारी साझा करेंगे।

आज राजस्थान में जो हालात है उसके लिए कांग्रेस और बीजेपी जिम्मेदार हैं। देश में अग्निवीर योजना लाकर जवानों के साथ धोखा किया गया। राजस्थान में लूट और भ्रष्टाचार चरम पर है। 80 प्रतिशत विधायक, सांसद की अपने क्षेत्र में बजरी माफिया से सांठगांठ है। आरएलपी ने सड़क पर संघर्ष किया है। कांग्रेस बीजेपी को छोड़कर किसी के साथ भी गठबंधन होगा।

यूनियन के लोगों का कहना है की बजरी ठेकेदार की ओर से पड़ी बजरी की रॉयल्टी पर अवैध वसूली की जा रही है। 550 रुपए प्रति टन रॉयल्टी वसूल की जा रही है। जबकि दूसरे जिलों में पड़ी बजरी की रेट 100 से 150 प्रति टन के हिसाब से ले रहे हैं। इसके चलते विरोध में ठेकेदारों ने बजरी लेना बंद कर दिया है। ऐसे में मजदूरी कर जीवन चलाने वाले मजदूरों पर संकट खड़ा हो गया है। इसलिए बजरी को 100 रुपए प्रति टन दिलवाया जाए।

दरअसल बजरी की महंगी कीमतों को लेकर बजरी ट्रक यूनियन ने हड़ताल की घोषणा कर रखी है। इसके चलते पिछले 4 सप्ताह से निर्माण कार्य करने वाले श्रमिकों को कोई काम नहीं मिल रहा है। दिहाड़ी मजदूरी कर पेट पालने वाले इन परिवारों को परेशान होना पड़ रहा है। कुछ दिनों पूर्व भी एडीएम को बजरी की महंगी कीमतों को लेकर ज्ञापन दिया गया था। ज्ञापन में आरोप लगाया कि बजरी की अवैध रूप से अधिक रॉयल्टी वसूली जा रही है।

बिजली के बिलों में दौड़ रहा करंट

देवनानी बोले- राहत बनी आम जनता के लिए आफत, फ्यूल सरचार्ज की मार जारी

अजमेर, 24 जून (एजेंसियां)। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री और अजमेर उत्तर विधायक वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार पर घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली मुफ्त देने और 200 यूनिट तक किसी भी प्रकार के सरचार्ज नहीं लगाने देने की घोषणा को भ्रामक बताया है।

देवनानी ने आरोप लगाते हुए कहा की अजमेर शहर में उपभोक्ताओं के हाथों में जब बिजली का बिल आया तो उन्हें जोरदार झटका लगा है। महंगाई राहत शिविर में रजिस्ट्रेशन कराने के बाद भी उपभोक्ताओं को 100 यूनिट बिजली मुफ्त नहीं मिली है।

सब्सिडी के नाम पर आमजन को बेवकूफ बनाकर उनकी जेब काटी जा रही है।

विधायक देवनानी ने कहा कि उनके पास स्थानीय लोग शिकायत लेकर पहुंचे। जिसमें लोगों ने कहा कि पहले 50 यूनिट तक तो राशि नहीं जुड़ती थी।

लेकिन, इस बार 50 यूनिट की राशि को जोड़कर बिल भेजा गया और साथ ही फ्यूल सरचार्ज भी कई गुना बढ़ा दिया गया। जिससे बिल राशि पहले से ज्यादा आई है। देवनानी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने भरी धूप में लोगों को लाइन में लगाकर उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। 100 यूनिट मुफ्त बिजली की आस में बैठी जनता के हाथों में जब बिल आया तो उन्हें जोर का झटका लगा है।

मुख्यमंत्री की घोषणा में कहा गया था कि 200 यूनिट तक किसी भी प्रकार का सरचार्ज नही लगेगा। जबकि हकीकत में टाटा पावर की और से जारी किए गए बिल में 200 यूनिट से कम खपत के बावजूद उपभोक्ताओं पर फ्यूल सरचार्ज की मार जारी है।

देवनानी ने सरकार की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सिर्फ चुनावी लाभ लेने के लिए महंगाई राहत शिविर लगाए जा रहे हैं जो सही मायनों में जनता के लिए आफत बन गए हैं।

सुधांशु त्रिवेदी बोले-डर उनको लगे जो झुंड में हैं

कहा- पीएम देश के डिफेंस की डील कर रहे थे, पटना में घोटालों का डिफेंस

जोधपुर, 24 जून (एजेंसियां)। राज्यसभा के सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो झुंड में होते हैं वह डरे हुए होते हैं शेर अकेला ही रहता है। पटना में जिस प्रकार से विपक्षी एकता देखी गई उससे लगता है कि सभी घोटालेबाज अपने आपको डिफरेंस करने के लिए हुए।

जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में त्रिवेदी ने कहा कि एक और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका में देश के डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने के लिए डील कर रहे थे तो वहीं दूसरी और पटना में भी सभी विपक्षी नेता एक डील कर रहे थे। पटना में जो विपक्षी पार्टियों के नेता थे उनमें कई कोयला घोटाले, शराब, भर्ती और चारा घोटाले के लोग थे जो कि अपने अपने घोटालों को डिफेंस कर रहे थे। त्रिवेदी ने कहा कि मोदी सरकार ने सही मायने में विकास हुआ है। यह वह दौर है जब गुगल और अमेजॉन जैसी कंपनियां भारत में निवेश करना चाहती है। भारत मोबाइल निर्माण करने वाले देश में दूसरे स्थान और ऑटोमोबाइल उत्पादन में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान में एकमात्र ऐसा उदाहरण देखने को मिला जब कांग्रेस का नेतृत्व एक नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाहता था लेकिन फिर वही उनकी नजरों में बागी हो गया। इसके साथ-साथ राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विधानसभा के अध्यक्ष भी बागी हो गए।

मेयर बोलीं- जयपुर की सफाई व्यवस्था हो गई चौपट

कहा- कुर्सियों पर जमे अधिकारी, दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

जयपुर, 24 जून (एजेंसियां)। मानसून से पहले जयपुर शहर की बिगड़ी सफाई व्यवस्था को लेकर मेयर मुनेश गुर्जर ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि जयपुर की सफाई व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है। शहर में जगह-जगह गंदगी पड़ी हुई है। सफाई व्यवस्था के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। वहीं मानसून से पहले अब तक नाला सफाई नहीं हुई है। जो जयपुर के जनता के लिए बारिश के दौरान बड़ी परेशानी बन सकता है।

जिससे नाराज होकर मेयर ने अधिकारियों को जमकर लताड़ लगाई। मेयर ने बदहाल सफाई व्यवस्था के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। वहीं जनता के सामने ही उन्हें सफाई व्यवस्था को चाक-चौबंद करने की नसीहत देते हुए कहा कि अगर सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई। तो अब आप पर करवाई की जाएगी। मेयर मुनेश गुर्जर ने कहा कि मैं जयपुर की सड़कों पर समस्याओं को जानने के लिए घूम रही हूं। वहीं दूसरी और अधिकारी कुर्सियों पर जमे हुए हैं। उन्हें आम जनता की समस्या के बारे में पता ही नहीं है। शहर के हालात बद से बदतर हो चुके हैं। सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है। नाला सफाई अब तक पूरी नहीं हो पाई है। लेकिन अधिकारी सिर्फ जनता से जुड़ी फाइलों को रोक कर बैठे हुए हैं। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जयपुर नगर निगम हेरिटेज की गली-गली वार्ड-वार्ड सुंदर और स्वच्छ बनाना मेरा सपना है। अगर कोई अधिकारी इसमें बाधा डालेगा। तो उसे नोटिस जारी किए जाएंगे। जिस जोन में मुझे गंदगी मिलेगी। उस डीसी और एक्सईएन को कमिश्नर नोटिस जारी करेंगे। कमिश्नर लेवल पर लापरवाही हुई। तो मैं सरकार को कार्रवाई के लिए पत्र लिखूंगी। लेकिन लापरवाही उर कामचोरी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गुर्जर ने कहा कि हम जनप्रतिनिधि हैं। जिन्हें जनता सीधे तौर पर अपनी समस्या बताती है। इन्हीं समस्याओं को लेकर हमने पिछले दिनों भी आवाज उठाई थी। लेकिन अधिकारियों के कान में अब तक जू नहीं रेंगी है। इसलिए अब मैं पार्षदों के साथ शहर का दौरा कर आम जनता की समस्याओं को दूर करने की कोशिश करूंगी।

अवैध संबंध को लेकर भाइयों ने की बहन की हत्या

धौलपुर, 24 जून (एजेंसियां)। धौलपुर के बसई डांग थाना क्षेत्र के निभी का ताल में शुक्रवार को मिले महिला के शव की शिनाख्त हो गई है। ताल में महिला के पैर बंधे होने पर पुलिस ने हत्या की आशंका जताई थी। महिला की पहचान होने पर महिला के भाइयों पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी मोहन सिंह ने बताया कि महिला की पहचान अनीता (35) पत्नी धर्मवीर प्रजापत निवासी आगरा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि महिला का पीहर मधु नगर आगरा और ससुराल गणेश नगर दयाल बाग आगरा में है। मृतक महिला अनीता के देवर लखन कुमार ने महिला की शिनाख्त करते हुए थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला अनीता का पति मानसिक रूप से बीमार था। जिसके चलते महिला अपने पति को लेकर आगरा में ही किराए के मकान पर रह रही थी, जहां उसके दूसरे किराएदार से अवैध संबंध थे। पीहर पक्ष को अवैध संबंधों की जानकारी मिलने के बाद 22 जून को महिला के भाई लोकेश, राजू और विकास महिला को ससुराल से अपने साथ पीहर ले जाने की बात कह कर ले गए।

सरपंच के घर में घुसे लुटेरे, बेटे को गोली मारी

8 लाख रुपए और सोने-चांदी के गहने लेकर भागे, ग्रामीणों ने पीछा कर 2 बदमाशों को पकड़ा

सादुलपुर, 24 जून (एजेंसियां)। हथियारों से लैस बदमाश सरपंच के घर में घुसे और 8 लाख रुपए कैश और सोने-चांदी के गहने लूट लिए। इस दौरान सरपंच का बेटा जाग गया। उसने एक बदमाश को दबोच लिया, तभी दूसरे बदमाश ने उस पर गोली चला दी। गोली सरपंच के बेटे के कंधे पर लगी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण जमा हो गए तो बदमाशों ने 4 राउंड फायरिंग की। ग्रामीणों ने बदमाशों का पीछा किया और 2 बदमाशों को पकड़ लिया। मामला चूरू जिले की राजगढ़ तहसील क्षेत्र का है।

इंदासर गांव के सरपंच सुनील गोस्वामी ने बताया कि रात को वह और उसकी पत्नी घर के आंगन में सओ थे, जबकि 2 बेटे, बहुएं और 3 पोते-पोती कमरे में सो रहे थे। रात करीब 2 बजे हथियारों से लैस 6-7 बदमाश उनके घर में घुस आए। आवाज सुनकर उसकी पत्नी जाग गई। उसे शोर मचाया तो उसका बेटा पुनीत (28) भी जाग गया और उसने घर में घुसे एक बदमाश को पकड़ लिया। इस दौरान दूसरे लुटेरे ने गोली चला दी, जो पुनीत के कंधे पर लगी। इस दौरान अन्य बदमाशों ने घर से 8 लाख रुपए नकदी और सोने-चांदी के गहने लूटकर भागने लगे। इस दौरान शोर सुनकर गांव के लोग जाग गए। इस दौरान बदमाशों ने 4 राउंड फायरिंग और की। ग्रामीणों ने पीछा कर 2 बदमाशों को पकड़ लिया। पुनीत को इलाज के लिए हिसार में प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

गैंगरेप पीड़िता को अस्पताल लाने वाला कार ड्राइवर गिरफ्तार

तीन अन्य लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया, मुख्य आरोपी अब भी फरार

बीकानेर, 24 जून (एजेंसियां)। खाजूवाला में युवती के साथ गैंगरेप और मर्डर मामले में पुलिस ने उस कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने घटनास्थल से अस्पताल तक पहुंचाया। पुलिस उसकी भूमिका की जांच कर रही है। माना जा रहा है कि वो भी मुख्य आरोपी दिनेश बिश्नोई का दोस्त है।

दरअसल, दलित युवती को 19 जून दोपहर 12 बजे खाजूवाला के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। आरोपी दिनेश जिस कार से आया था, उसे राकेश नामक युवक चला रहा था। पुलिस ने राकेश को गुरुवार को ही हिरासत में ले लिया था। ज्यादा दबाव बनने पर उसे शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। राकेश की इस पूरे घटनाक्रम में भूमिका का पता लगाया जा रहा है। राकेश के अलावा ओमप्रकाश, जस्सू और कपिल नामक दो अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। इन तीनों की भूमिका स्पष्ट होने पर गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल इन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसमें एक पर कमरे में सफाई करने और ताला लगाने का आरोप है। जिसकी छानबीन की जा रही है।

पुलिस हिरासत में अब चार लोग हैं। इसमें कपिल, जस्सू, ओमप्रकाश और कॉन्स्टेबल भागीरथ है। इन चारों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। जस्सू नाई ने उक्त मकान किराए पर ले रखा था, जिसमें ये पूरा घटनाक्रम हुआ।

एसआर एंड बीजीएनआर गर्वमेंट कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर एंड बीजीएनआर गर्वमेंट कॉलेज में एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजन किया गया। कार्यशाला में शीर्षक भारत: संकरता और आनुवंशिक विविधता का केंद्र था। इतिहास विभाग, प्राणीशास्त्र (जीव विज्ञान) विभाग और माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित खम्मम शहर के प्रतिष्ठित एसआर एंड बीजीएनआर सरकारी कला व विज्ञान (स्वायत्त शासी) कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न हुई। कॉलेज प्लस डोनर गेनटेला नारायण राव के ऊर्ध्वाधर चित्र पर माल्यार्पण किया गया और श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ एम. वेंकटेश्वर राव और जी. त्रिवेणी मेघना, जी. ख्याति, शेख सलमा और दीपिका की टीम ने वंदे मातरम प्रार्थना गीत से शुरुआत की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ मोहम्मद जाकीरुल्ला ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं के आयोजन से छात्रों में शोध के प्रति जागरूकता आयेगी। शिकागो विश्वविद्यालय, मानव आनुवंशिकी विभाग के अनुसंधान सहयोगी डॉ. पासुपुलेटी नागार्जुन ने डीएनए एकत्र करने में विकसित नई तकनीकी विधियों के बारे में, डीएनए की उत्पत्ति के बारे में, प्राचीन और आधुनिक डीएनए अनुक्रमों के बारे में, लोगों की भोजन की आदतों के डीएनए पर प्रभाव के बारे में बात की। डीएनए पर, भारत में विभिन्न जनजातियों के बीच आनुवंशिक अध्ययन का वर्णन किया गया। शिकागो विश्वविद्यालय में मानव आनुवंशिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. मनसा राघवन ने प्राचीन (डीएनए) आनुवंशिकी की शक्ति के बारे में बतायी। उन्होंने कहा कि पुरातत्वविद् प्राचीन हड्डियां, दांत, बाल आदि एकत्र कर रहे हैं और प्राचीन डीएनए पर शोध में योगदान दे रहे हैं। मुख्य अतिथि बीरबल साहनी संस्थान के पुराविज्ञान वैज्ञानिक डॉ. नीरज रॉय ने कहा कि भारत: मिश्रण और आनुवंशिक विविधता का केंद्र है। ऐसा कहा जाता है कि प्राचीन मनुष्य अफ्रीका और पूर्वी एशिया से महाद्वीपों में चले गए और बस्तियाँ स्थापित कीं। कार्यक्रम उप प्राचार्य टी. जीवन कुमार, इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. के. जॉन मिल्टन, प्राणीशास्त्र (जीव विज्ञान) विभाग के अध्यक्ष डॉ. सीएच श्रीनिवासुलु समन्वयक, टी. नागुर, डॉ. एम. सुनंदा,माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष जे. अनिता कुमारी, काकतीय विश्वविद्यालय के कार्यकारी सदस्य डॉ आर सीता रामा राव, उप प्राचार्य डॉ बी वेंकटेश्वर रेड्डी, प्रेस समिति के संयोजक एंड हिंदी सहाक आचार्य ए संबाशिव राव, डॉ वी. रविशंकर, डॉ जी. श्रीनिवास कुमार, डॉ जी. वेंकैया, एम. रवींद्र रेड्डी, डॉ पी. रवि कुमार, डॉ वी. शांति कुमार, डॉ. एम. रमण, डॉ. वेणु कुमार, पी. नरसिम्हा राव, अन्य प्राध्यापक गण एवं शोध छात्र जे सोमैय्या आदि छात्राओं ने भाग लिया।

नशा विरोधी समितियों के सदस्य बनें : सीवी आनंद

नशीले पदार्थो के खिलाफ अभियान शुरू

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीएसएनएबी) ने विकलांग व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से तीन दिवसीय राज्य व्यापी अभियान शुरू किया। तेलंगाना राज्य पुलिस एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (टीएसपीआईसीसीसी) में आयोजित टीएसएनएबी द्वारा संचालित इस महत्वपूर्ण अभियान का उद्देश्य नशीली पदार्थो के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटना, जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को शिक्षित करना और कलंक को तोड़ना है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला ने युवाओं को शामिल किया और उन्हें नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए सशक्त बनाया। गतिविधियों की विविधता में अभियान के शुभंकर का नाम देने के लिए एक खुली प्रतियोगिता, एक शपथ ग्रहण समारोह शामिल था जहां युवा व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक खुद को एंटी-ड्रग सोल्जर्स, सांस्कृतिक, एक्सपो,

ट्रैथलेट मिस्टर नील डिसिल्वा के साथ एक फायरसाइड चैट सत्र और एक के रूप में नामांकित किया। जैसे ही अभियान ने गति पकड़ी, मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध अभिनेता निखिल ने नशीली दवाओं के खतरे से निपटने में सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर देते हुए एक शक्तिशाली भाषण दिया और युवाओं से नशीली दवाओं से दूर रहने की अपील की। इस अवसर पर उपस्थित अभिनेता श्री प्रियदर्शी ने अपने मजाकिया अंदाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और सतर्क रहने का आग्रह किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए सीवी आनंद (निदेशक टीएसएनएबी और सीपी - हैदराबाद) ने बताया कि टीएस सरकार कड़े कदम उठा रही है। "मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि मिशन परिवर्तन के तहत नशा विरोधी सैनिकों के समूह में शामिल हों और नशा विरोधी समितियों के सदस्य बनें, जिन्हें हम राज्य भर के सभी शैक्षणिक संस्थानों में शुरू करने जा रहे हैं।" सीपी आनंद ने सभी मेहमानों को धन्यवाद दिया और अभियान के आयोजन के लिए टीएसएनएबी टीम की सराहना की। बाद में उन्होंने मेहमानों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।युवाओं और सभी उपस्थित लोगों ने ट्रायएथलीट नील डिसिल्वा के साथ तीखी बातचीत पर अटूट ध्यान दिया, जो ट्रायथलीट और प्रशिक्षण निदेशक बनने की अपनी परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में मुखर रहे थे। "सहकर्मी दबाव और जिज्ञासा मुख्य कारक हैं जो कमजोर लोगों को नशीली दवाओं की कोशिश करने के लिए प्रेरित करते हैं।" कार्यक्रम में भारती हॉलिकेरी विशेष सचिव, डीडब्ल्यूसीडीएस, श्रीमती शैलजा, निदेशक-डीडब्ल्यूसीडीएस, सुश्री सुनीता, एसपी-टीएसएनएबी, चक्रवर्ती, एसपी-टीएसएनएबी, और हजारों छात्रों, संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सड़क दुर्घटना में बीआरएस विधायक बाल-बाल बचे

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पायलट रोहित रेड्डी उस समय चमत्कारिक ढंग से बच गए, जब शनिवार को कर्नाटक में मैंगलोर के पास मूडर-नल्लुरु क्रॉसिंग पर उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह घटना तब हुई जब तांडूर के विधायक कर्नाटक में श्रृंगेरी शारदा पीठ के दर्शन के लिए जा रहे थे। सूत्रों के अनुसार, कार का एक टायर फटने के बाद चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बिजली के खंभे से जा टकराई। घटना में किसी को चोट नहीं आई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और विधायक को एक अलग वाहन में श्रृंगेरी भेजा। सड़क दुर्घटना में विधायक के सुरक्षित बच जाने से उनके परिवार के सदस्यों और बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहत की सांस ली।

भगवान पंढरीनाथ का रथ उत्सव 29 को

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। सिकंदराबाद के जनरल बाजार स्थित श्री विट्ठेश्वर स्वामी मंदिर में (भगवान पंढ़रीनाथ) रथ उत्सव 29 जून को मनाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मंदिर के प्रधान पुजारी एन. पंढरीनाथ ने बताया कि 3 जुलाई को शाम 6 बजे पालकी सेवा और गोपाल कला उत्सव होगा। रथ उत्सव के दिन भगवान के मुख दर्शन सुबह 8.30 बजे से रात 8 बजे तक होगा। मंदिर के ट्रस्टी श्रीनिवास राव पाताल्य, कार्यकारी अधिकारी जी. सत्यनारायना, एन. रमेश ने श्रद्वालुओं से अधिक से अधिक संख्या में दर्शन, तीर्थ प्रसाद लेने का अनुरोध किया है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. मोहन सिंह की स्मृति में सभा

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. मोहन सिंह की स्मृति में आट्र्स कॉलेज में सभा आयोजित की गई। बैठक का आयोजन वर्तमान कला महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर गणेश की अध्यक्षता में हिंदी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कला महाविद्यालय की उप-प्राचार्य अनुपमा, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. माया, उच्च शिक्षा के संयुक्त निदेशक प्रो. राजेंद्र सिंह, प्रो. अजय, प्रो. जय किशन, प्रो. धर्मपाल, प्रो. जगन सहित अन्य विभागाध्यक्ष शामिल रहे। इसमें आट्र्स कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आट्र्स कॉलेज के प्रिंसिपल, डीन, चीफ वार्डन के रूप में विभिन्न क्षमताओं में उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना की। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने परिवार के सदस्यों के साथ भाग लिया और मोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सिकल सेल उन्मूलन हेतु विशेष उपाय : चाहत वाजपेयी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला अपर समाहर्ता चाहत वाजपेयी ने कहा कि संबंधित अधिकारियों के समन्वय से जिले में सिकल सेल उन्मूलन के लिए विशेष उपाय किये जायेंगे। शनिवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा पदाधिकारियों के साथ सिकल सेल उन्मूलन को लेकर समीक्षा बैठक की गयी। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि एजेंसी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अधीन आश्रमों, गुरुकुलों, आदिवासी एवं प्राथमिक विद्यालयों में लड़कियों की सिकल सेल जांच करायी जायेगी। संबंधित स्कूलों के प्रधानाध्यापक लड़कियों के नाम, आधार नंबर और विवरण एकत्र करें और इस महीने की 27 तारीख से शुरू होने वाले सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम की सफलता की दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत 20 समितियां एवं उपकेंद्रों के अंतर्गत 18 समितियां हैं, जिनमें से 50 प्रतिशत महिलाओं की बैठक हो, सरपंच एवं एमपीपी की उपस्थिति हो तथा प्रत्येक विद्यालय को एक दिन पूर्व सूचना दी जाए। चूंकि बारिश का मौसम शुरू हो गया है, इसलिए ग्राम पंचायत कर्मचारियों की मदद से यह सुनिश्चित करने के उपाय किए जाने चाहिए कि स्कूल परिसर और आसपास में अपशिष्ट जल न हो। बाद में तम्बाकू नियंत्रण से संबंधित दीवार प्रतियों का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में जिला माध्यमिक, शिक्षा विभाग, कल्याण विभाग के पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

तेलंगाना के स्कूलों में हर महीने का चौथा शनिवार 'नो बैग डे' होगा

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता))। संग्रहालयों, ऐतिहासिक स्थलों, ग्राम पंचायतों के क्षेत्रीय दौरों से लेकर विज्ञान प्रयोगों, डूडलिंग, मॉडल असेंबली और मॉडल चुनावों जैसी इनडोर गतिविधियों तक, हर महीने के चौथे शनिवार को स्कूलों में सीखना अधिक दिलचस्प, आकर्षक और मजेदार होगा। नो बैग डे पहल की. छात्रों पर दबाव और बैग के बोझ को कम करने के अलावा विभिन्न गतिविधियों के साथ सीखने को और अधिक मनोरंजक बनाते हुए, स्कूल शिक्षा विभाग ने इस शैक्षणिक वर्ष से सभी स्कूलों में हर महीने के चौथे शनिवार को बैगलेस दिवस के रूप में चिह्नित किया है स्कूल शिक्षा विभाग की एक शाखा, स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) कक्षा I से X तक के छात्रों के लिए 10 बैगलेस दिनों के लिए एक हैंडआउट लेकर आई है। इसके अनुसार, प्राथमिक अनुभाग के लिए तीन सत्र होंगे - शो टाइम, फन स्टेशन और क्रिएटिव सर्कल कक्षा I और II के छात्रों को इन सत्रों के हिस्से के रूप में अपने परिवार के बारे में बोलने, परिवार के सदस्यों में से एक की नकल करने और परिवार के सदस्य का एक रेखाचित्र बनाने के लिए कहा जाएगा, जिसका उद्देश्य संचार कौशल और रचनात्मकता विकसित करना है। कक्षा तीसरी, चौथी और पांचवीं के छात्रों के लिए गतिविधि-आधारित शिक्षा के हिस्से के रूप में, आजीविका पर एक थीम डिजाइन की गई है, जहां उन्हें पेशे में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों को चित्रित करने के अलावा अपने पसंदीदा व्यवसाय पर बोलने और कार्य करने के लिए कहा जाएगा। माध्यमिक स्तर (कक्षा VI से X) के छात्रों के लिए, पारिवारिक बजट सर्वेक्षण, मॉडल असेंबली मॉडल चुनाव और वित्तीय लेनदेन के अलावा डाकघर, निर्माण स्थलों, राशन की दुकानों की यात्रा सहित फ़ील्ड दौरे बाहरी और इनडोर गतिविधियों में से हैं। अनुभवात्मक शिक्षा का हिस्सा बनाया गया। कुल मिलाकर, उनके लिए 28 गतिविधि-आधारित शिक्षण अवधारणाएँ हैं। इस पहल का उद्देश्य मुख्य रूप से सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच अंतर को पाटना है, साथ ही छात्रों को विभिन्न कार्य कौशल से परिचित कराना है, जिससे उन्हें अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिलती है जो उन्हें अपने भविष्य के करियर के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। डाकघर के दौरे के हिस्से के रूप में, छात्रों को अपने काम के बारे में पोस्टमास्टर और डाकिया का साक्षात्कार लेने के लिए कहा जाएगा।

विद्युत कटौती से लोग परेशान

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के गांधीनगर, कबाड़ीगुड़ा आदि इलाकों में लोग बिजली कटौती से परेशान है।

कई दिनों से प्रतिदिन 3 से 4 घंटे बिजली कटौती हो रही है। अनियमित बिजली कटौती से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात को बिजली कटौती के कारण लोग सो नहीं पा रहे है। खासकर बिजली कटौती के दौरान बच्चें गर्मी के कारण सो नहीं पा रहे है।

नींद पूरी न होने की वजह से बच्चें स्कूल नहीं जा पा रहे है। बिना किसी पूर्व सूचना के कटौती होने से नागरिकों को मोटर से पानी भरने आदि में भी कठिनाई हो रही है। गर्मी और उमस के बीच बिजली न रहने पर लोगों को रात में जागना पड़ रहा है। इससे पूरी दिनचर्या खराब हो रही है।

अग्रवाल समाज, तेलंगान के केन्द्रीय समिति का चुनाव आज

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय समिति वर्ष 2023-25 हेतु पदाधिकारियों के चुनाव रविवार 25 जून को अग्रसेन गार्डन सिकंदराबाद में होंगे । मतदान प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक होगा मत गणना सायं 5 बजे से की जाएगी तत्पश्चात् नतीजे की घोषणा की जाएगी चुनाव प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए चुनाव अधिकारी डॉक्टर मोहन गुप्ता ने बताया कि चुनाव कराने वाली टीम में मुकुंद लाल अग्रवाल, सुनील कुमार पाटोदिया समेत 24 लोग शामिल है। इसमें अपील अधिकारी के रूप में मोहन लाल अग्रवाल है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, संयुक्त मंत्री और कोषाध्यक्ष समते पांच पदों के लिए प्रत्येक पद पर दो-दो उम्मीदावर चुनाव लड़ रहे है। चुनाव अधिकारी डॉ. मोहन गुप्ता ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न होगी।

मूल्यांकन कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी हैदराबाद के तत्वावधान में 308 वीं मूल्यांकन कवि गोष्ठी का आयोजन रविवार, 25 जून को नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न होगा। ज्ञातव्य है कि प्रतिमास अंतिम रविवार को नियमित रूप से देश-विदेश की साहित्यिक पत्रिकाओं पर मूल्यांकन गोष्ठी का आयोजन संस्थान द्वारा किया जाता है। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने बतायाा कि इस बार मूल्यांकन गोष्ठी में कानपुर (उत्तर प्रदेश) से सतीश गुप्ता के संपादन में विगत 14 वर्षों से प्रकाशित होने वाली काव्य केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका अनन्तिम के अंक 55-56 जनवरी-जून, 2023 में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों द्वारा चर्चा की जाएगी।

आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत

कुमरम भीम आसिफाबाद 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद में जिला सिरपुर टी मंडल बुपालपट्टनम गांव में आकाशीय बिजली गिरने से किसान ठाकिर बीकाजी 40 की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक सिरपुर टीम मंडल में गत 2 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। किसान बीकाजी अपने खेत में काम करने के लिए गया था। शनिवार के दिन कड़ाके की बिजली उस पर गिरने के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज किया।

14 वायु सेना अस्पताल ने रक्तदाता दिवस मनाया

हैदराबाद, 24 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 14 जून को दुनिया भर में विश्व "रक्तदाता" दिवस मनाया जाता है। 2023 की थीम है "रक्त दो, प्लाज्मा दो, जीवन साझा करो, और अक्सर साझा करो"। स्वयंसेवी दाताओं द्वारा किया गया उदार रक्त दान दुनिया भर में लाखों लोगों की जान बचाने और समुदायों के भीतर एकजुटता बढ़ाने में काफी मददगार साबित होता है। उन्हीं दिशानिर्देशों पर, वायु सेना अकादमी डंडीगल, हैदराबाद में 14 वायु सेना अस्पताल ने 24 जून को पीवी नरसिम्हा राव मेमोरियल ट्रस्ट के साथ एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन वायु सेना परिवार कल्याण संघ (स्थानीय) की अध्यक्ष बी कोमला ने किया। वायु सेना अकादमी के कमांडेंट एयर मार्शल बी चंद्र शेखर ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। शिविर में कुल 38 वायु योद्धाओं और परिवारों ने भाग लिया और 38 यूनिट रक्तदान किया गया।

संघमित्रा कोआपरेटिव अर्बन बैंक के रजत जयंती स्थापना दिवस पर संस्थापक और वर्तमान चेयरमैन संगम रामकृष्णा का तेलंगाना स्टेट कोआपरेटिव अर्बन बैंक एंड क्रेडिट सोसाइटीज फेडरेशन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग सम्मान करते हुए। इस अवसर पर उपस्थित भद्रादी कोआप. बैंक के चेयरमैन सीएच कृष्णामूर्ति, रंगारेड्डी कोआप. बैंक के बद्री नारायणस काकतीया कोआप. बैंक के चेयरमैन एन. नरसिम्हा रेड्डी, सिकंदराबाद कोआप. बैंक के वाइस चेयरमैन सैयद जहूरूद्दीन, सिटीजन कोआप. सोसाइटी के निदेशक वाईएसआर मूर्ति व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दो दिवसीय राजकीय...

होटल में प्रदर्शित की गईं अल-सीसी के भारत दौरे की तस्वीरें :

मिस्र के राष्ट्रपति अल-सीसी की भारत यात्रा की तस्वीरें काहिरा के उस होटल में प्रदर्शित की गईं हैं, जहां प्रधानमंत्री मोदी आज मिस्र की अपनी दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान आने वाले हैं। पीएम मोदी के यहां पहुंचने पर उनका स्वागत करने के लिए भारतीय समुदाय के कई सदस्य भी होटल में मौजूद हैं।

मिस्र का हर नागरिक हमारी संस्कृति से प्रभावित

उनके यहां पहुंचने से एक दिन पहले भारतीय राजदूत अजीत गुप्ते ने कहा था कि मिस्र में हर कोई भारतीय संस्कृति से प्रभावित है और वे दशकों से बॉलीवुड फिल्में देख रहे हैं। उन्होंने कहा था, वे जानते हैं कि भारत और मिस्र ने गुट निरपेक्ष आंदोलन के लिए मिलकर काम किया था। वे अभी भी महात्मा गांधी और साद जगलौल के बीच घनिष्ठ मित्रता को याद करते हैं। गुप्ते ने कहा कि मिस्र के लोग भारत के करीब रहना चाहते हैं। वे हमारी संस्कृति और हमारे पारिवारिक मूल्यों के साथ बहुत निकटता से जुड़े हुए हैं।

पीएम मोदी का पहला मिस्र दौरा

उन्होंने बताया था, प्रधानमंत्री मोदी 25 तारीख तक यहां हैं। हम पहली बार प्रधानमंत्री मोदी और मिस्र के प्रधानमंत्री के बीच राउंडटेबल बैठक कर रहे हैं। जनवरी 2023 में राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी की भारत की सफल यात्रा के बाद दोनों देश संबंधों को रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर सहमत हुए। वापसी पर मिस्र के राष्ट्रपति ने अपने मंत्रिमंडल में एक विशेष भारत इकाई का गठन किया जिसमें वरिष्ठ मंत्री शामिल हैं और उन्हें भारत के साथ संबंध सुधारने के लिए कहा गया है। इसलिए प्रधानमंत्री भारतीय इकाई के साथ बैठक करेंगे।

इससे पहले भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) एक बयान में बताया था कि प्रधानमंत्री 24 और 25 जून को मिस्र की राजकीय यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर मिस्र का दौरा कर रहे हैं। यह निमंत्रण जनवरी 2023 में दिया था जब उन्होंने 'मुख्य अतिथि' के रूप में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह की शोभा बढ़ाई थी। यह पीएम मोदी की पहली मिस्र यात्रा होगी।

मिस्र के गणमान्य व्यक्तियों और भारतीय समुदाय से करेंगे बातचीत

प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति सीसी के साथ बातचीत के अलावा मिस्र सरकार के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों और कुछ प्रमुख हस्तियों व भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे। भारत और मिस्र के बीच संबंध प्राचीन व्यापार और आर्थिक संबंधों के साथ-साथ सांस्कृतिक और गहरी जड़ें रखने वाले लोगों के बीच संबंधों पर आधारित हैं। जनवरी 2023 में राष्ट्रपति सीसी की राजकीय यात्रा के दौरान संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई थी।

मणिपुर में शांति...

हालांकि, दुख की बात यह है कि स्थानीय अधिकारी स्थिति को नियंत्रित करने में अप्रभावी साबित हुए हैं, और पीड़ितों का अपने घरों को छोड़कर जाना जारी है। राज्य सरकार मणिपुर के लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने के अपने कर्तव्य में निराशाजनक रूप से विफल रही है।

वर्तमान में, महिलाओं और बच्चों सहित 1,000 से अधिक व्यक्तियों ने असम और मिजोरम के पड़ोसी क्षेत्रों में राहत शिविरों में शरण ली है। इस बात पर जोर देना महत्वपूर्ण है कि राहत शिविरों में पनाह चाहने वाले लोग बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उनके पास भोजन, कपड़े और साफ पानी जैसे जरूरी सामानों का अभाव है।

हालांकि, हम मृतकों के परिवारों को मुआवजे की पेशकश करने वाले तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की नियुक्ति के लिए गृह मंत्रालय द्वारा की गई पहल की सराहना करते हैं। लेकिन, जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने महसूस किया कि मौजूदा पुनर्वास पैकेज जरूरतों को पर्याप्त रूप से पूरा करने में कम है। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि स्कूलों से बच्चों के विस्थापन ने भी स्थिति को खराब कर दिया है।

ज्ञात हो कि तीन मई को मणिपुर में पहली बार हिंसा भड़कने के बाद से अब तक करीब 120 लोग मारे जा चुके हैं और 400 से ज्यादा घायल हुए हैं। इसके अलावा लगभग 50,650 पुरुष, महिलाएं और बच्चे अपने स्थान को छोड़कर दूसरे स्थानों पर शिफ्ट हुए हैं।

सरफराज को टेस्ट में मौका क्यों नहीं

फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 80 का औसत

उनसे आधा एवरेज रखने वाले ईशान-ऋतुराज टीम में शामिल

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। डब्ल्यूटीसी फाइनल में हार के बाद अब 12 जुलाई से भारतीय टीम वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। इस बीच शुक्रवार को भारत की टेस्ट और वनडे टीम की घोषणा हुई। टीम में टेस्ट के बेस्ट प्लेयर चेतेश्वर पुजारा ड्रॉप कर दिए गए। उनकी जगह मुंबई के ओपनर यशस्वी जायसवाल और महाराष्ट्र के ऋतुराज गायकवाड को मौका मिला।

नंबर-3 पोजिशन के खाली होते हुए भी घरेलू क्रिकेट के टॉप बैटर सरफराज खान को टीम में शामिल नहीं किया गया। 25 साल के सरफराज पिछले 3 साल रणजी ट्रॉफी और घरेलू क्रिकेट में शानदार परफॉर्म कर रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका औसत 80 का है, जबकि 38 का औसत रखने वाले ईशान किशन और 42 के एवरेज वाले ऋतुराज को उनसे पहले टेस्ट टीम में मौका मिल गया। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर सरफराज खान को मौका क्यों नहीं दिया जा रहा?

सरफराज खान ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले रणजी सीजन के 6 मैचों में 92.66 की औसत से रन बनाए। पिछले तीन रणजी सीजन में भी उन्होंने शानदार परफॉर्म किया।

2019-20 के सीजन में सरफराज सिर्फ 6 मैच खेल कर सीजन के टॉप-5 स्कोरर रहे। वहीं, 2021-22 के सीजन में वह रणजी ट्रॉफी के टॉप स्कोरर बने। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के चलते उन्हें इंडिया-ए में मौका मिला, लेकिन टीम इंडिया में शामिल होने के लिए उनका इंतजार लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

टेस्ट में ऋतुराज गायकवाड से हर पैमाने में आगे

टेस्ट टीम में महाराष्ट्र के ओपनर ऋतुराज गायकवाड को शामिल किया गया, आकड़ों के हिसाब से सरफराज खान उनसे कई गुना बेहतर हैं। जहां ऋतुराज गायकवाड़ का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में औसत 42.19 का है। वहीं, सरफराज का उनसे दोगुना 79.65 का है। दूसरी ओर दिसंबर 2022 में बांग्लादेश भेजी गई भारत की ए टीम में गायकवाड को मौका तक नहीं दिया गया था। इसके बावजूद उन्हें टीम में शामिल किया गया और सरफराज जैसे प्लेयर को जगह नहीं मिली। टेस्ट टीम के रेगुलर विकेटकीपर ऋषभ पंत कार एक्सीडेंट में घायल होने के बाद क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जगह केएस भरत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मिली। लेकिन भरत के साथ ही ईशान किशन को भी लगातार टीम में शामिल किया जा रहा है। सरफराज की तुलना में ईशान कहीं भी नहीं टिकते।

पिछले 3 रणजी सीजन में सरफराज

	मैच	रन	औसत	शतक
2019-20	6	928	154.66	3
2021-22	6	982	122.75	3
2022-23	6	556	92.66	3

ईशान ने 48 फर्स्ट क्लास मैचों में महज 38.76 की औसत से 2985 रन बनाए हैं। इनमें 6 शतक और 16 फिफ्टी शामिल हैं। उनकी तुलना में सरफराज खान 37 फर्स्ट क्लास मैचों में ही 13 शतक के सहारे 3505 रन बना चुके हैं। उनका औसत भी ईशान से दोगुना है। टेस्ट और वनडे टीम में गायकवाड के अलावा मुंबई के यशस्वी जायसवाल को भी मौका मिला है। यशस्वी घरेलू क्रिकेट के साथ IPL में भी ओपनिंग करते हैं, उन्होंने दोनों ही जगह बेहतरीन परफॉर्म किया। पिछले रणजी सीजन के 5 मैचों में उन्होंने 315 रन बनाए। वह पिछले साल दिसंबर में इंडिया-ए की ओर से बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट खेलने भी गए थे, यहां उन्होंने एक शतक भी लगाया था। जायसवाल युवा हैं और उन्हें रणजी के साथ IPL में अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला। इस कारण उन्हें वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट टीम में जगह मिली। हालांकि घरेलू क्रिकेट के पिछले एक सीजन में जायसवाल ने जैसा प्रदर्शन किया, सरफराज खान पिछले 3 सीजन से उनसे बेहतर परफॉर्म कर रहे हैं। इसके बावजूद सरफराज को टीम में शामिल नहीं करना समझ से परे हैं।

नंबर 3 की जगह खाली, सिलेक्ट हुए 4 ओपनर

वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने वाली टेस्ट टीम में चेतेश्वर पुजारा का नाम नहीं है। इसका मतलब है कि टीम इंडिया में तीसरे नंबर की जगह खाली हो चुकी है। इसे भरने के लिए टेस्ट टीम रोहित शर्मा और शुभमन गिल के होते हुए ओपनर्स यशस्वी और गायकवाड को जगह मिली। टेस्ट टीम को मिडिल आर्डर बैटर की जरूरत है। सरफराज इसके प्रबल दावेदार हैं। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपने सभी रन मिडिल ऑर्डर पोजिशन पर ही बनाए, ऐसे में पुजारा की जगह नंबर-3 पर वह ही सबसे बेहतर ऑप्शन रहते।

आईपीएल में सरफराज को कम मौके

सरफराज खान को IPL में कम मौके मिले। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से वह सीजन के 14 में से 4 ही मैच खेल सके। जबकि यशस्वी, गायकवाड और ईशान किशन ने IPL में अपनी टीमों से सभी मैच खेले और बेहतर प्रदर्शन किया। ऐसे में माना जा सकता है कि सिलेक्टर्स अब आईपीएल प्रदर्शन को ही टीम इंडिया में सिलेक्शन का पैमाना मानने लगे हैं।

एक्सपर्ट्स भी बोले- आईपीएल बन गया पैमाना

मीडिया रिपोर्ट्स और क्रिकेट एक्सपर्ट्स के अनुसार टेस्ट क्रिकेट में भी चयन अब आईपीएल के आधार पर होने लगा है। रणजी क्रिकेट में अभिमन्यु ईश्वरन, अर्पित वसावड़ा और ध्रुव शोरे जैसे शानदार खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल नहीं खेलते। इन खिलाड़ियों को भारत की टेस्ट टीम में भी कभी मौका नहीं दिया गया। अजिंक्य रहाणे भी एक समय बाद भारतीय टीम से बाहर हो गए थे। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स में अच्छा प्रदर्शन किया और टेस्ट टीम में श्रेयस अय्यर के इंजर्ड होने के बाद जगह बनाई। उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल के एक मैच में अच्छा प्रदर्शन किया और इसी आधार पर उन्हें फिर से टेस्ट टीम का उप कप्तान बना दिया गया।

मनिका-साथियन की जोड़ी सेमीफाइनल में

हरमीत देसाई को प्री क्वार्टर फाइनल में मिली हार

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। प्री क्वार्टर फाइनल में हरमीत देसाई को चीन के लियांग यानिंग के हाथों 5-11, 6-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। हरमीत की हार के साथ एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई।

मनिका बत्रा और जी साथियन की जोड़ी ने विश्व टेबल टेनिस कंटेंडर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारतीय जोड़ी ने मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की जोड़ी सेड्रिक मेसनर और यूआन वॉन को 11-8, 11-3, 11-8 से सीधे गेमों में महज 21 मिनट में पराजित किया। दोनों का सेमीफाइनल में कोरियाई जोड़ी शिन यूबिन और लिम जांगहून से सामना होगा।

बत्रा और साथियान एकल मुकाबलों के पहले ही दौर में हारकर बाहर हो चुके हैं। वहीं प्री क्वार्टर फाइनल में हरमीत देसाई को चीन के लियांग यानिंग के हाथों 5-11, 6-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। हरमीत की हार के साथ एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई।

शरत कमल को भी पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था। महिला एकल के अंतिम-16 में आहिका मुखर्जी को जापान की मियू नागासाकी ने 5-11, 9-11, 10-12 से पराजित किया।

पेसर्स की गोल्डन जनरेशन पीछे छूटी, तैयार करने होंगे युवा

सिराज को छोड़ बाकी तेज गेंदबाजों की उम्र 30 से ज्यादा

नई दिल्ली, 24 जून (एजेंसियां)। भारत दो बार आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल हार चुका है। हालांकि, इसके बावजूद शायद ही कोई इस बात से इंकार कर पाएगा कि हमने चैम्पियनशिप के दोनों साइकल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। 2018 से 2022 के दौरान हमने न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराया बल्कि इंग्लैंड में 2-2 से सीरीज ड्रॉ की। भारत ने विदेशी दौरों पर जीतने की आदत डाली। कोहली की कप्तानी में टेस्ट में भारतीय तेज गेंदबाजी में क्रांति आई। इस दौरान हमारे पास ऐसे पेसर थे, जो विरोधी को उनके मैदान पर आउट करने की काबिलियत रखते थे। 2018 से 2022 के बीच हमारे पेसर्स ने 23.96 की औसत से कुल 506 विकेट लिए।

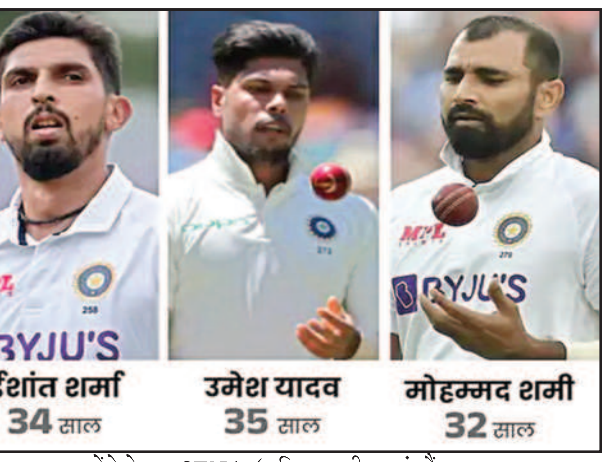

इस दौरान टीम का औसत अन्य टीमों की तुलना में सर्वश्रेष्ठ रहा। हालांकि, बुमराह के चोटिल होने के बाद तेज गेंदबाजी की धार में कुछ कमी आई। साथ ही, इशांत उम्र के कारण सलेक्शन की सूची से बाहर हो गए। उमेश भी 35 साल के हो चुके हैं। शमी (32 साल) 2022 के बाद भारतीय पेस यूनिट के लीडर बन गए। उनका साथ सिराज (29) दे रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम को भविष्य के मद्देनजर तेज गेंदबाजों की नई टुकड़ी तैयार करनी होगी।

2018 में बुमराह के डेब्यू से आया बदलाव

आईपीएल और सफेद गेंद की क्रिकेट में कमाल दिखाने के बाद 2018 में जसप्रीत बुमराह को टेस्ट कैप मिली। उनके डेब्यू के साथ ही वो भारतीय गेंदबाजी यूनिट के लीडर बन गए। बुमराह ने खासकर विदेशी मैदानों पर अच्छा प्रदर्शन किया। बुमराह ने अपने टेस्ट करियर में 128 विकेट लिए हैं, जिसमें से 101 विकेट उन्होंने केवल SENA (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में हासिल किए हैं। 2018-22 के बीच बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में 21.25 की औसत से 32 विकेट चटकाए। ऑस्ट्रेलिया में 10 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गैर ऑस्ट्रेलियाई की तुलना में ये बेस्ट औसत है। औसत के मामले में केवल स्कॉट बोलैंड (12.21) और पैट कमिंस (18.89) उनसे बेहतर हैं। इशांत शर्मा 23.81 की औसत के साथ टॉप-10 की सूची में है। वहीं, इंग्लैंड में इस दौरान 30 से ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में इंग्लिश गेंदबाजों के अलावा केवल बुमराह और शमी का नाम शामिल है। दक्षिण अफ्रीका में मोहम्मद शमी 18.96 की औसत से विकेट लेते हैं। वे उस देश में सबसे अच्छी औसत से विकेट लेने वाले गैर अफ्रीकी गेंदबाज हैं। रणजी में 2019 से अब तक 27 साल की उम्र तक के 14 खिलाड़ियों ने 30 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इन खिलाड़ियों को भारतीय तेज गेंदबाजी के भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है। इस दौरान आकाश दीप ने सबसे ज्यादा विकेट (90) लिए हैं। 26 साल के आकाश आईपीएल में आरसीबी से खेलते हैं और लगातार 140 की रफ्तार से गेंद फेंक सकते हैं।

26 साल के आवेश खान और 27 साल के केवी शशिकांत ने 70 विकेट हासिल किए हैं। इशान पोरेल इस सूची में सबसे युवा (24 साल) हैं। उन्होंने इस दौरान 66 विकेट हासिल किए हैं। पोरेल अपनी सटीक गेंदबाजी और पिच से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में भारत अगर लगातार इन्हें ग्रूम करता है तो बेहतर प्रदर्शन देखने को मिल सकता है।

54 विकेट लेने वाले 25 वर्षीय वैभव अरोड़ा ने आईपीएल में भी केकेआर से खेलते हुए सबका ध्यान आकर्षित किया था। हिमांशु सांगवान ने इस सूची में सबसे कम 19.13 की औसत के साथ 37 विकेट लिए हैं। वहीं, अतीत सेठ और सिमरजीत ने 35-35 विकेट हासिल किए हैं। सिमरजीत तेज गेंदबाजी करते हैं और सेठ एक बॉलिंग ऑलराउंडर हो सकते हैं। इन युवाओं को लाल गेंद के सेटअप में शामिल कर जल्द से जल्द तैयार किया जा सकता है।

ऐसे भी कई गेंदबाज हैं, जो टीम के साथ टी20 और वनडे में रहे हैं। इन खिलाड़ियों को भी रेड बॉल सेटअप के लिए तैयार किया जा सकता है। हालांकि, ये युवा तेज गेंदबाज अभी तक अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे हैं। प्रसिद्ध कृष्ण चोट के कारण टीम से बाहर हैं। उन्होंने वनडे में 14 मैच में 25 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सिंह भारत की ओर से टी20 वर्ल्ड कप भी खेल चुके हैं। कुल 26 टी20 मैच में 41 विकेट ले चुके हैं। उमरान भारत के सबसे तेज गेंदबाज है। वो लगातार 145+ की रफ्तार से गेंद डालते हैं।

टेस्ट सीरीज से पहले एक हफ्ते ट्रेनिंग करेगी टीम इंडिया

बारबारडोस में लगेगा कैम्प, 1 या 2 जुलाई तक वेस्टइंडीज पहुंच सकते हैं खिलाड़ी

बारबाडोस, 24 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज दौरे पर टीम इंडिया डोमिनिका टेस्ट से पहले बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल मैदान में एक हफ्ते का ट्रेनिंग कैम्प लगाएगी। वेस्टइंडीज दौरे पर टीम इंडिया तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलेगी। टीम इंडिया पहले दो टेस्ट मैच खेलेगी।

पहला मैच 12 जुलाई से डोमिनिका में और दूसरा 20 जुलाई से त्रिनिदाद में होगा। विंडीज दौरे पर टीम इंडिया दो टेस्ट मैचों के अलावा तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी।

1 या 2 जुलाई तक बारबाडोस पहुंच सकती है टीम इंडिया

रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने टीम इंडिया का प्लान बताया है। टीम इंडिया बारबाडोस के ब्रिजटाउन में ट्रेनिंग कैम्प लगाएगी। इस दौरान टीम इंडिया टेस्ट सीरीज को लेकर प्लान पर भी काम करेगी। टीम इंडिया 1 या 2 जुलाई तक बारबाडोस पहुंच सकती और लगभग 8-9 जुलाई तक वहीं रहेगी।

कैम्प में में कुछ मैच भी शामिल हो सकते हैं

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा, कैम्प में में कुछ मैच भी शामिल हो सकते हैं, जरूरी नहीं कि फर्स्ट क्लास मैच हों। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसके लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट बारबाडोस के साथ कॉर्डिनेट कर रहा है। टीम इंडिया मैनेजमेंट ने डोमिनिका की राजधानी रोसेउ की जगह बारबाडोस को चुना, क्योंकि रोसेउ में सुविधाएं कम हैं।

भारत के वेस्टइंडीज टूर का शेड्यूल

मैच	कब	कहां	समय
टेस्ट सीरीज			
पहला	12 से 16 जुलाई	विंडसर पार्क	शाम 7:30 से
दूसरा	20 से 24 जुलाई	क्वींस पार्क ओवल	शाम 7:30 से
वनडे सीरीज			
पहला	27 जुलाई	केंसिंग्टन ओवल	शाम 7:00 से
दूसरा	29 जुलाई	केंसिंग्टन ओवल	शाम 7:00 से
तीसरा	1 अगस्त	ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी	शाम 7:00 से
टी-20 सीरीज			
पहला	3 अगस्त	ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी	शाम 8:00 से
दूसरा	6 अगस्त	गुयाना नेशनल स्टेडियम	शाम 8:00 से
तीसरा	8 अगस्त	गुयाना नेशनल स्टेडियम	शाम 8:00 से
चौथा	12 अगस्त	लौडरहिल	शाम 8:00 से
पांचवां	13 अगस्त	लौडरहिल	शाम 8:00 से

डोमिनिका में 12 साल बाद टेस्ट मैच खेलेगा भारत

भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच 12 जुलाई से डोमिनिका में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच यहां अब तक केवल एक मुकाबला खेला गया है। टीम इंडिया यहां 12 साल बाद खेलेगी। भारत-वेस्टइंडीज के बीच डोमिनिका में आखिरी टेस्ट मैच जुलाई 2011 में खेला गया था। यह मुकाबला ड्रॉ रहा था।

वेस्टइंडीज का कैंप एंटीगुआ में

वहीं वेस्टइंडीज की टीम एंटीगुआ में अपना कैंप लगाएगी। सीडब्ल्यूआई के सूत्र ने पुष्टि की कि वेस्टइंडीज के टेस्ट खिलाड़ी डोमिनिका जाने से पहले कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग लेंगे।

भारतीय टेस्ट टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड, यशस्वी जायसवाल, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट, ईशान किशन (विकेटकीपर) और नवदीप सैनी।

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में भारत का पहला मैच कनाडा से

सैंटियागो, 24 जून (एजेंसियां)। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ करेगा और उसके बाद एक और दो दिसंबर को क्रमशः बेल्जियम तथा जर्मनी के साथ उसका मुकाबला होगा।

भारत चिली की राजधानी सैंटियागो में होने वाले एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) जूनियर महिला हॉकी विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत प्रतियोगिता के पहले दिन कनाडा के खिलाफ करेगा। भारतीय टीम को 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाली प्रतियोगिता में बेल्जियम, कनाडा और जर्मनी के साथ पूल सी में रखा गया है।

गुरुवार की रात को घोषित पूल और कार्यक्रम के अनुसार, भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ करेगा और उसके बाद एक और दो दिसंबर को क्रमशः बेल्जियम तथा जर्मनी के साथ उसका मुकाबला होगा। इस प्रतिष्ठित आयोजन से पहले रोमांच को बढ़ाने के लिए एफआईएच ने जूनियर महिला विश्व रैंकिंग भी जारी कर दी। इसके अनुसार भारत छठे, जबकि नीदरलैंड शीर्ष स्थान पर है। अर्जेंटीना, जर्मनी, इंग्लैंड और अमेरिका क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

इस महीने की शुरुआत में जापान में महिला जूनियर एशिया कप जीतने के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतरेगी और उसका लक्ष्य पहली बार इस टूर्नामेंट को जीतना होगा। भारतीय टीम विश्वकप के पिछले सत्र में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद कांस्य पदक जीतने से चूक गई थी। तीसरे-चौथे स्थान के मैच में टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा था।

सिर्फ उसे ही क्यों बलि का बकरा बनाया गया?

पुजारा को ड्रॉप किए जाने पर भड़के सुनील गावस्कर

मुंबई, 24 जून (एजेंसियां)। 12 जुलाई से भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। इस दौरे पर होने वाले 2 टेस्ट मैचों के लिए चेतेश्वर पुजारा को टीम में नहीं रखा गया है। उन्हें ड्रॉप किए जाने को लेकर पूर्व भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने चनयकर्ताओं पर निशाा साधा और नाराजगी जताई है। गावस्कर ने साफ तौर पर पूछा कि पुजारा को ही क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है। आपको बता दें कि हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए अआईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में टीम इंडिया को करारी हार मिली थी। इस अहम फाइनल में पुजारा ने मैच में 14 और 27 रन बनाए थे। सिर्फ रहाणे को छोड़कर कोई दूसरा खिलाड़ी कमाल नहीं दिखा पाया था।'

रहाणे को छोड़कर सभी खिलाड़ी हुए थे फ्लॉप

आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवल में खेले गए डब्ल्यूटीसी के फाइनल में कप्तान रोहित शर्मा (15 और 43), विराट कोहली (14 और 49) और शुभमन गिल (13 और 18) ने टेस्ट टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है। इनमें से किसी भी खिलाड़ी को ड्रॉप नहीं किया गया है।

वर्ल्ड-कप क्वालिफायर...ओमान 98 पर ऑलआउट

हसरंगा को 5 विकेट, श्रीलंका 15 ओवर में जीता

स्कॉटलैंड ने यूएई को 111 रन से हराया

बुलवायो, 24 जून (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर में श्रीलंका का अच्छा फॉर्म जारी है। टीम ने ग्रुप स्टेज में अपने दूसरे मैच में ओमान को 10 विकेट से हरा दिया। वनिंदु हसरंगा ने 5 विकेट लिए और ओमान 98 रन पर ही ऑलआउट हो गई। जवाब में श्रीलंका ने बगैर विकेट गंवाए 15 ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया।

क्वालिफायर में शुक्रवार को एक अन्य मैच में स्कॉटलैंड ने यूएई को 111 रन से हरा दिया। इन नतीजों के बाद श्रीलंका और स्कॉटलैंड दोनों ग्रुप ए में 4-4 पॉइंट्स लेकर पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गई।

जिम्बाब्वे में 18 जून से क्वालिफायर जारी है। 23 जून को बुलवायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में ओमान और श्रीलंका के बीच मैच हुआ। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी और ओमान को 20 रन के स्कोर पर ही 4 झटके दे दिए।

कश्यप 1, आकीब इलियास 6, कप्तान जीशान मकसूद 1 और मोहम्मद नदीम 0 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

जतिंदर सिंह 21 रन बनाकर हसरंगा का शिकार हुए। हसरंगा के बॉलिंग पर आते ही ओमान के बैटर्स बिखर गए। अयान खान 41 रन बनाकर आउट हुए। उनके अलावा शोएब खान, जय ओडेड्रा और बिलाल खान खाता भी नहीं खोल सके। नसीम खुशीम एक रन बनाकर रन आउट हुए।

72 रन पर पांचवां विकेट गंवाने के बाद ओमान अपने स्कोर में 16 ही रन जोड़ सकी और सभी 6 विकेट गंवा दिए। हसरंगा ने ओमान के आखिरी 6 में से 5 विकेट लिए। वहीं लहिरु कुमारा ने 3 और कसुन रजिथा ने एक विकेट लिया।

99 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका को ओपनर्स ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने 15 ओवर में बगैर विकेट गंवाए टारगेट हासिल कर लिया। पथुम निसांका ने 37 और दिमुथ करुणारत्ने ने 61 रन बनाए।

5 विकेट लेने वाले हसरंगा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने टीम के पहले मैच में यूएई के खिलाफ 6 विकेट लिए थे। 11 विकेट के साथ वह टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर हैं।

शुक्रवार के एक अन्य मैच में स्कॉटलैंड ने यूएई को ग्रुप-बी के मैच में 111 रन से हरा दिया। बुलवायो एथलेटिक क्लब में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 48 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। यहां से कप्तान रिची बैरिंगटन ने पारी संभाली।

श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः ।

श्री गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव-2023

जिनकी एक दृष्टि ही जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल देती है

आइये-
ईश्वरीय सत्ता से विभूषित

सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव, तिरुपति के श्रीमुख से दैविक सिद्धित मंत्रों का महा-आशीर्वाद प्राप्त करें, जो आपके जीवन से हर विपत्तियों को मिटाते हुए, समृद्ध बनाते हुए भव सागर से पार उतार देगी

सिद्धगुरु
श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव तिरुपति

स्टॉल हेतु निम्न फ़ोन नं.
8500545274
पर संपर्क कर सकते हैं

गुरु चरणों में जो भी आये उसके ही है भाग्य बड़े

दिनांक :
रविवार, 2 जुलाई 2023
मध्याह्न 3.00 बजे से

स्थान :
एन.टी.आर. स्टेडियम
इंदिरा पार्क के पास, लोअर टैंकबंड, हैदराबाद

समारोह : गुरु स्तुति, गुरु पाद पूजन, मंगलकारी अमृतवाणी, कल्याणकारी प्राथनाएँ एवं दिव्य आशीर्वाद

भक्त महामहोत्सव में ऑनलाइन के जरिए पंजीकरण करवा सकते हैं जिसका लिंक है -
https://www.cognitoforms.com/SriBrahmrishiAshram/SriGurupoornimaMahamahotsav2023
या फ़ोन नं. **+918328249515, 8639491629, 9949049420** पर भी संपर्क कर सकते हैं।

रवि चंद्रा राज्यसभा सांसद | **गोपाल अग्रवाल** अध्यक्ष | **बी.बी. पाटिल** जहीराबाद सांसद | **विमल जैन** इलाईची वाले, सदस्य | **प्रभात सेठिया** सदस्य | **कैलाश नारायण भांगडिया** तेलंगाना राज्य सह-संयोजक

गोविंद अग्रवाल सदस्य | **ललिता मोदानी** सदस्य | **मोतीलाल जैन** सदस्य | **विनोद संचेती** सदस्य | **गोपाल मोर** सदस्य

किरण तायल तेलंगाना राज्य सह-संयोजक

विश्व धर्म चेतना मंच
हैदराबाद चैप्टर

प्रकाश सेठिया केंद्रीय प्रभारी गुरु पूर्णिमा

श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः । श्री गुरुदेव नमः ।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.